रांची, मंगलवार
03.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 92, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
...हमारी, विश्वास आपका

रांची, मंगलवार
03.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 92, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

शुभकामनाएं

बिहान भारत हिंदी दैनिक के पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हॉकर बंधुओ को रंगो का त्यौहार होली के शुभअवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।

प्रबंधक

अवकाश की सूचना

रंगो का त्यौहार होली के सुअवसर पर दिनांक 3-4 मार्च 2026 को बिहान भारत हिंदी दैनिक के कार्यालय में अवकाश रहेगा । अतः अखबार का अगला अंक 6 मार्च 2026 को उपलब्ध होगा ।

सम्पादक

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आज पोस्ट बजट वेबिनार को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आर्थिक विकास को बनाए रखना और मजबूत करना विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह वेबिनार विभिन्न क्षेत्रों को केंद्र में रखते हुए चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित किया जा रहा है। इनमें (i) विनिर्माण, औद्योगिक उन्नयन एवं रणनीतिक क्षेत्र, (ii) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), वित्त एवं बाजार पहुंच, (iii) सिटी इकोनॉमिक रीजन और (iv) अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स एवं माल ढुलाई जैसे विषय शामिल हैं। इस पोस्ट बजट वेबिनार में औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी नेतृत्व को मजबूत करने और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की बुनियादी संरचना सुदृढ़ करने के लिए सरकार के दूरदर्शी सुधार एजेंडे को रेखांकित किया जाएगा। विचार-विमर्श का मुख्य फोकस बजट में निर्धारित प्राथमिकताओं को प्रभावी क्रियान्वयन में परिवर्तित करने पर रहेगा। इसमें उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के अनुभव और सुझावों के आधार पर नीतियों के बेहतर कार्यान्वयन पर बल दिया जाएगा।

झारखंड के विकास के लिए नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज की स्थापना करेगा टाटा

झारखंड से ही टाटा समूह ने शुरू किया था अपना सफर, झारखंड के साथ देश के विकास में इस समूह का अहम योगदान : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। टाटा ग्रुप झारखंड के विकास के लिए नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज की स्थापना करेगा। इसे लेकर सोमवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के बीच सहमति बनी। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री और टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन प्रेस वार्ता कर दी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा समूह का झारखंड से काफी पुराना रिश्ता रहा है। इस समूह ने अपने सफर की शुरूआत इसी राज्य से की थी। आज टाटा समूह की वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान है।

यह समूह विभिन्न संस्थानों-प्रतिष्ठानों के माध्यम से झारखंड समेत देश के विकास में अहम योगदान देते आ रहा है । इस समूह का सफर निरंतर आगे बढ़ रहा है । मुझे उम्मीद और विश्वास है कि यह सफर पूरी मजबूती के साथ अनवरत जारी रहेगा।

इस मौके पर टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप झारखंड में नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज स्थापित करने की दिशा में पहल की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार और टाटा के अधिकारियों की एक टीम बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में टाटा समूह हर स्तर पर पूरा सहयोग देगी।

राज्य में निवेश का अनुकूल माहौल हो रहा तैयार

टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि आज झारखंड जैसे राज्य में निवेश अनुकूल माहौल तैयार हो रहा है। औद्योगिक विकास को लेकर राज्य सरकार का रोड मैप निवेशकों को काफी आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री के साथ आज हुई बैठक में निवेश से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई और इसके सकारात्मक परिणाम आपको देखने को मिलेंगे।

नई टेक्नोलॉजी पर होगा निवेश

टाटा समूह के कई प्रतिष्ठान इस राज्य में कार्यरत हैं। इसमें टाटा स्टील और टाटा मोटर्स जैसी बड़ी फैक्ट्रियां भी शामिल हैं। अब इन प्रतिष्ठानों में नई टेक्नोलॉजी से उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। ऐसे में नई टेक्नोलॉजी पर बड़े निवेश की योजना है। इसके अंतर्गत टाटा स्टील में नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से जहां प्रदूषण नियंत्रण के साथ उत्पादन की प्रक्रिया तेज होगी, वहीं उन्नत हाइड्रोजन बेस्ड वाहन निर्माण संयंत्र स्थापित किया गया है।

सीएसआर का बढ़ेगा दायरा, स्किल डेवलपमेंट पर भी रहेगा फोकस

झारखंड के विकास में टाटा समूह अपनी पूरी भागीदारी निभाना के लिए तैयार है। ऐसे में सीएसआर का दायरा बढ़ाया जाएगा । इसकी राशि में बढ़ोतरी करने की योजना है, ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ यहां के लोगों को मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि यहाँ के युवाओं के कौशल विकास में टाटा समूह राज्य सरकार के साझेदार की भूमिका निभाएगी। ताकि, आज की जरूरत के हिसाब से उनके कौशल को निखार कर तैयार किया जा सके।

भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द देंगे अंतिम रूपः मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द अंतिम रूप देंगे और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

भारत-कनाडा सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और कनाडा जीवंत लोकतंत्र हैं, विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और साझा मूल्यों पर आधारित समाज हैं। लोकतंत्र, विविधता और विकास हमें स्वाभाविक साझेदार के रूप में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इस परिवर्तन के पीछे मजबूत घरेलू मांग, युवा आबादी, बड़े पैमाने पर निवेश और डिजिटल तकनीक की शक्ति है। यह हमारी निरंतर आगे बढ़ती ‚रिफॉर्म एक्सप्रेस‛ का परिणाम है। नीति सरलीकरण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), लॉजिस्टिक्स आधुनिकीकरण तथा कर और दिवाला सुधारों के माध्यम से हर क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस वर्ष के बजट में आधारभूत संरचना विकास के लिए रिकॉर्ड 130 अरब डॉलर का प्रावधान किया है, जबकि नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के तहत 1.3 ट्रिलियन डॉलर के निवेश पर कार्य चल रहा है। कनाडाई पेंशन फंड भारत में लगभग 100 अरब डॉलर का निवेश कर चुके हैं, जो गहरे विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कनाडाई उद्योग जगत से भारत की अवसंरचना विकास यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया।

मोदी ने सहयोग के पांच प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छ ऊर्जा दोनों देशों की प्राथमिकता है। परमाणु क्षेत्र में सहयोग और यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए समझौते किए गए हैं। महत्वपूर्ण खनिजों में मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। कनाडा की नवाचार क्षमता और भारत की विस्तार क्षमता को मिलाकर बैटरी और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में संयुक्त एआई कंप्यूट कॉरिडोर और स्टार्टअप्स के लिए एआई इनोवेशन सैंडबॉक्स स्थापित किए जा सकते हैं। विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी–विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग–में कनाडा की तकनीक और भारत के पैमाने को जोड़कर वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाया जा सकता है। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मेगा फूड पार्क, कोल्ड चेन और फूड टेस्टिंग लैब्स तेजी से विकसित हो रहे हैं, जो सहयोग का नया आयाम बन सकते हैं।

रातू में जंगली हाथी का उत्पात, एक ग्रामीण की मौत, एक अन्य घायल

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित चित्तरकोटा इलाके में सोमवार सुबह जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सुबोध खलखो के रूप में हुई है, जबकि घायल व्यक्ति रौशन खलखो है, जिसका पैर टूट गया है। रातू थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हाथी के हमले से एक व्यक्ति की जान गई है और एक अन्य घायल है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह चित्तरकोटा इलाके में एक जंगली हाथी को घूमते हुए देखा गया था। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को खदेड़कर जंगल की ओर भगा दिया। हालांकि, कुछ देर बाद हाथी फिर से रिहायशी इलाके में लौट आया और लोगों के बीच दहशत फैला दी। बताया जा रहा है कि हाथी अभी भी आसपास के क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले भी रांची के हटिया इलाके में एक जंगली हाथी देखा गया था। वह काफी देर तक रिहायशी क्षेत्र में घूमता रहा था। बाद में वन विभाग की टीम ने उसे सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ दिया था। लगातार रिहायशी इलाकों में हाथियों की आवाजाही से लोगों में चिंता बढ़ गई है।

वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और हाथी दिखने पर तुरंत प्रशासन या वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

होली को लेकर राज्य में सुरक्षा के कडे इंतजाम, 10 हजार जवान रहेंगे तैनात

बिभा संवाददाता

रांची। होली पर्व को लेकर राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 24 जिलों में कानून-व्यवस्था के लिए होली के मौके पर विधि-व्यवस्था ड्यूटी संभालने के लिए इस बार झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप), इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी), गृह रक्षा वाहिनी, एसएसबी और रैफ के 10 हजार से अधिक जवानों की तैनाती की गयी है। होली को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट मोड में है। डीजीपी तदाशा मिश्रा के निर्देश पर राज्यभर में अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती की गयी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने पीसीआर, टाइगर पुलिस और बीट पुलिस से भी लगातार संपर्क स्थापित करते रहने का निर्देश दिया गया है। राजधानी रांची में होली पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। जिले भर में लगभग 4000 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है।

रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने बताया की जिले भर में अतिरिक्त 4000 पुलिस बल तैनात किए गए हैं। रांची जिला बल के अलावा, रैफ, एसएसबी और होमगार्ड के जवानों को लगाया गया। सभी थानों में क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात की गई है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। सभी थाना प्रभारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। सभी पुलिस कर्मियों को सुरक्षा में मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है।

होली के दौरान सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो इसके लिए सभी थानों में क्यूआरटी तैनात रहेगी। सभी जवानों को होली के दौरान चौकन्ना रहने का निर्देश दिया गया है। रांची के कचहरी स्थित कंट्रोल रूम में आपात स्थिति के लिए अग्निशमन वाहन और एंबुलेंस को तैनात रखा गया है।

आजीवन कारावास की सजा काट रहे 23 कैदियों की होगी रिहाई

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद की 36वीं बैठक मंगलवार को हुई।

इस बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 23 कैदियों को रिहा किए जाने से पर सहमति बनी। बैठक में राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद द्वारा अनुशंसित नए मामलों के साथ-साथ पिछली बैठकों में रिहाई से संबंधित अस्वीकृत किए गए 34 मामलों की भी गहन समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आजीवन सजा काट रहे 34 कैदियों के रिहाई प्रस्ताव पर बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया, और अंततः 23 कैदियों की रिहाई पर सहमति दी गई।

मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति,न्यायालयों,संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों,जेल अधीक्षकों एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्यों की समीक्षा करने के बाद यह सुनिश्चित किया कि रिहाई न्यायिक नियमों, सामाजिक सुरक्षा एवं कारा अधिनियमों के दृष्टिकोण से वैध और उचित रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने रिहा होने वाले कैदियों के लिए एक व्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि डायन-बिसाही के आरोप में रहे कैदियों के साथ महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा होने वाले कैदियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, उनकी आय सृजन और सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए तथा जिला स्तर पर उनके जीवनयापन के लिए निर्धारित जिला समन्वयकों की विशेष जिम्मेदारी तय की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा,प्रधान सचिव-विधि परामर्शी, विधि विभाग नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक, कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल,न्यायिक आयुक्त अनिल कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने लखपति बिटिया, होलीझ्रदीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर और सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड योजना का किया शुभारंभ

आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को दिल्ली सरकार की लखपति बिटिया योजना, होलीझ्रदीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड योजना का शुभारंभ और लाडली योजना के अंतर्गत 40,642 बालिका लाभार्थियों के खातों में 100 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरण किए।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित सशक्त नारी, समृद्ध दिल्ली कार्यक्रम में दिल्ली की

महिलाओं और बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित हजारों की संख्या में लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। सैनिक के रूप में वे देश की सीमाओं की रक्षा कर रही हैं। वैज्ञानिक के रूप में वे प्रयोगशालाओं में शोध कर रही हैं। खेल-प्रतियोगिताओं में वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रही हैं। राजनीति, सामाजिक सेवा, प्रशासन और व्यापार जैसे सभी क्षेत्रों में आज महिलाएं नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

उन्होंने कहा कि देशभर में दीक्षांत समारोहों में डिग्री और पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की बढ़ती संख्या एक प्रेरणादायक तस्वीर प्रस्तुत करती है। हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि महिलाओं को आज भी हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक रूढ़िवादिता और स्वास्थ्य संबंधी उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य इन बाधाओं को दूर करके ही प्राप्त किया जा सकता है। एक महिला सशक्त तभी होगी जब वह स्वतंत्र निर्णय ले सके, आत्मसम्मान से जी सके और उसे समान अवसर व सुरक्षा मिले। एक सशक्त महिला न केवल अपना जीवन बदल सकती है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों की दिशा भी बदल सकती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए हैं। ‚बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ‛ योजना शिक्षा और लड़कियों की सुरक्षा को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाखों महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा कर रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध करा रही है। लखपति दीदी योजना जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान कर रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी पहल महिलाओं के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पूर्ण चंद्र ग्रहण का समय आया नजदीक : अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में सबसे पहले देख सकेंगे लोग

एजेंसी

नई दिल्ली : दुनिया के कई देशों में मंगलवार शाम को पूर्ण चंद्रग्रहण लगेगा, जो भारत के पश्चिमी हिस्से के कुछ स्थानों को छोड़कर लगभग सभी स्थानों पर दिखायी देगा। खगोल विज्ञान केंद्र ने बताया कि देश के ज्यादातर हिस्सों में चंद्र ग्रहण का आखिरी चरण दिखायी देगा।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह में चाँद थोड़ा पहले उग जाएगा, इसलिए वहाँ के लोग पूर्ण चंद्रग्रहण देख पाएंगे। भारतीय समयानुसार, चंद्र ग्रहण अपराह्न 3:20 बजे पर शुरू होगा और शाम 6:48 बजे पर समाप्त हो जाएगा। लेकिन 'पूर्ण चंद्र ग्रहण' की शुरूआत अपराह्न 4:34 बजे से होगी और समाप्ति 5:35 बजे पर होगी। चंद्र ग्रहण पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर और उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका में भी दिखायी देगा।

उल्लेखनीय है कि भारत में दिखने वाले अगला चंद्र ग्रहण छह जुलाई 2028 को घटित होगा, जो कि आंशिक चंद्र ग्रहण होगा। इसके अलावा इससे पहले भारत में चंद्र ग्रहण सात-आठ सितंबर 2025 को दिखा था, जो कि पूर्ण चंद्र ग्रहण था।

खूंटी शहर में दिनदहाड़े घुसा जंगली हाथी, मची अफरा-तफरी

बिभा संवाददाता

खूँटी। नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य शहर स्थित डेली मार्केट और रिहायशी इलाके में सोमवार सुबह लगभग 10 बजे एक जंगली हाथी के प्रवेश से अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि हाथी जंगल से भटकते हुए विभिन्न गांवों से गुजरकर शहर में आ पहुंचा।
हाथी के शहर में घुसते ही हजारों की संख्या में लोग मोबाइल कैमरा लेकर उसके पीछे दौड़ पड़े। वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस द्वारा बार-बार दूरी बनाने की अपील के बावजूद कई लोग वीडियो बनाने में जुटे रहे, जिससे हाथी और अधिक असहज हो गया। सोमवार को ऐसा अवसर हुआ कि पहली बार किसी हाथी जंगल से भटक का दिनदहाड़े खूंटी शहर में घुसा।

भीड़ के कारण भटका हाथी, कई इलाकों में घूमता रहा तीन घंटे

हाथी डेली मार्केट में पहुँचा, सब्जी बाजार में सब्जी खाया, फिर एक गया के आंगन में घुसकर रास्ता खोजा और का दीवार तोड़कर नगर भवन में जा घुसा, वहीं पीढ़ी टोली, अमृतपुर होकर वन विभाग कार्यालय परिसर पहुंचा जहाँ थोड़ी देर परिसर में रहने के बाद साप्ताहिक बाजार और कॉलेज गेट तक पहुंच गया। भीड़ के कारण वह इधर-उधर भटकता रहा और लगभग तीन घंटे तक शहर में घूमता रहा।
दृष्टि कमजोर होने के कारण हाथी कभी सड़क किनारे खड़े ट्रक से तो कभी कार से टकरा जाता था, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाथी शांत स्वभाव का था और उसने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया।

नगर भवन से लेकर समाहरणालय तक पहुंचा हाथी

हाथी नगर भवन में घुस गया और फिर गेट से बाहर निकलकर डीएवी रोड होते हुए पीढ़ीटोली और अमृतपुर बस्ती की ओर बढ़ा। बाद में वह मुख्य पथ से होते हुए समाहरणालय की दिशा में चला गया।
थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह लगातार माइक से घोषणा कर लोगों से दूरी बनाए रखने और हाथी को परेशान न करने की अपील करते रहे।

कुएं में गिरा हाथी, वन विभाग ने बचाई जान

शाम के समय हाथी सेरेंगटोली सीमावर्ती क्षेत्र के एक खेत में बने कुएं में गिर गया। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए जेसीबी मंगाकर कुएं के किनारे की मिट्टी काटकर रास्ता बनाया गया और काफी मशक्कत के बाद हाथी को सुरक्षित बाहर निकाला गया।
इसके बाद हाथी को शहर से बाहर सुरक्षित दिशा में ले जाया गया। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की टीम हाथी को बिरुमकेल की ओर पहुँचाने में लगी थी।

वन विभाग की तत्परता से टला बड़ा हादसा

इस पूरे घटनाक्रम में डीएफओ दिलीप कुमार यादव, प्रोबेशनल डीएफओ रित्विका पांडे, वनरक्षी प्रवीण सिंह, प्रभात पाढ़ी सहित रनिया, कर्रा, बुण्डू और तमाड़ क्षेत्र के गार्ड व वनकर्मी देर रात तक ड्यूटी पर तैनात रहे।
वन विभाग के गार्ड प्रवीण सिंह ने बताया कि हाथी शांत स्वभाव का था, लेकिन भीड़ के कारण उसे नियंत्रित करने में कठिनाई हुई। उन्होंने लोगों से अपील की कि जंगली जानवर दिखने पर दूरी बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें।

पहली बार शहर में हाथी का प्रवेश

स्थानीय दुकानदारों और बाजार के लोगों ने बताया कि पहली बार दिनदहाड़े जंगली हाथी शहर के मुख्य बाजार तक पहुंचा। घटना से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी जरूर मची, लेकिन वन विभाग की सतर्कता और हाथी के शांत स्वभाव के कारण कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

संक्षिप्त खबरें

अवैध विदेशी शराब विनिर्माण केंद्र का उद्भेदन

जमशेदपुर (बिभा): आगामी होली पर्व के मद्देनजर सहायक आयुक्त उत्पाद, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के निदेशानुसार अवैध मदिरा के विनिर्माण, भंडारण तथा बिक्री के विरुद्ध गठित छापेमारी दल द्वारा प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को एम०जी०एम थाना अन्तर्गत अवध डेंटल कॉलेज के सटे बने ऊंचे चहारदीवारी युक्त राजेश कुमार शर्मा के मकान परिसर पर छापेमारी कर परिसर में चल रहे अवैध विदेशी शराब विनिर्माण केंद्र का उद्भेदन किया गया है । छापेमारी में विदेशी शराब को तैयार करने एवं उसे बोतलबंद करने हेतु आवश्यक सभी सामग्री जैसे स्पिरिट, तैयार तरल रंगीन शराब, भारी मात्रा में विभिन्न ब्रांडों का खाली बोतल, भारी मात्रा में ढक्कन व बोतल सीलबन्द करने कॉर्क, बोतलों पर चिपका कर विभिन्न ब्रांडों का लेबल, नकली उत्पाद आसंजक, शराब को रंग व फ्लेवर देने में प्रयुक्त केरामेल लीटर, प्लास्टिक के ड्रम में तैयार रंगीन विदेशी शराब तथा करीब 80 पेटियों में, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज, रॉयल गोल्ड कप आदि ब्रांड का बोतल बन्द शराब बरामद किया गया है।

एलबीएसएम कॉलेज में बाहा मिलन कार्यक्रम का आयोजन, विधायक का ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

जमशेदपुर(बिभा) : जमशेदपुर एलबीएसएम कॉलेज प्रांगण में डिपार्टमेंट ऑफ संथाली समाज द्वारा एक दिवसीय बाहा मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार कार्यक्रम में शामिल हुए। समाज के लोगों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया बाहा मिलोन कार्यक्रम के दौरान संथाल समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। बच्चे, पुरुष एवं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और मदाल की थाप पर पारंपरिक गीत-संगीत से वातावरण को उत्सवमय बना दिया। यह पर्व फाल्गुन माह के आरंभ से पूर्व मनाया जाता है, जिसमें प्रकृति पूजा और सामाजिक एकता का विशेष महत्व होता है। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि बाहा पर्व हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अपनी परंपराओं को सहेजने और आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा में बैठकर सामूहिक रूप से कार्यक्रम का निर्धारण करना हमारी लोकतांत्रिक और सामुदायिक परंपरा को दशार्ता है।

कर्रा के पत्रकार दुर्गा बड़ाइक के बड़े भाई का निधन

खूँटी (बिभा)। कर्रा के आंचलिक पत्रकार दुर्गा बडाईक के बड़े भाई 58 वर्षीय समाजसेवी भूपाल बडाईक का सोमवार को निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, स्व भूपाल बडाईक खूँटी डीएससी ऑफिस से सेवानिवृत्त होने के बाद क्षेत्र में सामाजिक कार्य में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते थे। रविवार की संध्या उन्हें सीधा में दर्द होने लगा जिसके बाद परिजनों द्वारा कर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा ले गये। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें खूँटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया । लेकिन स्थिति की गम्भीरता को देखते हुए सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रिम्स रांची भेज दिया। वहीं इलाजरत भूपेंद्र सिंह सोमवार को रिम्स में कुछ सुधार होने आभास लगा। लेकिन इसी क्रम में सोमवार को पौने तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस लिया। भुपाल बडाईक की मौत की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गया। इनकी मौत से पूरा क्षेत्र गमगीन एवं शोक का माहौल हो चुका है। छोटे भाई दुर्गा बड़ाईक ने बताया कि मंगलवार 11 बजे उनका कर्रा पोढ़ा श्मशान घाट में अंतिम दाह संस्कार किया जायेगा। उनके निधन पर अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

सर्व सनातन समाज ने किस्सा होली मिलन समारोह का आयोजन

खूँटी (बिभा)। सर्व सनातन समाज द्वारा सोमवार को खूंटी में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । उक्त समारोह में लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। मौके पर बताया कि होली भारतीय सभ्यता में सनातन धर्म का प्रमुख त्यौहार है। यह त्यौहार धर्म के साथ जुड़ा हुआ है जिसमें पाप पर पुण्य की विजय हुई होलिका का अंत होने के पश्चात रंग अबीर खेला जाता है। वहीं इस त्योहार में राधा कृष्ण की डोर यात्रा जैसी परम्परा के साथ होली हमारी संस्कृति रही है। इस दौरान लोगों ने काफी उल्लास के साथ होली मिलन कार्यक्रम सम्पन्न किया। इस होली मिलन समारोह में सनातन समाज के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शहर में रंग अबीर पिचकारी मुखौटा खरीदारी करने आने से बाजार में बढ़ा रौनक

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर में होली पर्व का बाजार पूरी तरह रंगों की दुकानें लगी चुकी है। होली की तैयारी को लेकर सोमवार को बाजार में अबीर-गुलाल, पिचकारी और तरह-तरह के सजावटी सामानों की जमकर बिक्री हुई। खरीदारों की भीड़ से बाजारों में रौनक लौट आई है। होली के त्योहार को लेकर खूँटी के मेन रोड, नेताजी चौक, भगतसिंह चौक सहित सभी मुहल्लों में रंग अबीर गुलाल पिचकारी आदि की दूकानों में लोग खरीदारी करने पहुंचे। जिसके कारण बाजार में आगामी त्यौहार की खरीदारी के लिए भीड़-भाड़ रही। डेली मार्केट और आसपास के इलाकों में इन दिनों खासा उत्साह देखा गया। दुकानों में रंग-बिरंगे अबीर, हर्बल गुलाल, बच्चों के लिए कार्टून वाली पिचकारियाँ और पानी वाले टैंक और मुखौटा की डिमांड बढ़ गई है। जहाँ अधिकतम पाँच सौ रुपए के पिचकारी बाजार में उपलब्ध है। भाजपा के सिंबल मोदी पिचकारी की मांग बढ़ गयी है। जहाँ लोग मोदी व भाजपा सिंबल कमल फूल बन पिचकारी भी बिक्री हो रही है। इसके साथ तरह तरह के मुखौटा और बाल की बिक्री हो रही है। वहीं वाटर बैलून, अबीर पटाखा , फोग आदि की बिक्री भी होने लगी है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार बाजार में पिछले साल की तुलना में ज्यादा ग्राहक पहुंच रहे हैं। खासकर युवा और बच्चे होली की खरीदारी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। ह्लत्योहार को लेकर बच्चों में काफी उत्साह है, इसलिए खरीदारी करने आए हैं।ह्व कुल मिलाकर, खूंटी का होली बाजार रंग, उमंग और उत्साह से सराबोर है। अब सभी को रंगों के इस पर्व का बेसब्री से इंतजार है।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का विशाल रक्तदान शिविर आज, तैयारियां पूरी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जेएन टाटा साहब के प्रतिमा के अनावरण एवं विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के गोपेश्वर हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगंतुक अतिथियों के स्वागत , रक्तदाताओं के सुविधाओं , भोजन , पार्किंग आदि के प्रबंध पर गहन विचार - विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि सभी लोग अपने - अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करें ताकि यह वृहद आयोजन सफल हो। उन्होंने तैयारियों के समीक्षा के उपरांत बारी - बारी से सबों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि हमारे लिए रक्तदाता महत्वपूर्ण है। उनके सुविधाओं का पूरा ख्याल रखना है। अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने कहा कि कल का दिन महत्वपूर्ण है। सबों को मिलकर रक्तदान शिविर को सफल बनाना है। बैठक में तमाम ऑफिस वेयरर, कमेटी मेंबर, आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य मौजूद थे। बैठक का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन एमके सिंह ने किया। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन संस्थापक दिवस को यादगार बनाने के लिए अनूठी पहल की है। यूनियन के द्वारा पूरे कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रों में दस हजार से अधिक दीप बांटे गए हैं। रक्तदान के लिए रक्तदाताओं में है जबर्दस्त उत्साह।
संस्थापक दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में हिस्सा लेने के लिए अब तक 4 हजार से अधिक रक्तदाताओं ने नामांकन कराया है । महामंत्री आरके सिंह ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि आगंतुक रक्तदाताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। शिविर में सुविधाओं का है पूरा प्रबंध।
शिविर में आगंतुक रक्तदाताओं के सुविधा का पूरा ख्याल रखा गया है। यहां सुविधाओं से लैस कुल 44 बेड लगाए गए हैं। जिसमें 4 रनिंग बेड है। पारा मेडिकल टीम, जमशेदपुर ब्लड बैंक की टीम सोमवार से ही तैयारियों में जुटी है। शिविर प्रातः 6 बजे से शुरू होगा। रजिस्ट्रेशन, हिमोग्लोबिन टेस्ट तथा रक्तदान आदि के लिए उत्तम प्रबंध, जलपान, भोजन आदि की व्यवस्था का अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह संयुक्त रूप से टीम के साथ जायजा लिये।

गुमडू में आज होली मिलन समारोह का होगा आयोजन

खूँटी(बिभा)। जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गुमडू तालाब के पास आज होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें जेपी सिंह, पंकज सिंह, विनोद सिंह,दुर्गा सिंह, अनिल सिंह ने बताया कि होली मिलन समारोह एक दूसरे के साथ ह्रदय से ह्रदय को मिलाने का अवसर है। जिसमें सभी हिंदू युवा संगठन के लोगों से अपील किया है कि कार्यक्रम में सभी लोग पहुंचे। यह कार्यक्रम आज 10 बजे किया जाएगा।

ट्रक और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर बाइक सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत

रनिया(बिभा) । सोमवार की शाम रनिया थाना अंतर्गत तुरीगड़ा गाँव के रनिया मारचा मुख्य पथ पर ट्रक व बाईक की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई। घटना सोमवार की शाम 6:30 को ट्रक व पल्सर बाइक की टक्कर इतना जोरदार था कि बाईक में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसमें मृतकों की पहचान खूंटी थाना क्षेत्र के लटरजंग निवासी सनिका मुंडा व तुरी मुंडा तथा तीसरा व्यक्ति गुदडी थाना क्षेत्र के उडरिंग निवासी मानु बरजो के रूप में की गयी। स्थानीय लोगों के मुताबिक बाइक सवार रनिया से मरचा की तरफ जा रहे थे। वहीं ट्रक मरचा से रनिया की ओर जा रहा था। घटना के बाद उपस्थित लोगों ने रनिया थाना पुलिस को मामले की जानकारी दिया। टक्कर की घटना में पल्सर मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है.वहीं मृतक तीनों व्यक्ति सड़क से 10 फीट नीचे खेत में जा गिरे टक्कर के बाद ट्रक मौके से फरार हो गया। जिसके पश्चात पुलिस घटनास्थल पहुँचकर मामले शव को उठवा लिया और थाने ले गयी। साथ ही, मृतकों के परिवार को इसकी जानकारी दे दी गयी।

झारखंड सरकार खिलाड़ियों को सीधे नौकरी दे रही है : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

पोटका : पोटका प्रखंड अंतर्गत धिरोल ग्राम स्थित चामईजुडी प्राथमिक विद्यालय मैदान में एएच एल ए क्लब चामईजुडी द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन पोटका विधानसभा के विधायक संजीव सरदार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।
टूनामेंट को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। मैदान में स्थानीय युवाओं की ऊर्जा और खेल के प्रति जुनून साफ झलक रहा था। प्रतियोगिता के माध्यम से गांव के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिला। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देते हैं। उन्होंने कहा की झारखंड सरकार खिलाड़ियो को सीधे नौकरी दे रही है, और नए स्पोर्ट्स पालिसी से युवाओं का भविष्य उज्वल हो रहा है. उन्होंने युवाओं से आग्रह किया के वो भी खेल के क्षेत्र में करियर बनाये, खेलकूद से अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए भविष्य में भी खेल गतिविधियों को सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष राहुल कुमार ताती, भुगलु हसदा, धर्मेंद्र टुडू, प्रकाश सोरेन, जितेन पात्रों सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में रंगोत्सव का आयोजन, रंग गुलाल से कैंपस हुआ रंगीन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ विश्वविद्यालय में सोमवार को रंगों के पर्व होली के अवसर पर भव्य होली मिलन समारोह रंगोत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस रंगोत्सव में सभी विभागों के विद्यार्थी, सहायक प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उत्साह और उमंग के साथ शामिल हुए। समारोह का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. एन. सिंह द्वारा विद्यार्थियों के बीच रंग-गुलाल उड़ाकर किया कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री सुखदेव महतो भी मौजूद रहे उन्होंने होली संदेश देते हुआ कहा कि, ह्लहोली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रेम, भाईचारा और एकता के रंग में रंगने का पर्व है। यह त्योहार हमें हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति से जोड़ता है और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करता है। मैं कामना करता हूं कि यह होली सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर डॉ. एस. एन. सिंह, कुलसचिव डॉ. याहया मजूमदार, सभी विभागों के विद्यार्थी, सहायक प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के सफल एवं उल्लासपूर्ण आयोजन में डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. जे. राजेश, एचआर प्रमुख रविकांत तथा अन्य शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही।

बिरसा महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थी परिषद द्वारा रंगोत्सव होली मिलन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

बिभा संवाददाता

खूंटी : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बिरसा महाविद्यालय इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में रंगोत्सव होली मिलन समारोह का भव्य एवं अनुशासित आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे परिसर में उत्सव का वातावरण देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों ने परस्पर सौहार्द, भाईचारे और मयार्दा के साथ होली का पर्व मनाया।
कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई। मुख्य अतिथि के रूप में नव निर्वाचित नगर अध्यक्ष रानी टूटी उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा वर्ग समाज की दिशा तय करता है, इसलिए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी समझना चाहिए। उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से महाविद्यालय परिसर में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है।
विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्र किशोर भगत ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल पाठ्य ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र होता है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, संयम और मयार्दा के साथ पर्व मनाने का आह्वान किया तथा कहा कि शिक्षा ही जीवन को सही दिशा प्रदान करती है।
वार्ड सदस्य दिनेश कुमार महतो ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र और समाज की सबसे बड़ी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी यदि सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें तो नगर और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने परिषद के इस आयोजन को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एकजुटता को मजबूत करते हैं।
विद्यार्थी परिषद के प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा कि परिषद सदैव छात्र-छात्राओं के अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वस्थ परिसर संस्कृति के लिए संघर्षरत रही है। उन्होंने कहा कि रंगोत्सव का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बीच आपसी संवाद, एकता और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि आज के समय में आवश्यकता है कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी समझें और समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। परिषद आगे भी ऐसे रचनात्मक और सकारात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।
समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। परिसर में पारंपरिक गीतों और सांस्कृतिक उत्साह का वातावरण रहा। आयोजन के दौरान अनुशासन और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। परिषद के कार्यकताओं ने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संभालीं, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
इस अवसर पर राजू , अभिषेक श्रीवास्तव, विजय प्रधान, प्रियंका, सुनील, अमित कुमार, बिनोद प्रजापति, मंगल कुम्हार, अंजनी कुमारी सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सद्भाव का परिचय दिया।
कार्यक्रम के अंत में परिषद पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह ने यह संदेश दिया कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के विकास का सशक्त मंच भी है। रंगोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच एकता, सहयोग और समरसता की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई।

झारखंड में टीकाकरण अभियान को रफ्तार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्टेट टास्क फोर्स की बैठक

टीकाकरण कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर होगी कार्रवाई : अजय कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज स्टेट टास्क फोर्स (टीकाकरण) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएचएम के एमडी श्री शशि प्रकाश झा, पुलिस विभाग की ओर से एस.के. झा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि टीकाकरण के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया को मजबूत किया जाए तथा एक पीएमयू का गठन किया जाए, ताकि कोई भी लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जो भी लाभार्थी टीकाकरण से छूट जाएं, उनका फोन के माध्यम से फॉलोअप किया जाए। इस कार्य के लिए एएनएम द्वारा व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर वस्तुस्थिति का आकलन किया जाएगा। साथ ही एआई के माध्यम से कॉल सेंटर स्थापित कर कम मैनपावर में अधिक प्रभावी ढंग से फॉलोअप करने का निर्देश दिया गया।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि जहां भी टीकाकरण में गैप हो, उसे चिन्हित कर भरने का प्रयास किया जाए। किसी भी कर्मी द्वारा लापरवाही बरतने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में चंदनकियारी से संबंधित एक प्रकरण सामने आया, जिसमें एक डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप की जानकारी दी गई। इस पर जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

समुदाय के साथ बेहतर संवाद के लिए प्रत्येक जिले में प्रतिष्ठित चिकित्सकों द्वारा मासिक प्रेस ब्रीफिंग आयोजित करने का निर्देश दिया गया। अभियान की सफलता के लिए आईसीडीएस, पंचायती राज, शिक्षा, आईपीआरडी, कल्याण विभाग एवं पुलिस विभाग के सहयोग पर जोर दिया गया।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने हेतु विभिन्न एनजीओ का सहयोग लिया जाए। इसमें रोटरी क्लब जैसे प्रतिष्ठित संगठनों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि एचपीवी वैक्सीन सभी पात्र किशोरियों तक अनिवार्य रूप से पहुंचाई जा सके।

28 फरवरी को हुआ एचपीवी वैक्सीन लॉन्च

राज्य में 28 फरवरी 2026 को एचपीवी (ऌढश) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत 14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की लगभग 4 लाख किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि एचपीवी टीकाकरण अभियान को मिशन मोड में चलाते हुए हर पात्र किशोरी तक टीका पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रांची में 2-3 सितंबर को मतदाता पंजीकरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का होगा आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने घोषणा की है कि मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूची विषय पर 2 और 3 सितंबर को रांची में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और झारखंड के मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को निर्वाचन सदन में आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने सम्मेलन की आधिकारिक वेबसाइट www.icvrvr.org और ब्रोशर का शुभारंभ भी किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आईआईएम रांची, एनयूएसआरएल रांची और सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान साझेदार के रूप में शामिल होंगे। ये संस्थान मिलकर शैक्षणिक और शोध सहयोग प्रदान करेंगे।

के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न लोकतांत्रिक देशों, देश के विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों और चुनाव प्रबंधन विशेषज्ञों के विचारों को एकत्रित कर मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूची से संबंधित विषयों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करना है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 21 से 23 जनवरी तक भारत मंडपम में आयोजित आईआईसीडीईएम अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन सम्मेलन 2026 के दौरान झारखंड राज्य की ओर से मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूची विषय पर प्रस्तुत व्याख्यान को अन्य देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों ने सराहा था।

प्रेस वार्ता में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुबोध कुमार, प्रशिक्षण नोडल अधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन अधिकारी धीरज ठाकुर, आईआईएम रांची के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुभ्रा रजत बलबंतरे, एनयूएसआरएल रांची के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आनंदकुमार आर. शिंदे, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी.के. सिन्हा तथा सेंट जेवियर्स कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. आशुतोष कुमार पांडे उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से देवघर के महापौर एवं चाईबासा के नगर परिषद अध्यक्ष ने की शिष्टाचार भेंट

रांची(बिभा) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से आज कांके रोड, रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में नवनिर्वाचित देवघर नगर निगम के महापौर रवि राउत तथा चाईबासा नगर परिषद के अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मौके पर मंत्री हाफिजूल हसन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से नवनिर्वाचित चतरा एवं सराकेला नगर परिषद के अध्यक्ष ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से नवनिर्वाचित चतरा नगर परिषद के अध्यक्ष अताउर रहमान उर्फ. बाबू खान एवं सरायकेला नगर परिषद के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री से नवनिर्वाचित मेयर सुधा गुप्ता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने की मुलाकात

रांची (बिभा): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मानगो नगर निगम, जमशेदपुर की नवनिर्वाचित मेयर सुधा गुप्ता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

कुम्हार समाज के होली मिलन समारोह में महिला और पुरुषों को किया गया सम्मानित

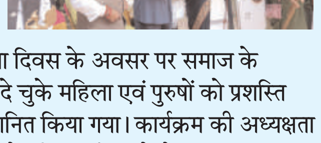

रांची(बिभा)। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के द्वारा हटिया, तुपुदाना स्थित प्रजापति भवन में कुम्हार समाज के होली मिलन समारोह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा दे चुके महिला एवं पुरुषों को प्रशस्ति पत्र और शॉल पहनकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रजापति ने की। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश कमलेश कुमार सिन्हा, तुपुदाना व्यापार मंच के अध्यक्ष प्रदीप जयसवाल, कुम्हार समाज के काली प्रजापति, सीताराम प्रजापति, प्रताप कुमार, शत्रुघ्न प्रसाद, राजेंद्र प्रजापति , राजन प्रजापति सहित कई लोग शामिल हुए।

पहाड़ी मंदिर में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन

रांची (बिभा): श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के द्वार पहाड़ी मंदिर प्रांगण में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें महाकाल बाबा का श्रृंगार और आरती करके महादेव को रंग गुलाल लगाया गया .उसके बाद एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई दिया गया साथी मंदिर में आने वाले सभी भक्तों को गुलाल लगाकर होली की बधाई दीया गया , साथी रांची नगर निगम के नियुक्त पार्षद नीरज कुमार, सुनील यादव पार्षद प्रतिनिधि दिलीप गुप्ता को अंग वस्त्र देकर राजेश साहू ने स्वागत किया। लोगों को शुभकामना दिया गया। महाकाल बाबा का आरती करके सबके बीच प्रसाद वितरण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष राजेश साहू, सचिव रिवाल्डो वर्मा ,शुभाशीष चटर्जी, स्वप्ना चटर्जी राम सिंह गगन कुमार अमन सिंह,राकेश सोनी ,देवशीष रॉय,मेहूल प्रसाद ,रणजीत बिहारी ममता वर्मा सुनीता मेहता प्रिया सिंह, सोनिया मिश्रा ,रानी , किरण प्रसाद संगीता सुधांशु ,कुमकुम ,पुजारी मनोज मिश्रा कबीर बाबा सुबोध पांडेय आदि लोगों ने मुख्य रूप से आम भूमिका निभायी।

पर्व-त्योहारों में ध्वनि प्रदूषण के तय मानकों का सख्ती से पालन कराएं अधिकारी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को जिलास्तरीय वरीय पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में बैठक की। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री जिला प्रशासन की विभिन्न प्राथमिकताओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए समय पर पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को बधाई दी।

मार्च क्लोजिंग के मद्देनजर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी विभागों को फर्जी निकासी पर विशेष सतर्कता बरतने और अंतिम समय में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

विधानसभा सत्र और पर्व-त्योहारों पर विधि-व्यवस्था को लेकर निर्देश विधानसभा सत्र और आगामी पर्व-त्योहारों होली, ईद, सरहुल और रामनवमी के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर उपायुक्त ने एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) को निर्देश दिया। होली को लेकर थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक आयोजित करने का निर्देश भी दिया गया।

पर्व-त्योहारों के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तय मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय परिसर में सीसीटीवी कैमरों के 24 घंटे संचालन की जानकारी ली। साथ ही समाहरणालय सभागार के जीर्णोद्धार की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

वहीं नगरपालिका (आम) निर्वाचन में चुने गए जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर भी उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की ओर से जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त की ओर नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य जल्द शुरू कराने का निर्देश दिया गया।

वहीं रांची के प्रमुख जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने के संबंध में उच्च न्यायालय के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

जिला में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने और किसी भी प्रकार के फजीवाड़े पर सख्त रोक लगाने के निर्देश उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की ओर से दिया गया। अंचल और प्रखंड कार्यालयों में बीडीओ/सीओ सहित सभी कर्मियों को आईडी कार्ड उपलब्ध कराने की स्थिति की समीक्षा की गई। संबंधित पदाधिकारी की ओर से बताया गया कि कार्य पूरा कर लिया गया है।

छात्रवृत्ति, धान की खरीदारी, मंईयां सम्मान से स्वावलंबन सहित अन्य योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया।

दुकानदारों को मेयर ने दिया समस्याएं दूर करने का आश्वासन

बिभा संवाददाता

रांची। मोरहाबादी वेंडर मार्केट में सोमवार को होली मिलन समारोह का आयओजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन मार्केट के अध्यक्ष कुमार रौशन ने किया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि, रांची नगर निगम नवनिवार्चित मेयर रोशनी खलखो शामिल हुई। कार्यक्रम में मेयर रौशनी ने दुकानदारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि नगर निगम उनकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर और तत्पर है। उन्होंने सभी को गुलाल लगाकर होली की बधााई दी। उनके साथ वार्ड चार के पार्षद अमित मुंडा, वार्ड तीन की पार्षद बसंती लकड़ा और पार्षद ननकू तिर्की भी मौजूद थे। कार्यक्रम में पार्षदों और विधायक प्रतिनिधि विक्की करमाली ने भी संबोधित किया। सब्जी और फूड स्टॉल दुकानदारों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर सामाजिक सौहार्द मजबूत करने का संकल्प लिया। आयोजन में सहयोग देने वाले लक्ष्मी साहू, प्रथम महतो, राजेंद्र उरांव, महेश साहू, किरण देवी, अजय छेत्री, राजेश कपूर और प्रताप सिंह को सम्मानित किया गया। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, दुकानदार और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में शामिल थे।

मारपीट मामले में 12 गिरफ्तार, हथियार सहित अन्य सामान जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। मारपीट मामले में विधानसभा थाना पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में छोटू खलखो, कुलदीप खलखो, बबलू कुजूर, शुभम प्रजापती उर्फ मित्तल प्रजापती, कमलेश महली, चंदन टोप्पो, राज किशोर उरांव, प्रदीप लोहार, सुमित कुमार सिंह, मुकेश कुमार, रवि कुमार और दिलजन मुंडा शामिल थे। इनके पास से एक फोल्डेबल राईफल 3.15 बोर, एक देशी पिस्टल, पांच जिन्दा कारतूस, एक खाली मैगजीन, दो स्कापिंयों, एक फॉर्च्यूनर, एक बुलैट मोटरसाईकिल और 12 मोबाईल बरामद किया गया है।

सिटी एसपी पारस राणा ने सोमवार को बताया कि विधानसभा थाना को सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम नयासराय में लड़ाई-झगड़ा हो रहा है। सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए थाना प्रभारी अन्य पदाधिकारी और जवानों के साथ ग्राम नयासराय पहुंचे तो कुछ अपराधिक प्रवृति के लोगों की ओर से जाकिर अंसारी और उनके पुत्र के साथ मारपीट की जा रहा थी। इसमें पीड़ित के पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गये है, जिसका ईलाज एस्टॉन हॉस्पीटल दलादली में चल रहा है।

सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस की ओर से तत्परता दिखाते हुए टीम गठित कर उक्त घटना में शामिल 12 आरोपितों को विधिवत गिरफ्तार किया गया है और जख्मी अरूण खलखो, अजय तिर्की हॉस्पीटल में ईलाजरत है और घटना में प्रयुक्त हथियार एवं वाहनों को विधिवत बरामद किया गया है, जिसके बाद वादी जाकिर अंसारी के आवेदन के आधार पर 30 नामजद एवं 10-15 अज्ञात अपराधकर्मियों के विरूद्ध विधानसभा थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

होली पर रांची के अस्पताल अलर्ट मोड में, इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे रहेंगी चालू, ओपीडी 4 मार्च को बंद

बिभा संवाददाता

रांची। होली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए राजधानी रांची के अस्पताल अलर्ट मोड में हैं। अस्पताल प्रबंधन ने इमरजेंसी सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने का निर्णय लिया है, जिससे कि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों और नर्सों की तैनाती की गई है। गंभीर मामलों से निपटने के लिए आवश्यक दवाइयों और जीवनरक्षक उपकरणों की व्यवस्था पहले से कर ली गई है। साथ ही ब्लड बैंक को अतिरिक्त रक्त उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दुर्घटना या अन्य गंभीर मामलों में रक्त की कमी न हो।

होली के दौरान रंगों के अत्यधिक उपयोग और नशापान से जुड़ी घटनाओं की आशंका को देखते हुए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन का मानना है कि इस दौरान सड़क दुर्घटनाओं, झुलसने, आंखों में जलन, त्वचा संक्रमण और अन्य आपात स्थितियों के मामले बढ़ सकते हैं।

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने सोमवार को बताया कि होली के दिन इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी, जबकि ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के डॉ. राजीव रंजन ने भी जानकारी दी कि रिम्स में होली के अवसर पर इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी, लेकिन ओपीडी को 4 मार्च के लिए बंद रखा गया है।

इसी तरह सदर अस्पताल रांची में भी 4 मार्च को ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। हालांकि, मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इमरजेंसी वार्ड पूरी तरह क्रियाशील रहेगा। अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया है।

दरअसल,होली के दौरान कई लोग नशे की हालत में वाहन चलाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा केमिकल युक्त रंगों के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं, आंखों में जलन या संक्रमण की शिकायतें सामने आती हैं। वहीं, होलिका दहन के दौरान लापरवाही बरतने से झुलसने की घटनाएं भी होती हैं।

उक्त सभी संभावित खतरों को देखते हुए ही रांची के अस्पतालों ने व्यापक तैयारियां की हैं, ताकि त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

श्री राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर में धूमधाम से मना अन्नपूर्णा महाप्रसाद

बिभा संवाददाता

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में सोमवार को धूमधाम से मंदिर का 255 वां अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। भंडारा, पवन कुमार की ओर से पिता योगेंद्र प्रसाद सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर परिवार की ओर से आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री राधा रानी का विशेष श्रृंगार किया गया। दोपहर में पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने विधिवत भोग लगाया।

महाप्रसाद में मसालेदार पुलाव, पूड़ी, आलू-चना सब्जी और केसरयुक्त खीर का वितरण किया गया।

इस दौरान सैकडों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया और जबकि दिनभर भक्तों ने दर्शन किया। मुख्य अतिथि स्वामी सदानंद महाराज ने सेवा और भक्ति को जीवन का आधार बताते हुए अन्नपूर्णा सेवा को मानवता की सच्ची साधना कहा। भजन संध्या में मनीष सोनी और सज्जन पाड़िया ने भक्तों को झूमाया। सामूहिक महाआरती के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मौके पर डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, विजय अग्रवाल, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, संजय सर्राफ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

उपायुक्त ने 18 सेवानिवृत्त शिक्षकों और दो कर्मियों को दी विदाई

रांची। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में पेंशन दरबार सह सेवा-निवृत्ति विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने 18 सेवानिवृत्त शिक्षकों और सदर अनुमंडल तथा जिला राजस्व शाखा के दो कर्मियों को सम्मानित कर विदाई दी। इस मौके पर उन्होंने सभी को शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट सहित सभी पेंशनरी लाभ वितरित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनकी सम्मानजनक विदाई प्रशासन की प्राथमिकता है। सम्मानित शिक्षकों में सेवक कुमार साधु, क्लौदिया विलुंग, उसुर्ला कोनगाड़ी, कुमार कनिष्क,मो.नुमानुल्लाह, टोप्पो निर्मला, नीलमणी हेरेंज, ममता तिग्गा, सुभाष कुमार मांझी, शिवेश्वर महतो, राकेश रंजन,सुषमा गोरेती धान,राम विलाप नाग, आशा कुमारी,अक्षय कुमार स्वांसी, रामपद नायक, प्रहलाद लोहरा एवं बिबियाना तोपनो शामिल हैं। वहीं अन्य सेवानिवृत्त कर्मियों में प्रमिला देवी (कार्यालय अधीक्षक, सदर अनुमंडल) एवं मो. जुबेर आलम (उच्च वर्गीय लिपिक, जिला राजस्व शाखा) शामिल रहे। समारोह में संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-55-25; दिनांक 27.02.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** आसनसोल मंडल - आसनसोल मंडल में जल के पुराने पम्पों का प्रतिस्थापन एवं स्टैण्ड बाई पम्पों का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 1,68,64,830.00; **बयाना राशि:** रु. 2,34,300; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** 12 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समय:** 27.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-377/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

रामगढ़ में होली व रमजान को लेकर शांति समिति की बैठक, 61 स्थानों पर दंडाधिकारी होंगे तैनात

बिभा संवाददाता

रामगढ़। होली और रमजान को देखते हुए जिला उपायुक्त (डीसी) फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी को होली और रमजान की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान यदि किसी भी क्षेत्र में अफवाह फैलती है या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश होती है, तो इसकी सूचना तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06553-222005 पर दें। उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखने और अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने आमजनों से अपील की कि बिना पुष्टि किसी भी प्रकार की भ्रामक या अफवाह संबंधी पोस्ट को सोशल मीडिया पर साझा न करें। जिला प्रशासन शांतिपूर्ण तरीके से पर्व संपन्न कराने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने संयुक्त जिला आदेश जारी कर विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस बल के जवानों को अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क रहने तथा हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल खराब करने का प्रयास किया गया, तो उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शांति समिति के सदस्यों से भी अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना प्रशासन को देने की अपील की गई। डीसी और एसपी ने पर्व के दौरान विशेष वाहन जांच अभियान चलाने तथा नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की जानकारी भी दी।

उल्लेखनीय है कि होली पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 61 स्थानों पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती की है। प्रत्येक प्रखंड में तीन पालियों में गश्ती दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि जिला नियंत्रण कक्ष में भी तीन पालियों में दंडाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मृत कर्मचारी आश्रित संघ ने होली मनाने का बहिष्कार करने का फैसला किया, प्रबंधन पर लगाए रोजगार न देने के आरोप

बोकारो(बिभा) : बोकारो स्टील लिमिटेड (सेल) के मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवारों ने प्रबंधन के रवैये के खिलाफ कड़ा ऐलान किया है। संघ की बैठक में सभी आश्रित परिवारों ने होली के त्योहार को मनाने से इनकार कर दिया। कारण बताया गया कि लंबित मांगों–आश्रितों को नौकरी देने–में प्रबंधन नाकाम रहा है, जिससे परिवारों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो चुकी है।संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि सेल बोकारो इस्पात प्रबंधन आश्रितों को नियोजित कर रोजगार देने में विफल साबित हो रहा है। इस कारण इस वर्ष होली का त्योहार आश्रित परिवारों में मनाया नहीं जाएगा। बैठक में सनी देओल, शकील अहमद, सम्भू कुमार, सुभाष कुमार हांसदा, धनंजय हेंब्रम, सलाम एहसान, फुलमनी कुमारी, विपत्ति कुमारी, बबीता कुमारी समेत बड़ी संख्या में आश्रित भाई-बहन मौजूद रहे।

बोकारो एयरपोर्ट और इन्डस्ट्रियल कॉरिडोर को लेकर मुख्य सचिव से मिले कुमार अमित

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो एयरपोर्ट से यात्री विमान के परिचालन को प्रारम्भ करने और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को स्थापित करने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री कुमार अमित झारखण्ड सरकार के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार से रांची सचिवालय में मिले। कुमार अमित ने मुख्य सचिव को ज्ञापन देकर राज्य सरकार की ओर से इस सम्बन्ध में विशेष पहल करने की मांग की। इसके अलावे बोकारो में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी बात कुमार अमित ने श्री अविनाश कुमार से कही। बोकारो स्टील प्लांट के स्थगित विस्तारीकरण को प्रारम्भ करने में मुख्य सचिव के रूप में सरकार स्तर पर महत्वपूर्ण सार्थक पहल करने हेतु श्री अविनाश कुमार को श्री कुमार अमित ने मोमेंटो दे शॉल ओढ़ाकर बोकारो वासियों की ओर से आभार भी प्रकट किया। कुमार अमित ने मुख्य सचिव को कहा कि उनके मुख्य सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर होने से बोकारो वासी गौरवान्वित और यहां के विकास के प्रति आशान्वित हैं। 100 करोड़ की लागत से तैयार हुए बोकारो एयरपोर्ट से यात्री विमान के परिचालन प्रारंभ होने की यहां के लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा इसी प्रकार बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना से यहां के विकास को गति और युवाओं को रोजगार मिलेगा। मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार ने इन विषयों को गम्भीरता से लेते हुए आवश्यक पहल करने का आश्वासन भी दिया।

चास में होंडा वर्कशॉप के पीछे भीषण आग, पुरानी गाड़ियां जलीं

बिभा संवाददाता

बोकारो। उपनगर चास के संध्या होंडा वर्कशॉप के पीछे सोमवार को भीषण आग लग गई। आग की चपेट में पुरानी गाड़ियां, जेनरेटर समेत कई अनुपयोगी सामान जलकर खाक हो गए। मुख्य वर्कशॉप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।घटना चास थाना क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। वर्कशॉप मालिक दीपक डे ने बताया, पुरानी गाड़ियां जली हैं, जो स्क्रैप थीं। बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। क्षति का आंकलन किया जा रहा है, लगभग 50 हजार रुपये का स्क्रैप जला है। अग्निशमन अधिकारी मोहम्मद जुनैल ने कहा, आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। यदि सुरक्षा उपाय होते तो घटना पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सकता था।

संक्षिप्त खबरें

डॉ राजेंद्र प्रसाद स्कूल में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह

बोकारो(बिभा) : डॉ राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानी पोखर समेत सेक्टर 4 स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल में होली के शुभ अवसर पर सोमवार को शिक्षकों के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया' इस अवसर पर शिक्षकों ने होली के विभिन्न गीतों पर जमकर समूह नृत्य भी किया' इसके बाद विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद भी मिलकर उठाया 'इस अवसर पर स्कूल का प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने कहा होली रंगों का त्यौहार है इसे सभी लोग खुशी पूर्वक मानना चाहिए 'यह होली का त्योहार भाईचारे को बढ़ावा देता है सभी को मिलजुल कर होली का त्योहार मनाना चाहिए 'मौके पर स्कूल की शिक्षिका बिंदु सिंह, सरिता सिन्हा, साक्षी कुमारी, खुशबू कुमारी, राखी कुमारी, वीणा कुमारी, प्रीति झा, रीता पांडे, वंशिका तिवारी, नंदिनी समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे' रॉयल पब्लिक स्कूल में शिक्षिका विभा रानी ,सुधा सिंन्हा, पार्वती सिंह, राखी राय ,ज्योति कुमारी, संगीता कुमारी, शकुंतला कुमारी, आरती कुमारी समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे।

चास कॉलेज में पीजी शुरू कराने की मांग पर विधायक को छात्रों का धन्यवाद

चंदनकियारी (बोकारो)(बिभा) : चास कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू कराने की मांग को झारखंड विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाने पर चंदनकियारी विधायक को छात्र नेता युगदेव माहथा सहित छात्रों और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने धन्यवाद दिया। विधायक के आवास पर छात्रों व नागरिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की। इसमें मंजेश महथा, संदीप रजवार, शंभू पांडेय, प्रकाश कुमार आदि शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इससे चास-चंदनकियारी के ग्रामीण छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा आसानी से मिलेगी, जिससे वे आगे बढ़ेंगे और बोकारो का नाम रोशन करेंगे।छात्र नेता युगदेव माहथा ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर शिक्षा सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। विधायक ने आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे पर लगातार प्रयासरत रहेंगे।

रोटरी क्लब बोकारो ने धूमधाम से मनाया 56वां चार्टर डे

बोकारो (बिभा): रोटरी क्लब बोकारो ने रविवार को अपने 56वें चार्टर डे समारोह का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्षों की दूरदृष्टि और समर्पण को याद किया गया तथा युवा सदस्यों को सेवा भावना से प्रेरित करने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम की शुरूआत उपाध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप रे के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने चार्टर डे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन पूर्व अध्यक्षों के प्रयासों की याद दिलाता है। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने अपने संबोधन में कहा, ऱयह हॉल और परिसर नई पीढ़ी के लिए वरिष्ठ सदस्यों की वर्षों की मेहनत का फल है।ऱघनश्याम दास ने सभी पूर्व अध्यक्षों से उनके अनुभव साझा करने का आग्रह किया, जिसके बाद उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां बताईं। अंत में उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया, ऱहम इसी सेवा भावना के साथ इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे।ऱसमारोह में रोटेरियन चंद्रिमा रे, पूनम त्रेहन, राखी बनर्जी, नीलम दास, उर्मिल जैन, अशोक जैन, डॉ. अनिल त्रेहन, अचिंतो बनर्जी और प्रदीप रे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पूर्व अध्यक्षों द्वारा केक कटिंग और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट के साथ हुआ।

विस्थापित स्लैग कंपार्टमेंट समिति का होली मिलन समारोह

विधायक अनूप सिंह ने दिए पंचायत में शामिल करने के आश्वासन

बिभा संवाददाता

बोकारो : विस्थापित स्लैग कंपार्टमेंट समिति ने सेक्टर 9 स्थित कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। मुख्य अतिथि बेरमो विधायक जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह के अलावा बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी, मजदूर और बड़ी संख्या में विस्थापितों ने भाग लिया।कार्यक्रम के आयोजक एवं समिति के केंद्रीय अध्यक्ष रघुनाथ महतो ने संबोधन में कहा कि विस्थापित और मजदूर वर्षों से विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। अलग-अलग गुटों में आंदोलन के कारण उनके हक-अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सभी से गिले-शिकवे भुलाकर एकजुट होकर शोषण और दोहन के खिलाफ आंदोलन करने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि विधायक अनूप सिंह ने उत्तरी क्षेत्र के 19 गांवों को पंचायत में शामिल करने की प्रक्रिया चल रही होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, कुछ समय लगेगा, लेकिन गांवों को पंचायत में शामिल किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से एनओसी न देने के कारण विस्थापित वंचित हैं। बीजेपी सरकार ने जमीन बीएसएल को रजिस्ट्री कर दी, जबकि केंद्र अपना फायदा देख रहा है। राज्य सरकार विस्थापितों के साथ है, मैं उनकी हर मदद के लिए तैयार हूं। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान महासचिव राजेश मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष गणेश साव, प्रदीप महतो, विकास सिंह, संतोष सिंह, मिथिलेश रवानी, जयप्रकाश रवानी, मुकेश महतो, श्याम कुमार, शिवनाथ महतो, निरंजन महतो, गणेश महतो आदि ने योगदान दिया।

बोकारो स्टील प्लांट के एडम गेट पर सीआईएसएफ की मॉक ड्रिल

बोकारो (बिभा): औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत करने और आपात स्थितियों से निपटने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार (एडम गेट) पर मॉक ड्रिल आयोजित की।इस अभ्यास का मुख्य फोकस उग्र विरोध प्रदर्शन जैसी स्थिति में गेट की सुरक्षा व्यवस्था को परखना था। सीआईएसएफ के जवानों के अलावा बोकारो सिटी थाना, बीएसएल सुरक्षा विभाग और औद्योगिक संबंध विभाग के अधिकारी भी इसमें सक्रिय रूप से शामिल हुए।अभ्यास के बाद वरिष्ठ कमांडेंट मो. एन.ए. खान ने बताया कि बोकारो स्टील प्लांट एक संवेदनशील औद्योगिक इकाई है। उन्होंने कहा, आज की ड्रिल से साबित हो गया कि सीआईएसएफ, बीएसएल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन किसी भी आकस्मिक चुनौती से निपटने को पूरी तरह तैयार हैं। ड्रिल का उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के बीच पूवार्नुमान, संचार, समन्वय और प्रतिक्रिया की जांच करना था।

तांतरी -उत्तरी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के सीएसआर विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के उपलक्ष्य में 02 मार्च को तांतरी-उत्तरी पंचायत भवन में एक विशेष महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को उनके घर के समीप ही विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना था. कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य जाँच कराई.

शिविर में बोकारो जनरल अस्पताल के विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिक्स की टीम ने अपनी सेवाएँ दीं. चिकित्सा दल में डॉ. एस.के. अग्रवाल (चर्म रोग), डॉ. साकेत मिश्रा (मेडिसिन), डॉ. राजीव कुमार (बाल रोग), डॉ. सौरभ खादातकर (सर्जरी), डॉ. अनुपमा शर्मा (नेत्र रोग), डॉ. जया अग्रवाल (स्त्री रोग) तथा डॉ. सीमा दास (दंत चिकित्सा) शामिल थे. विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं की प्राथमिक स्वास्थ्य जाँच की गई तथा आवश्यकतानुसार उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं. शिविर के दौरान कुल 55 लाभार्थियों का उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया.

इस स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में सीएसआर विभाग की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसमें महाप्रबंधक (सीएसआर) पी.पी. चक्रवर्ती, सहायक प्रबंधक (सीएसआर) प्रवीण कुमार सहित टीम के सदस्य सूरज चन्द्र तिवारी, संजीव कुमार एवं संतोष कुमार सक्रिय रूप से सम्मिलित थे.

यह आयोजन बोकारो स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है. ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सुदृढ़ होती है, जो एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में सहायक है.

मां मनसा देवी मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया होली मिलन समारोह, हिंदू-मुस्लिम एकजुट

बिभा संवाददाता

बोकारो : मां मनसा देवी मंदिर प्रांगण में रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी लाल गुलाल के साथ हिंदू-मुस्लिम भाईचारा निभाते हुए सभी ने त्योहार मनाया। समिति के वरिष्ठ-कनिष्ठ सदस्यों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत आपसी भाईचारे और शांति के संदेश से हुई। उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। अवसर पर गीत-संगीत का भी आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।समिति संचालन कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा, होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि मेलजोल और सौहार्द का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य समाज में प्रेम और एकता का संदेश फैलाना है।ऱसमारोह में सभी सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया और लजीज व्यंजनों का आनंद उठाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र प्रसाद ने की, जबकि संचालन सुचांद प्रजापति और रतन महतो ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से धीरेंद्र प्रसाद रजवार, देवेंद्र गोराई, शंकर कुमार महतो, संतोष कुमार महतो, मोहन महतो, प्रफुल्ल कुमार अग्रवाल, जुलेश महतो, दिनेश कुमार महतो, मुरलीधर महतो, बादशाह महतो, जितेंद्र कुमार, चंडी कुमार, जयचंद गोप, मनीष कुमार, संजीव कुमार, विनोद कुमार, सुधीर कुमार, अमर लाल महतो, बसंती देवी, मंजू देवी, जयंती देवी, सत्यवती देवी, ललिता देवी, खुशबू देवी, मीना देवी, अनीता देवी, प्रेम शिला देवी, नीलू देवी, मिलु देवी और सारू देवी उपस्थित थे।

बीएसएल में आंतरिक संसाधनों से विकसित कन्वेयर गैलरी का उद्घाटन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र ने संचालन उत्कृष्टता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। सीओ एंड सीसी विभाग के साइलो संख्या-31 से नवस्थापित कन्वेयर गैलरी का उद्घाटन दिनांक 02 मार्च को अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएँ) अरविंद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल मेंटेनेंस) प्रकाश कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसी) भास्कर प्रसाद सहित सेंट्रल मैकेनिकल मेंटेनेंस एवं सीओ एंड सीसी विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे.

सीओ एंड सीसी विभाग स्थित साइलो संख्या-29 एवं साइलो संख्या-31 से दो नई कन्वेयर गैलरियों का सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ होने के साथ ही संयंत्र में सीडीआई कोयले की आपूर्ति अब टिपर्स के माध्यम से सीधे ब्लास्ट फर्नेस तक सुनिश्चित की जा सकेगी. इस नई व्यवस्था से प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ की अनुमानित लागत बचत होने की संभावना है। साथ ही, इस परियोजना से कोयला परिवहन हेतु रेलवे वैगनों पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे संभावित परिवहन विलंब तथा डेमरेज शुल्क में भी कमी आएगी जिसके परिणामस्वरूप संयंत्र का लॉजिस्टिक प्रबंधन अधिक सुव्यवस्थित, दक्ष एवं समयबद्ध बनेगा.

उल्लेखनीय है कि यह संपूर्ण कार्य सेंट्रल मैकेनिकल मेंटेनेंस विभाग द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए, सीओ एंड सीसी विभाग के सक्रिय सहयोग एवं उत्कृष्ट समन्वय से संपन्न किया गया. यह उपलब्धि संयंत्र की तकनीकी दक्षता, आत्मनिर्भरता तथा सुदृढ़ अंतर-विभागीय तालमेल का सशक्त उदाहरण है. यह परियोजना न केवल लॉजिस्टिक दक्षता में वृद्धि एवं लागत अनुकूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी, बल्कि सामग्री हैंडलिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

महली समाज का होली मिलन सह सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। जरीडीह प्रखंड अन्तर्गत तांतरी उत्तरी पंचायत भवन के प्रांगण में प्रमंडलीय महली जाति समाज सुधार समिति केंद्रीय सह बोकारो कमेटी के सयुंक्त तत्वाधान मे होली मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पुर्व संगठन मत्री लालमोहन महली तथा संचालन महासचिव प्रहलाद महली ने किया। सर्वप्रथम पूर्व केंद्रीय व जिला कमेटी के पदाधिकारीयो को याद किया गया,जो अब दिवंगत हो गए हैं। लालमोहन महली ने कहा कि हर व्यक्ति समाज को सुधारने और शिक्षा को बढ़ावा देने का कम करें। वर्तमान समय में शिक्षा ही एक ऐसी दौलत है जो हमें ऊंचाई प्रदान करता है। कार्यक्रम में समाज हित में काम करने वाले दिवंगत श्रेष्ठ जनो के परिजनों को अंग वस्त्र और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष कारू महली, महासचिव रमेश महली, संगठनमत्री करमचंद महली, जय कुंवर महली, युवा नेता मनोज महली, भोला, बिनोद, सुन्दर लाल, राहुल, किसुन, अनिता देवी, ममता, मालती, सुमित्रा देवी समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

असामाजिक तत्वों को संरक्षण ना दें, त्वरित सूचना प्रशासन को दें : डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचदं की अध्यक्षता में होली-2026 को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सोमवार को नया नगर भवन, लोहरदगा में संपन्न हुई। बैठक में सभी प्रखण्डों व शहरी क्षेत्र से आये शांति समिति की सदस्य शामिल हुए।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिला में सभी धर्मो के लोग निवास करते हैं। सभी धर्मों का सम्मान करना हमारा धर्म है क्योंकि यह देश एक सेक्युलर देश है। हर एक पर्व-त्यौहार सभी लोगों का है और प्रायः सभी लोग एक-दूसरे के पर्व-त्यौहार में स्वेच्छा से शामिल होते हैं। लेकिन इन सब के बीच आपसी सौहार्द्र व प्रेम बनाये रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कभी भी किसी असामाजिक तत्व को सामाजिक संरक्षण देकर उसका मनोबल नहीं बढ़ाएं नहीं तो एक समय के बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। किसी के संवैधानिक अधिकार का हनन करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। अगर कोई लोहरदगा जिला में रहकर वैमनस्य फैलाने की कोशिश करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। किसी भी स्थिति में उसे छोड़ा नहीं जाएगा। यह देश त्यौहारों का देश है और सभी धर्म को अपना त्यौहार अच्छी तरह मनाने का अधिकार है।

उपायुक्त ने कहा कि सभी पर्व-त्यौहारों से हमें सीखने की जरूरत है। हर पर्व-त्यौहार कुछ ना कुछ अच्छी सीख हमें देते हैं जिसे हमें सीखने की आवश्यकता है। पर्व-त्यौहारों में आप सभी सजग रहें और किसी प्रकार का सौहार्द्र बिगाड़ने वालों की सूचना अवश्य दें। उपायुक्त ने कहा कि सभी चिन्हित स्थलों पर दंडाधिकारियों व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति कर दी गयी है। सीसीटीवी व ड्रोन के जरिये असामाजिक तत्वों व अपराधियों पर नजर रखी जायेगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है।

नगर भवन परिसर में शांति समिति के सदस्यों ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ सूखी होली खेली। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने सभी को होली व ईद की शुभकामनाएं दीं। बैठक में पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने भी पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई से अवगत कराया और होली, रमजान व ईद के अवसर पर जिला प्रशासन की तैयारियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, आईपीएस वेदांत शंकर, जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उराँव, बिशुनपुर विधायक प्रतिनिधि, एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, सभी वरीय पदाधिकारीगण व दण्डाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, पुलिस पदाधिकारीगण, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी व शांति समिति के सदस्य, मीडियाकर्मीगण उपस्थित थे।

सदर अनुमंडल में निषेधाज्ञा लागू

हजारीबाग(बिभा) : डीसी शशि प्रकाश सिंह और एसपी अंजनी अंजन के आदेश पर देश के विभिन्न भागों में घठित साम्प्रदाचिक घटना एवं पूर्व के वर्षों में जिले में घटित घटना के आलोक में होली को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पूरे हजारीबाग अनुमण्डल क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दिया गया है। ताकि विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। सदर एसडीओ आदित्य पाण्डेय ने अपनी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए सदर अनुमण्डल क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने होली के दिन किसी भी घातक हथियार, अग्नेयास्त्र इत्यादि को लेकर चलने पर प्रतिबंध लागू करने की बात कही है।

होली के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस बल ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। इसमें सशस्त्र बल, जिला पुलिस के जवान शामिल रहे। मार्च शहर के मुख्य चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों तथा संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस ने लोगों से आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने की अपील की।पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की हुड़दंग, जबरन रंग लगाने, नशाखोरी, तेज रफ्तार वाहन चलाने या अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की भ्रामक सूचना से माहौल खराब न हो।अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे त्योहार को प्रेम, सौहार्द और आपसी सद्भाव के साथ मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या कंट्रोल रूम को दें।

संक्षिप्त खबरें

पंच मंदिर चौक पर उल्लासपूर्ण होलिका दहन: मारवाड़ी महिलाओं ने बड़कुले,गेहूं-जौ के साथ की पारंपरिक पूजा-अर्चना

हजारीबाग(बिभा): शुभ मुहूर्त में पंच मंदिर चौक पर होलिका दहन का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ होगा। निर्धारित शुभ बेला में विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।होलिका दहन से पूर्व मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बड़कुले , गेहूं और जौ के साथ पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने होलिका की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। पूजा के दौरान मारवाड़ी गीत गाए गए और वातावरण भक्तिमय हो उठा।मान्यता है कि होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

इनर व्हील क्लब ऑफ सिंदूर का गठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई पहल

हजारीबाग(बिभा): सामाजिक सेवा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इनर व्हील क्लब ऑफ सिंदूर की स्थापना हुई। जिसकी अध्यक्षा कविता सिंह और सचिव प्रीति सिंह बनीं। आपको बताते चलें कि इस क्लब को आईडब्ल्यूसी पटना ने स्पॉन्सर किया है, जिसकी अध्यक्ष कविता सिन्हा भी कार्यक्रम में शामिल थीं। यह पूरा कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रश्मि गुप्ता के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। 15 सदस्यों की टीम के साथ क्लब की शुरूआत की गई।स्थापना समारोह में क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित महिलाओं, समाजसेवियों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया, जहाँ क्लब के उद्देश्यों और भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्षा कविता सिंह ने कहा कि क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देना होगा। उन्होंने सभी सदस्यों से सक्रिय भागीदारी और सहयोग का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में करुणा सिंह, प्रियंका , नंदिनी, पार्वती देवी, ममता सिंह, मनीषा सिंह, सुनीता सिंह, बबीता सिंह, विमला मेहता, गायत्री सिंह, माधुरी देवी एवं रेनु देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

लिटिल एंजेल्स स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली, बच्चों में दिखा उत्साह और उमंग

हजारीबाग(बिभा): लिटिल एंजेल्स स्कूल में होली का त्योहार बड़े ही धूमधाम और आनंदपूर्ण वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे गुलाल और बच्चों की खिलखिलाहट से सराबोर नजर आया। नन्हे-मुन्ने बच्चे पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे हुए स्कूल पहुंचे और पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षकों द्वारा होली के महत्व और बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्या एकता होरा ने भी बच्चों को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होली खेलने के लिए प्रेरित किया। सूखी और प्राकृतिक रंगों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी, उमंग और आपसी प्रेम का भाव साफ झलक रहा था।

पंचवटी अपार्टमेंट परिसर में होली मिलन समारोह आयोजित

रामगढ़(बिभा): पंचवटी अपार्टमेंट में पारिवारिक होली मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष अनिल कुमार गोयल ने की। उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि होली प्रेम, सद्भावना और रंगों का पावन पर्व है। समारोह में पंचवटी परिवार के सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनाएँ दीं तथा उत्साहपूर्वक पर्व का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उमेश अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, श्रीकांत चंद्र, हरीश बगड़िया, मनोज अग्रवाल, रमेश बोंदिया, डॉ. अनूप सिन्हा , विजय वल्लभ सहाय, विजय सहाय, संजय कुमार सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

डीएमएफटी हजारीबाग के न्यास परिषद की बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) हजारीबाग के न्यास परिषद की बैठक सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव, बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो एवं उपविकास आयुक्त रिया सिंह सहित कई वरीय पदाधिकारी सहित मुखिया एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में डीएमएफटी मद के द्वारा क्रियान्वित योजनाओं एवं पूर्व की न्यास परिषद के बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा और नए योजनाओं की स्वीकृति हेतु विचार विमर्श किया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी के द्वारा डीएमएफटी मद के द्वारा विभिन्न विभागों के अंतर्गत क्रियान्वित एवं संचालित योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।

बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को खराब पड़े चापानलो का सर्वे कराते हुए मरम्मती कराने एवं आवश्यक पेयजल सुविधा बहाल करने का निर्देश दिया गया। सभी मुखिया को भी इस संबंध में सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही नगर निगम के खराब पड़े मशीनों एवं सामानों को मरम्मती कराकर सदुपयोग में लाने का निर्देश दिया गया। एनटीपीसी के द्वारा बड़कागांव प्रखंड के ढेंगा में बनाई गई भवन में आवासीय विद्यालय का संचालन किए जाने का निर्णय लिया गया। इस विद्यालय में सीबीएसई बोर्ड के तहत पठन पाठन का कार्य किया जाएगा। आवासीय स्कूल में विस्थापित परिवारों के बच्चों को भी पढ़ने की अनुमति दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि सभी प्रखंडों में बनने वाले लाईब्रेरी के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है। बैठक में सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि डीएमएफटी मद के द्वारा खरीदे गए सभी सामग्रियों को संचालन नियमित रूप से होने चाहिए। दिव्यांग लोगों को ट्राई साइकिल वितरण करने के संबंध में भी आवश्यक विचार विमर्श किया गया। बैठक में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों को सुरक्षा संबधी आवश्यक कदम उठाने को लेकर गंभीर रूप से विचार विमर्श किया गया। जिस पर उपायुक्त न कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान में शिफ्ट किया जाएगा। उक्त क्षेत्रों में मल्टीपसपर हॉल का निर्माण कराई जाएगी, जिसका इस्तेमाल लोगों को हाथियों के आक्रमण से बचाने के लिए किया जाएगा।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्र के लोगों एवं खनन प्रभावित व्यक्ति जिन्हें आवास नहीं मिला हैं उन्हें जांचोपरांत आवास देने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जा रही है। शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे एवं हाई मास्क लाइट लगाने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।बैठके में हजारीबाग जिलांतर्गत सभी सरकारी आवासीय विद्यालय/छात्रावास, कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासित विद्यालय व छात्र/छात्रावास, पीएम श्री विद्यालयों, सीएम उत्कृष्ट विद्यालयों, प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय में सुरक्षा व आधुनिक शिक्षा निर्बाध रूप से संचालन हेतु निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सोलर पैनल, इनवर्टर एवं बैटरी के अधिष्ठापन कार्य एवं सभी आवासीय विद्यालय में सोलर इंडक्शन एवं सोलर हीटर के अधिष्ठापन पर सहमति दी गई।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर में होली मिलन समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

रामगढ़: श्री कृष्ण विद्या मंदिर के परिसर में विद्यालय परिवार के बीच होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। रंगों और खुशियों के त्योहार होली वास्तव में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आज विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं सहित सभी गैर शिक्षण कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह के साथ होली मनाया एवं आने वाले नव वर्ष की बधाई दी। आज के होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) को विद्यालय परिवार की ओर से महामूर्खाधिराज , विद्यालय के उपाध्यक्ष बजरंगलाल अग्रवाल को मूर्खाधिराज प्रथम एवं विद्यालय सचिव विमल किशोर जाजू को मूर्खाधिराज द्वितीय की उपाधि से सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रकार के सब्जियों के गुलदस्ते एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आपस में गुलाल खेलकर तथा मुख्य अतिथि के कर कमलों से गुलाल से भरी हांडी फोड़कर होली का आनंद लिया गया।

कुएं से मिला था युवक का शव: पत्थर से सिर कुचलकर की गई हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हुरहुरु मुहल्ला स्थित एक कुएं से मिले युवक के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। वारदात पत्थर से सिर कुचलकर की गई थी। शव को कंबल में लपेटकर कुएं में फेंका गया था। 25 फरवरी की सुबह करीब 9:30 बजे हुरहुरु मुहल्ला के एक कुएं से स्थानीय लोगों ने एक युवक का शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। बाद में उसकी पहचान सिकंदर कुमार उर्फ ललू गोप के रूप में हुई। मृतक के भाई राजेश कुमार के आवेदन पर सदर (बड़ाबाजार) थाना में कांड संख्या-55/26 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने प्रताप कुमार दास उर्फ छोटू (23), निवासी हुरहुरु पासवान मुहल्ला, थाना बड़ाबाजार ओपी, जिला हजारीबाग को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 23 फरवरी की शाम करीब 5:30 से 6 बजे के बीच उसकी मृतक से कहासुनी हुई थी। गुस्से में उसने पत्थर से सिकंदर के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गिर पड़ा। इसके बाद आरोपी ने पत्थर से उसका सिर कुचल दिया और गले में रस्सी डाल दी। हत्या के बाद शव को कंबल में लपेटकर पास के कुएं में फेंक दिया।पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कंबल और आरोपी के घटना के समय पहने कपड़े बरामद कर लिए हैं।पुलिस अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2023 में भी वह एक हिंसक मामले में जेल जा चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई कर रही है। घटना के खुलासे के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

संस्कार भारती द्वारा भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन: संस्कृति और उल्लास का संगम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' की हजारीबाग इकाई द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन प्रांतीय कोषाध्यक्ष, चार्टर्ड अकाउंटेंट विकास वर्मा के निवास स्थान पर किया गया। यह समारोह भारतीय सभ्यता की झलक, संस्कृति की महक और पारंपरिक गीतों व गुलाल की संगति के साथ अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्कार भारती के ध्येय गीत के साथ हुई। कला संयोजिका शोभा सिन्हा, दिव्या एवं सुमन ने विघ्नहर्ता गणेश जी का स्मरण करते हुए मधुर फाल्गुनी गीतों की प्रस्तुति दी। हजारीबाग इकाई के अध्यक्ष कुमार केशव ने अपने स्वरचित होली गीत से उपस्थित सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस प्रस्तुति में रिया चन्द्रा, अंकिता पुरुषोत्तम, जीवन ज्योति, साक्षी सिंह, जिया कुमारी, रिया रानी और संजना कुमारी ने उनका साथ दिया।संगीतज्ञ आनंद दुबे ने अपने गीतों से पूरे माहौल को होलीमय बना दिया, जबकि किशोर कुमार गुप्ता (वरीय उपाध्यक्ष) और किशोर कुमार सिन्हा (वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य) ने भक्तिपूर्ण होली गीतों के माध्यम से सभी को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। निर्मला दास ने अपनी ओजपूर्ण पंक्तियों और गीतों से समां बांध दिया। इन सभी प्रस्तुतियों में राजेश गुप्ता ने ढोलक पर बेहतरीन संगत की। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला सचिव विनीत कुमार जैन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अनिल पांडे द्वारा दिया गया तथा समारोह को सफल बनाने में कृतिका विकास वर्मा की अहम भूमिका रही।

लोहरदगा में होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। आगामी होली पर्व को देखते हुए उपायुक्त लोहरदगा डॉ कुमार ताराचंद के निदेर्शानुसार सोमवार 2 मार्च को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, डॉ मोईन अख्तर के नेतृत्व में बक्सीडीपा, सेन्हा प्रखण्ड मुख्यालय अंतर्गत विभिन्न मिष्ठान भण्डार, रेस्टुरेन्ट, होटल, किराना दुकान एवं ठेला खोमचा इत्यादि का औचक निरीक्षण किया गया। इस जांच के क्रम में केशरी स्वीटस एण्ड स्नैक्स तथा उमंग भोजनालय में काफी मात्रा में विभिन्न ब्रांड के एक्सपायरी पेय पदार्थ पाये गये। इस प्रकार के लगभग चार हजार रुपए मूल्य का पेय पदार्थ को मौके पर ही नष्ट किया गया। साथ ही दोनो प्रतिष्ठानो पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 59 के तहत हजार रुपए का अर्थ दण्ड भी लगाया गया साथ ही भविष्य में इस प्रकार की पुनार्वृति नहीं करने की चेतावनी दी गयी। जांच के क्रम में पनीर, रसगुल्ला हल्दी इत्यादि की ऑनस्पॉट जांच की गयी। प्रथम द्दष्टया में सारे नमूने पाये गये। शिवानी स्टोर से सेन्हा में निर्मित श्री बफानी आटा एवं रांची में निर्मित इमली लॉलीपॉप का वैधानिक नमूना संग्रह किया गया। दोनो नमूनों को रसायनिक एवं गुणवता जांच हेतु नामकुम स्थित राज्य जांच खाद्य प्रयोगशाला भेजा जायेगा। इसके साथ ही सड़क के किनारे लगे ठेले खोमचे में बेचे जाने वाले चाट छोला, चटनी इत्यादि की जांच की गयी। सभी नमूनों में अखाद्य रंगो की मिलावट की पुष्टि हुई। सभी ठेले व खोमचा संचालको को हेड कवर, एप्रेन इत्यादि पहन कर काम करने तथा अखाद्य जलेबी रंग के स्थान पर एफएसएसएआई द्वारा प्रमाणित खाद्य रंगो का प्रयोग करने का निर्देश दिया गया। उपरोक्त निर्देशों के अवहेलना पर इस प्रकार के खाद्य सामग्रीयों को नष्ट करते हुए अर्थदण्ड लगाने की चेतावनी दी गयी। साथ ही सहायक कर्मी रजनीश कुमार मौके पर मौजूद थे। इस प्रकार का जांच अभियान आगे भी चलता रहेगा। उक्त जानकारी जिला खाद सुरक्षा पदाधिकारी ने दी।

लोहरदगा में होली पर महिलाओं को सम्मान राशि का तोहफा, 93 हजार से अधिक लाभुकों के खाते में 46.53 करोड़ रुपये हस्तांतरित

लोहरदगा(बिभा)। होली के शुभ अवसर पर राज्य सरकार ने महिलाओं को विशेष सौगात दी है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लोहरदगा जिले की 93,062 महिलाओं को जनवरी एवं फरवरी 2026 माह की सम्मान राशि का भुगतान किया गया। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में आधार आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 46 करोड़ 53 लाख 10 हजार रुपये की राशि भेजी गई है। प्रखंडवार लाभुकों की संख्या इस प्रकार है– भण्डरा में 13,075, कैरो में 8,083, पेशरार में 4,120, सेन्हा में 14,840, कूडू में 17,670, किस्को में 11,465, लोहरदगा प्रखंड में 11,540 तथा लोहरदगा शहरी क्षेत्र में 12,269 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। प्रशासन का कहना है कि इस योजना के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिली है और समय पर राशि हस्तांतरण सुनिश्चित किया गया है।

पंचाइत कर गोइठ कार्यक्रम हुआ आयोजित, उपायुक्त ने पंचायत को मजबूत करने की कही बात

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में सोमवार कोरपंचाइत कर गोइठर कार्यक्रम का 25वां संस्करण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए पेसा (ढएरअ) नियमावली, झारखंड-2025 राज्य में लागू हो गया है। लोहरदगा जिला में भी पेसा से संबंधित कई कार्य कार्य होने हैं। पेसा के अंतर्गत पंचायत को कई अधिकार व शक्तियां दी गयी हैं जिससे पंचायत के विकास को गति मिलेगी। आप सभी मुखिया पेसा नियमावली, झारखंड-2025 का गहन अध्ययन कर लें और पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े लोगों को भी इसकी जानकारी दें।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का कार्यक्रम 25 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया है। जो भी व्यक्ति अब तक फाइलेरिया की दवा डीईसी और कृमिनाशक की दवा एल्बेंडाजोल नहीं ले सके हैं वे अवश्य ले लें। जिन बच्चों की उम्र 2 वर्ष से कम है, जो गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति हैं और महिलाएं गर्भवती हैं उन्हें यह दवा नहीं लेनी है।

उपायुक्त ने कहा कि सभी सामुदाय मिलकर त्यौहार मनाएं। गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखना है। यहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं जहां सभी को एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना है। अभी भी बाल विवाह और डायन प्रथा जैसी कुरीतियां विद्यमान हैं जिसका उन्मूलन जरूरी हैं। लड़कियों की 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष की उम्र पूरी होने के बाद ही विवाह करें। बाल विवाह कानून अपराध है और इसमें सजा के प्रावधान हैं।

इसी प्रकार किसी भी महिला को डायन कहना अपराध है। इसका उन्मूलन जरूरी है।

जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा महिला दिवस पर कैंसर जागरूकता कार रैली का होगा भव्य आयोजन

हजारीबाग (बिभा): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग द्वारा कैंसर जागरूकता के उद्देश्य से एक विशेष कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ड्राइव पर्पज - नेशनल कैंपेन के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना है। कार रैली गांधी मैदान, मटवारी से प्रारंभ होकर पुनः वहीं आकर संपन्न होगी। कार्यक्रम का संदेश है आइए जागरूकता फैलाएं, मौन नहीं। इस रैली के माध्यम से महिलाओं एवं आम नागरिकों को कैंसर के लक्षणों, समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भाग लेंगे। जीतो लेडीज विंग, हजारीबाग की पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस जागरूकता अभियान से जुड़ें और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग दें।

बदलते दौर में होली: परंपरा से आधुनिकता तक का सफर

सुनील कुमार महला

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है।

हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है और उसके अगले दिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को रंगों की होली खेली जाती है। किंतु इस वर्ष पूर्णिमा तिथि पर वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

ज्योतिषियों के अनुसार इस वर्ष 3 मार्च 2026 को वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण पड़ रहा है और यह भारत में भी दृश्यमान होगा। द्रिक पंचांग के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर सायं 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पूर्व, अर्थात सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में शुभ कार्य, उत्सव, पूजन, भोजन बनाना और ग्रहण करना वर्जित माना जाता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। ऐसे में रंगों की होली खेलना अशुभ और नकारात्मक प्रभाव देने वाला माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है, किंतु इस बार ग्रहण के कारण विशेष सावधानी अपेक्षित है। होलिका दहन 2 मार्च 2026, सोमवार की रात्रि में भद्रा के पुच्छ काल में किया जा सकता है। भद्रा का पुच्छ 2 मार्च को रात्रि 11 बजकर 53 मिनट से 3 मार्च की रात्रि 1 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त 3 मार्च को प्रातः 5:30 बजे से 6:45 बजे के बीच भी होलिका दहन करना लाभकारी माना गया है, क्योंकि इसके बाद सूतक काल प्रारंभ हो जाएगा। चूंकि 3 मार्च को सूतक और ग्रहण का प्रभाव रहेगा, इसलिए उस दिन रंगों की होली खेलना उचित नहीं है। इस दृष्टि से 4 मार्च 2026 को रंगों की होली मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नानादि कर शुद्ध होकर ही किसी भी प्रकार का उत्सव करना चाहिए।

होली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:-

होली भारत का एक प्राचीन और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा उत्सव है। इसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन रंगोत्सव मनाने की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन काल में होली केवल एक दिन का त्योहार नहीं होती

थी, बल्कि पूरे फाल्गुन मास में फाग और उल्लास का वातावरण बना रहता था। गांवों में चंग और ढोल की थाप पर फाग गीत गूंजते थे, स्वांग और लोकनाट्य प्रस्तुतियां होती थीं तथा समाज के सभी वर्ग मिलकर उत्सव मनाते थे। पूर्वकाल में होली अत्यंत सामुदायिक और सौहार्दपूर्ण होती थी। लोग घर-घर जाकर फाग गाते थे। महिलाएं गाय के गोबर से उपले बनाती थीं, जिन्हें होलिका दहन की अग्नि में अर्पित किया जाता था। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और कृषि संस्कृति से जुड़ी आस्था का प्रतीक था। होलिका पूजन विधि-विधान से किया जाता था, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम फसल की कामना की जाती थी। अग्नि में हरे चने और गेहूं की बालियां सेंकी जाती थीं। इन भुने चनों को 'होला' कहा जाता है, जिन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता था। यह परंपरा रबी की फसल के पकने और कृषि समृद्धि से जुड़ी थी।

रंगों का आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ:-

होलिका दहन के अगले दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल और अबीर से होली खेली जाती थी। लोग गले मिलकर पुराने मतभेद भुला देते थे। होली का मूल संदेश है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, क्षमा और भाईचारे के रंग में रंग जाना। रंगों में तीन प्रमुख रंग माने गए हैं-लाल, हरा और नीला। शेष रंग इन्हीं से निर्मित होते हैं। लाल रंग उत्साह, साहस, सौभाग्य, उमंग और नवजीवन का प्रतीक है। यह मानवीय चेतना में तीव्र ऊर्जा और कंपन उत्पन्न करता है। होली का जोश और उल्लास लाल रंग में ही परिलक्षित होता है।हरा रंग विश्वास, उर्वरता, समृद्धि और प्रगति का प्रतीक है। यह विचारों की हरियाली और जीवन की खुशहाली का संदेश देता है। नीला रंग शांति, स्थिरता और व्यापकता का प्रतीक है। आकाश और समुद्र की विशालता की भांति यह समावेशी भावना का द्योतक है। वास्तु शास्त्र में इसे मानसिक शांति से जोड़ा गया है तथा योग दर्शन में इसे विशुद्ध चक्र (कंठ चक्र) के संतुलन से संबंधित माना जाता है।

साहित्य में होली:-

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी होली के उल्लास और प्रकृति के रंगों का सुंदर चित्रण किया है। उनकी कविता में लाल गुलाल और प्रकृति के राग-पराग का जो वर्णन मिलता है, वह होली के सांस्कृतिक सौंदर्य को सजीव कर देता है।

पारंपरिक होली बनाम आधुनिक होली:-

पूर्वकाल में होली प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी-हल्दी से पीला, चुकंदर से लाल, फूलों से गुलाबी और नीम की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता था। ये रंग त्वचा के लिए सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक होते थे। पलाश के फूलों से बना रंग विशेष लोकप्रिय था। आज रासायनिक रंगों का प्रचलन बढ़ गया है, जिनमें कई बार सल्फर और भारी धातुओं का उपयोग होता है। इनके कारण त्वचा में जलन, एलर्जी, आंखों में संक्रमण तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पहले होली गीतों में अश्लीलता नहीं होती थी; फाग, ढोल-नगाड़े, चंग-डफ और बांसुरी के साथ सामूहिक उत्सव मनाया जाता था। नशे का प्रचलन सीमित था। समय के साथ डीजे संस्कृति, तेज ध्वनि और डिजिटल माध्यमों ने स्थान ले लिया है। आत्मीयता, बड़ों का आशीर्वाद लेने की परंपरा तथा सामुदायिकता में कमी देखी जा रही है।

होली का वास्तविक संदेश:-

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम, क्षमा और बंधुत्व का प्रतीक है। यह शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व भी है। फाल्गुन मास में जब पलाश के फूल खिलते हैं और आम्र-मंजरियां महकती हैं, तब प्रकृति स्वयं रंगों में रच-बस जाती है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों के साथ-साथ मन को भी रंगना आवश्यक है। यह पर्व नकारात्मकता, द्वेष और कटुता को त्यागकर नवजीवन का संदेश देता है। यदि हम मयार्दा, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक मूल्यों के साथ होली मनाएं, तो यह पर्व आज भी उतनी ही आत्मीयता और उल्लास से मनाया जा सकता है, जितना पूर्वकाल में मनाया जाता था। अंततः होली का सार यही है-रंगों में घुली मिठास हो,हर चेहरे पर उल्लास हो, दिल से दिल की पहचान हो, और जीवन प्रेम व सद्भाव से परिपूर्ण हो। आप सभी को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

संपादकीय

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।

निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है। रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा। भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा। भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

विनाश का अट्टहास: तीन नेताओं की हठ और तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर खड़ी मानवता

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की नजरें इस वक्त मध्य पूर्व के उस सुलगते बारूद पर टिकी हैं, जहाँ एक चिंगारी ने पूरे वैश्विक अमन-चैन को स्वाहा करने की ठान ली है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की एक भीषण सैन्य हमले में हुई मृत्यु ने इस पूरे क्षेत्र को श्मशान में बदलने की कगार पर खड़ा कर दिया है। इस घटना के बाद ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने जिस तरह से प्रतिशोध का बिगुल फूंका है, उससे साफ है कि अब यह केवल दो देशों की आपसी रंजिश नहीं रही। पेजेश्कियान का यह रुख कि वे अपने नेतृत्व की हत्या का बदला लेने के लिए अंतिम विकल्प तक जा सकते हैं, पूरी मानव सभ्यता के लिए एक प्रलयंकारी संकेत है। अगर हम निष्पक्ष होकर इस महासंकट का विश्लेषण करें, तो समझ आता है कि चंद शक्तिशाली नेताओं के अहंकारी फैसलों और व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने आज अरबों लोगों की सांसों को गिरवी रख दिया है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को यह गंभीरता से सोचना होगा कि क्या केवल मिसाइलों और लक्षित हत्याओं से इजरायल कभी सुरक्षित हो पाएगा? इतिहास गवाह है कि रक्तपात हमेशा नई और अधिक भयानक नफरत को जन्म देता है। नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगता है कि वे अपने घरेलू राजनीतिक संकट और सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए इस युद्ध की आग को जानबूझकर बुझने नहीं दे रहे हैं। उन्हें यह समझना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियाँ उड़ाकर और संप्रभु देशों के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर हासिल की गई जीत असल में एक नैतिक हार है। इजरायल की असली ताकत पड़ोसियों के साथ विश्वास की दीवार खड़ी करने में है, न कि डर का साम्राज्य फैलाने में। बेगुनाह बच्चों और आम नागरिकों की चीखें किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए विजय का गान नहीं हो सकतीं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी आक्रामक विदेश नीति इस पूरे विवाद की जड़ में बारूद बिछाने का काम कर रही है। ट्रम्प के शासनकाल में लिए गए कठोर फैसलों और अब उनके युद्ध-समर्थक बयानों ने सुलह की रही-सही गुंजाइश को भी मटियामेट कर दिया है। एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में अमेरिका का उत्तरदायित्व शांति स्थापना का होना चाहिए था, लेकिन ट्रम्प की धौंस और दबाव वाली नीति अक्सर समाधान के बजाय संकट को अधिक गहरा कर देती है। अमेरिका को यह समझना होगा कि दुनिया अब उनके एकतरफा आदेशों का दास नहीं है। हथियारों का बाजार गर्म करने और सैन्य गठबंधनों को उकसाने की होड़ ने कूटनीति की मेज को धराशायी कर दिया है। अगर अमेरिका ने एक पक्षपाती खिलाड़ी की भूमिका नहीं छोड़ी, तो वह इतिहास में एक शांति रक्षक नहीं बल्कि एक वैश्विक गृहयुद्ध के सूत्रधार के रूप में दर्ज होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के लिए भी यह गहरे आत्ममंथन का समय है। एक राष्ट्र के रूप में अपने सर्वोच्च मार्गदर्शक को खोना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन प्रतिशोध के आवेश में आकर पूरी दुनिया को परमाणु विभीषिका की धमकी देना किसी भी तर्क से उचित नहीं है। पेजेश्कियान को चाहिए कि वे कट्टरपंथियों के दबाव में आकर अपनी जनता को मौत की भट्टी में न झोंकें। ईरान को यह समझना होगा कि प्रॉक्सि वार और अस्थिरता फैलाने वाली नीतियां अंततः उसे ही दुनिया में अलग-अलग कर देंगी। युद्ध की हुंकार भरना आसान है, लेकिन जर्जर अर्थव्यवस्था और उजड़े हुए परिवारों को फिर से खड़ा करना असंभव होता है। उन्हें आक्रोश के बजाय संयम और कूटनीति के कठिन मार्ग को चुनना चाहिए ताकि ईरान का अस्तित्व बचा रह सके।

इस संघर्ष का वैश्विक असर अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर इंसान की थाली तक पहुँच चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे व्यापारिक मार्गों के बंद होने के डर ने दुनिया भर की सप्लाई चेन को पंगु बना दिया है। यदि यह तनाव पूर्ण युद्ध में बदलता है और रूस-चीन जैसे देश इसमें कूदते हैं, तो यह आधिकारिक रूप से तृतीय विश्व युद्ध का आगाज होगा। परमाणु युग में लड़ा जाने वाला यह युद्ध किसी को विजेता नहीं बनाएगा, बल्कि धरती पर केवल राख के ढेर और सन्नाटा छोड़ जाएगा। भारत का पक्ष इस पूरे विवाद में दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत की नीति हमेशा से संतुलित और मानवीय रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार चेतावनी दी है कि यह युग युद्ध का नहीं है। भारत के लिए यह स्थिति किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा और खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग 90 लाख भारतीयों की जान सीधे इस खतरे की जद में है। भारत आज दुनिया का वह विरल देश है जो इजरायल और ईरान, दोनों से संवाद करने का हौसला रखता है। निष्कर्ष यही है कि आज दुनिया को हथियारों की नुमाइश की नहीं, बल्कि संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है। यदि इन तीनों देशों ने अपना अहंकार नहीं त्यागा, तो आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें मानवता के हत्यारों के रूप में याद रखेंगी।

स्वास्थ्य, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का आधार है वन्यजीव संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

वन्यजीवों की पुकार, अब नहीं तो कभी नहीं... वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह विषय मानव स्वास्थ्य, सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय आजीविका को बनाए रखने में इन पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है, साथ ही पर्यावास के विनाश, अत्यधिक कटाई और अन्य कारणों से इन पर बढ़ते दबावों को दशार्ता है।

जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को

नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुमार्ना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

होली में मस्ती करते बच्चों के साथ माता-पिता रखें इन खास बातों का ध्यान

होली पर बच्चों को कैमिकल वाले रंगों से दूर रखें, आंखों और त्वचा की सुरक्षा करें, बालों में तेल लगाएं, फिसलन से बचाएं और साफ-सफाई का ध्यान रखें ताकि होली सुरक्षित रहे.

होली रंगों का त्योहार है और बच्चों के लिए तो यह साल का सबसे मजेदार दिन होता है. लेकिन खेल-खेल में कई बार नज़रअंदाज़ की गई छोटी-छोटी बातें दुर्घटना, स्किन रिएक्शन या चोट का कारण बन सकती हैं. इसलिए बच्चों को होली खेलने से पहले और खेलते समय कुछ सावधानियाँ ज़रूर बतानी और अपनानी चाहिए.

1.कैमिकल वाले रंगों से दूर रखे

बाजार में मिलने वाले कई रंगों में कैमिकल, ग्लास पाउडर या सिंथेटिक डाई होती है, जो बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचाती है.

बच्चों को नेचुरल/ऑर्गेनिक रंग दें.

घर पर हल्दी, चावल का आटा, पालक या चुकंदर से बने रंग भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं.

2.आंखों की सुरक्षा बेहद जरूरी

बच्चों की आंखें बहुत संवेदनशील होती हैं.

उन्हें समझाएं कि चेहरे और आंखों पर रंग न फेंकें.

चाहें तो बच्चों को सनग्लासेस पहनाकर भेजें.

अगर रंग आंख में चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से धोएं, रगड़ने न दें.

3.त्वचा को सुरक्षित बनाएं

रंग खेलने से पहले बच्चे के चेहरे, हाथ-पैर और गर्दन पर तेल, नारियल तेल या मॉइश्चराइज़र अच्छे से लगा दें.

इससे रंग आसानी से नहीं चिपकता और बाद में हटाते समय त्वचा नहीं छिलती.

4.बालों की सुरक्षा

बच्चों के बालों में रंग चिपक जाता है और बाद में रूखापन पैदा करता है.

खेलने से पहले बालों में तेल अच्छे से लगा दें.

हो सके तो टोपी या कैप पहनाएं.

5.पानी की फिसलन से बचाएं

होली में पानी का इस्तेमाल आम है, लेकिन फर्श गीला होने से बच्चे फिसल सकते हैं.

उन्हें दौड़ने या छत पर खेलने से मना करें.

पिचकारी से खेलने दें लेकिन बहुत पास से पानी न मारें.

6. चेहरे पर जबरदस्ती रंग न लगाया जाए

कई बार बच्चे एक-दूसरे के चेहरे पर ज़ोर से रंग लगाते हैं, जिससे जलन, खरोंच या डर लग सकता है.

बच्चों को सिखाएं कि होली जबरदस्ती नहीं, मन से खेले जाती है.

7.कान, नाक और मुंह में रंग न जाए

बच्चों को बार-बार याद दिलाएं कि नाक या मुंह में रंग न जाने दें

पिचकारी का पानी सीधे चेहरे पर न चलाएं

8.साफ-सफाई का ध्यान रखें

होली के बाद बच्चे को गुनगुने पानी से स्नान कराएं.

स्क्रबर से जोर न लगाएं, इससे त्वचा छिल सकती है.

फेसवॉश या माइल्ड साबुन से हल्का मसाज करें.

9.छोटे बच्चों की खास निगरानी करें

2-5 साल के बच्चे रंगों से डर सकते हैं, इसलिए उन्हें बड़े बच्चों से दूर रखें और माता-पिता उनकी निगरानी करें.

सही तैयारी + हल्के रंग + सुरक्षा नियम = बच्चों की सुरक्षित और आनंदमय होली.

थोड़ी सतर्कता रखने से बच्चे बिना किसी नुकसान के रंगों की इस खूबसूरत त्योहार का पूरा मज़ा ले सकते हैं.

होली में खूब रंग खेले मगर सेहत को ध्यान में रखकर

रंगों के त्योहार होली की बहार है। हर तरफ उल्लास का वातावरण है। बाजारें,रंगों, गुलाल एवं खाने-पीने की चीजों से सज गया है। होली में खूब रंग खेले, खूब गुलाल उडाएँ परन्तु बाजार में सजे केमिकल वाले रंगो से बचे क्योकि यह रंग आपकी होली की बेरंग कर सकते है। इसीलिए कुछ सावधानियाँ अपनाकर होली मनाए जिससे होली का रंग बेरंग ना हो और होली की खुशियाँ बरकरार रहे।

होली में हर व्यक्ति एक-दूसरे को रंग लगाकर अपनी आत्मीयता का इज्हार करता है परन्तु उसे यह नहीं मालूम कि जो रंग वह लगा रहा है वह रसायनिक रंग है जिससे त्वचा को नुकसान पहुँच सकता है, श्वास एवं एल्र्जी की बीमारी हो सकती है। बाजार में बिकने वाले हरे रंग में तांबा, काले रंग में नाइट्रेट ऑक्साइड, परपिल रंग क्रोमाइड, सिल्वर कलर में एल्युमिनियम ब्रोमाइड, लाल रंग मारकरी सल्फेट रसायनों से बनता है। यह सभी रसायनिक रंग त्वचा पर जलन खुजली, दाने, एलर्जी, श्वास की तकलीफ उत्पन्न कर सकते है जो आपकी होली को बदरंग कर सकते है इसलिए रंग खेलने में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग ही करना चाहिए।

होली में गुलाल भी खूब उड़ाया जाता है। बाजार में मिल रहे गुलाल में अवरक का इस्तेमाल होता है। इसमें बालू तथा अन्य रसायन पड़ें रहते है। इससे दमा का प्रकोप हो सकता है। इससे त्वचा में जलन, खुजली की समस्या हो सकती है। त्वचा खुरदरी हो सकती है इसलिए हर्बल गुलाल का प्रयोग करना चाहिए रंग के स्थान पर पेंट, तारकोल, कीचड़ आदि का प्रयोग बिल्कुल न करे इससे त्वचा बदरंग हो सकती है। रंग खेलने से पहले शरीर पर तेल आवश्य लगा लो रंग खेलते समय इन बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए-

रंग छुड़ाने के लिए उपटन का प्रयोग करना चाहिए रंग छुड़ाने के लिए बार-बार साबुन न रगड़े।

यदि त्वचा खुजली के साथ पानी निकले तो साफ पानी से धुले।

यदि ऑख मं रंग पड़ जाये तो रगड़े नहीं बल्कि साफ पानी से धोए।

रंग खेलते समय शरीर पर टोपी जरूर लगाए। पूरे आस्तीन के कपड़े पहने।

गीले आस्तीन के कपड़े ज्यादा देर ना पहने।

इस प्रकार कुछ सावधानियॉ अपनाकर सुरक्षित होली मनायी जा सकती है। होली के पर्व पर बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों सें सज गया है। मिठाइयों, अन्य खाने की चीजों जैसे खोया, दूध पनीर में मिलावट का खतरा हो सकता है। इनमें रसायनिक तत्वों पेंट, यूरिया, निरमा, मिलावटी तेल, मिला रहता है जिससे पीलिया, पेट में जलन, संक्रमण, दस्त, उल्टी, गैस, दर्द आदि की गंभीर समस्याएं हो सकती है इसलिए खाने-पीने की चीजें जांच-परखकर ही खरीदे। बाजार की बजाय घर की बनी चीजों का प्रयोग करो ड्राई फ्रूट का ज्यादा इस्तेमाल करे इससे सुरक्षित होली मनाई जा सकती है।

होली में शराब का नशा बहुत आम है। लोग भांग पीकर होली मनाते है। इस उल्लास पूर्ण होली के पर्व को नशे का सेवन बेमजा कर सकता है। आइए इस उल्लासपूर्व रंगों के पर्व होली को सुरक्षित तरीके से मनाकर चार चांद लगाए।

होली के रंगों का अलग-अलग ग्रहों से है संबंध

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, होलाष्टक से लेकर होलिका दहन तक की अवधि को प्रतिकूल माना गया है। मान्यता है की इस दौरान सभी ग्रह उग्र स्थिति में रहते हैं। पंडित राकेश झा बताते हैं कि, रंगों का अलग-अलग ग्रहों से संबंध होता है। रत्न भी अलग-अलग रंग के होते हैं और ग्रहों के रंग के अनुसार अलग-अलग ग्रहों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। होली के दिन अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल करने से ग्रहों की प्रतिकूलता और नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, इससे सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। ऐसी मान्यता है की ये रंग हमारे अंदर ऊर्जा और उत्साह भरते हैं। साथ ही, इससे आरोग्य की भी प्राप्ति होती है। रंगों का त्योहार होली चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। चैत्र वह महीना है जब सर्दी समाप्त हो रही होती है और गर्मी चढान पर होती है यानी यह ऋतुओं का संक्रमण काल भी होता है। प्राचीन मान्यता है कि, इस समय संक्रामक रोग भी विकसित होते हैं, और प्राकृतिक रंग रोगों से रक्षा करते हैं, इसलिए कई क्षेत्रों में इस समय पशुओं को भी रंग लगाया जाता है।

वैसे आज कल केमिकल वाले रंग भी खूब प्रयोग किए जाने लगे हैं तो इनसे लाभ की बजाय नुकसान भी हो कता है। इसलिए शास्त्रीय मत यह कहता है कि प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए जो सकारात्मकता बढते हैं।

गुलाल के अलग-अलग रंगों का महत्व

हरा रंग- ज्योतिषशास्त्र में हरे रंग को बुध ग्रह से संबंधित माना गया है। यह रंग विकास, समृद्धि, संतुलन और शांति का प्रतीक है।

पीला रंग- यह रंग गुरु ग्रह से संबंधित होता है। पीला रंग ज्ञान, पवित्रता, ऊर्जा और खुशी का प्रतीक है। होली पर इस रंग का प्रयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आ सकती है। दरअसल यह गुरु के शुभ प्रभाव को बढाने का काम करता है।

लाल रंग- ज्योतिषशास्त्र में लाल रंग को मंगल ग्रह से संबंधित माना गया है। इसे ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक माना गया है।

गुलाबी रंग- यह रंग शुक्र ग्रह से संबंधित होता है। गुलाबी रंग को प्रेम, कोमलता, शांति और स्नेह का प्रतीक माना गया है।

नारंगी रंग- ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नारंगी रंग सूर्य ग्रह से संबंधित होता है। यह ऊर्जा, उत्साह, खुशी और रचनात्मकता का प्रतीक है।

होली पर क्यों खेलते हैं रंग गुलाल? अलग-अलग रंगों का होता है खास महत्व

रंग और उत्साह का पर्व होली वृंदावन, बरसाना सहित पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। देश के कई भागों में फुलेरा दूज से भी यूं तो होली का त्योहार शुरू हो जाता है। लेकिन होलिका दहन और और उसके बाद होने वाले रंगोत्सव का अपना अलग ही महत्व है क्योंकि यह मुख्य होली का त्योहार होता है जिसमें अलग-अलग रंगों से होली खेली जाती है, और ज्योतिषशास्त्र में हर रंग का अपना महत्व बताया गया है जो किसी न किसी ग्रह से संबंध रखते हैं।

होली के त्योहार का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ लोग उत्साह पूर्वक रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। कुछ लोग होलिका की राख से भी होली खेलते हैं। कुछ लोग खास तौर पर बच्चे तो पानी से भी होली खेलते हैं लेकिन होली का मुख्य आकर्षण रंग होते हैं। और लोग एक दूसरे पर लाल, पीला, हरा, नीला, सफेद, चमकीले रंग लगाकर भी होली का आनंद मनाते हैं। रंगोत्सव का यह त्योहार भारत सहित नेपाल में भी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। साथ ही भारतीय दुनिया के किसी भी देश में रहें अपनी परंपरा के अनुसार रंगोत्सव का त्योहार मनाते हैं। दरअसल होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और अधर्म पर धर्म की जीत का भी प्रतीक माना गया है। और धार्मिक दृष्टि से होली के रंग इस बात को बयां करते हैं। वैसे होली पर रंग, गुलाल खेलने के और भी कई कारण हैं और इसके लाभ भी बताए जाते हैं। इसके पीछे ज्योतिषीय कारण और पौराणिक कथा छिपी हुई है। आइए विस्तार से जानें कि क्यों खेली जाती है रंगों वाली होली और अलग-अलग रंगों का क्या है महत्व।

राधा-कृष्ण से संबंधित है होली का त्योहार- पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जब बालक थे तब वह इस बात से चिंतित और परेशान थे की क्या गोरी राधा उनके सांवले रंग को पसंद करेंगी। तब यशोदा मईया ने कहा की राधा के पास जाओ और उनसे अपने मुख पर कोई भी रंग लगाने के लिए कहना। ऐसा सुनकर कान्हाजी राधा रानी के पास गए और उन्होंने भगवान कृष्ण को रंग लगाया। ऐसी मान्यता है कि तभी से होली के दिन रंग और गुलाल लगाने की परंपरा शुरू हुई। मथुरा वृंदावन की लोक कथाओं में इस तरह की कथा लोग कहते सुनाते हैं।

होलिका दहन क्यों मनाया जाता है? होलिका और भक्त प्रह्लाद से जुड़ी है होली की कथा

होलिका दहन का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ऋषिकेश पंचांग के अनुसार, होलिका दहन 2 मार्च को मनाया जाएगा। पुराणों में इस पर्व से जुड़ी एक कथा बताई गई है जो हिरण्यकश्यप की बहन होलिका और विष्णु भगवान के भक्त प्रह्लाद से संबंधित है। होलिका को न जलने का वरदान होने के बावजूद वह इस दिन भस्म हो गई और भक्त प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आए। जानें क्या है यह पूरी कथा।

फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि पर होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। जो हमें अपने मन के भय को दूर करके आंतरिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला है। ऋषिकेश पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार के दिन मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार, इसी दिन हिरण्यकश्यप की बहन होलिका विष्णुजी के भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर जलती हुई चिता पर बैठी थी। लेकिन कुछ ऐसा संयोग बना जिससे होलिका और हिरण्यकश्यप की योजना सफल नहीं हो सकी। आइए विस्तार से जानते हैं होलिका दहन की कथा ।

होलिका और भक्त प्रह्लाद की कथा

पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में एक हिरण्यकश्यप नामक शक्तिशाली असुर था। जिसने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से एक विशेष वरदान प्राप्त किया था कि न उसे कोई मनुष्य मार सके, न कोई पशु, न अंदर मारा जा सके, न बाहर, न दिन में मारा जा सके, न रात में और किसी अस्त्र शस्त्र से भी उसकी मृत्यु न हो सके। ऐसा वरदान मिलने के कारण उसने अहंकार में खुद को ईश्वर बताना शुरू कर दिया और अपने राज्य में किसी भी व्यक्ति को भगवान विष्णु की पूजा करने से मना कर दिया।

भगवान विष्णु का परम भक्त था प्रह्लाद

हिरण्यकश्यप का एक प्रह्लाद नामक पुत्र था जो बचपन से भी भगवान विष्णु की भक्ति करता था और उनका परम भक्त बन गया। प्रह्लाद हमेशा विष्णुजी का स्मरण करता रहता था और उसके मुख भी पर केवल प्रभु का नाम था। हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विष्णुजी की भक्ति से दूर रखने के लिए कई बार प्रयत्न किए। लेकिन फिर भी असुर कुल में जन्म लेने के बाद भी प्रह्लाद ने कभी भी भगवान श्रीविष्णु की भक्ति करना नहीं छोड़ा। महर्षि व्यास रचित, विष्णु पुराण में बताया गया है कि, हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को विषैले सांपों के पास छोड़ा, हाथियों के पैरों के नीचे डाला, ऊंचे पर्वत से नीचे गिरवाया और गहरे समुद्र तक में भी डुबोया। लेकिन भगवान विष्णु ने अपने भक्त को हर मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाल दिया।

होलिका भक्त प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठीं

सभी प्रयास नाकाम होने के पश्चात हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को बुलाया जिसे अग्नि में कभी न जलने का वरदान प्राप्त था। उसे प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर चिता पर बैठने को कहा गया और होलिका ने ठीक ऐसा ही किया। वह भक्त प्रह्लाद को अपनी गोद में बिठाकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन उस समय भी प्रह्लाद जरा भी न डरा और मन में केवल श्रीहरी का स्मरण करता रहा है। ऐसे में अपने वरदान को गलत तरीके से प्रयोग करने के कारण होलिका उसी अग्नि में जलकर भस्म हो गई। ब्रह्माजी के प्राप्त अग्नि से रक्षा करने वाला चादर उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया। ऐसे में होलिका जल गई और भगवान विष्णु की कृपा से उनका भक्त प्रह्लाद सुरक्षित अग्नि से बाहर निकल आया। इसी दिन को याद करते हुए होलिका दहन का त्योहार मनाया जाता है और इसे बुराई पर अच्छाई की जीत का दिन माना गया। इस घटने के बाद प्रभु भक्तों में भगवान का आभार प्रकट किया और होलिका की चिता के राख और रंगों से रंगोत्सव मनाया। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन रंगोत्सव का त्योहार मनाया जाता है।

बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर मजबूत सरकार बनानी है जो विकास ला सके

-बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने कूच बिहार से की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत

कूच बिहार (एजेंसी)। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर नबीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही एसआईआर के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

नबीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके।

नबीन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज दिलाकर उन्हें संरक्षण दिया। ममता ने वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया, क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं, लेकिन जब महिलाओं का अपमान होता है, तो दीदी चुप रहती हैं। राज्य को भ्रष्ट टीएमसी सरकार से मुक्त कराने की जरूरत है, जो सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् के गान से पूरा देश आजाद हुआ। आज जब उसकी 150वीं जयंती मनाते हैं, तो टीएमसी के सांसद उसे रोकते हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी, वंदे मातरम् ने अंग्रेजों से आजादी दिलाई थी, और अब वही वंदे मातरम् की गूंज बंगाल को आपकी अराजकता से आजाद करेगी और बंगाल को मुक्ति दिलाएगी। यह यात्रा जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की होगी और बंगाल के घर घर तक जाएगी, जहां अब तक केवल वादे और अहंकार के शब्द पहुंचे थे, वहां बीजेपी परिवर्तन की आवाज के साथ पहुंचने वाली है।

दिल्ली के स्कूलों को फिर बम धमकी, हाई अलर्ट जारी

- स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम धमकी मिली। धमकी संदेश सुबह लगभग 8 बजे स्कूल स्टाफ को प्राप्त हुए। इस बार धमकी पाने वाले प्रमुख स्कूल हैं- आर्मी पब्लिक स्कूल (दिल्ली कंेट) सेलवन प?ल्बिक स्कूल और मीरा पब्लिक स्कूल (जनकपुरी)। स्कूल स्टाफ ने तुरंत पुलिस और दमकल को सूचित किया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते और स्निफर डॉग्स तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्कूलों और आसपास के इलाकों को सुरक्षा की दृष्टि से सील कर दिया गया। दमकल विभाग ने स्कूलों में चेकिंग शुरू की। अब तक किसी भी तरह का संदिग्ध या विस्फोटक सामान नहीं मिला है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां धमकी भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान के लिए जांच कर रही हैं। पुलिस ने सभी लोगों को सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की सलाह दी है। छात्रों, अभिभावकों और स्टाफ को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली में यह कोई नया मामला नहीं है। पिछले सप्ताह धौला कुआं स्थित आर्मी प?ब्लिक स्कूल और लोधी रोड स्थित एयर फोस् बाल भारती स्कूल को भी बम धमकी मिली थी। इससे पहले, दिल्ली सचिवालय, विधानसभा और लाल किला को भी धमकी मिली थी। हर बार पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आसपास के इलाके को सील कर दिया। अब तक किसी भी घटना में वास्तविक विस्फोटक नहीं मिला। सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत और धमकी भेजने वाले व्यक्ति/समूह की पहचान के लिए साइबर और फॉरेंसिक जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसी धमकियां आम लोगों और छात्रों के लिए चिंता का कारण बनती हैं, लेकिन सभी मामलों में पूरी सतर्कता के साथ कार्रवाई की जा रही है।

बस्ती में केक खाने से युवक की मौत, मासूम की हालत गंभीर, गांव में पसरा मातम

बस्ती(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मात्र पांच रुपये के केक ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। महुआडाबर गांव में एक दुकान से खरीदकर खाए गए केक के कारण 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पड़ोस में रहने वाला एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत और गम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम गांव के निवासी अमन सिंह ने पास की ही एक किराने की दुकान से पांच-पांच रुपये वाले दो केक खरीदे थे। अमन ने खुद भी केक खाया और अपने पड़ोस में रहने वाले नन्हे बच्चे ओंकार को भी इसका एक हिस्सा खिला दिया। केक खाने के कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। दोनों को पेट में तेज दर्द और लगातार उल्टी की शिकायत होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख परिजनों में हड़कंप मच गया और वे आनन-फानन में दोनों को लेकर स्थानीय अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान 18 वर्षीय अमन सिंह ने दम तोड़ दिया, जबकि तीन वर्षीय ओंकार की हालत नाजुक बनी हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी कर रही है।

ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ नक्सल मुक्त घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के बोलांगीर और बरगढ़ जिलों को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। राज्य पुलिस के अनुसार इन क्षेत्रों में सक्रिय 15 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में किया गया, जो बरगढ़ से सटा हुआ है। ये माओवादी बरगढ़-बोलांगीर-महासमुंद बेल्ट में सक्रिय थे। डीजीपी वाई बी खुरानिआ ने मीडिया को बताया कि राज्य में लंबे समय से चलाए जा रहे संयुक्त एंटी-नक्सल अभियानों का यह महत्वपूर्ण परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति और सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई से माओवादी संगठन कमजोर पड़े हैं। इस घोषणा के साथ ओडिशा में नक्सल मुक्त जिलों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कोरापुट, मलकानगिरी, बौध, बोलांगीर और बरगढ़ अब नक्सल मुक्त जिलों की सूची में शामिल हैं। हालांकि कंधमाल, रायगढ़ा और कालाहांडी जिलों में अभी भी माओवादी गतिविधियां जारी हैं। पुलिस के अनुसार राज्य में अब लगभग 25 माओवादी ही सक्रिय बचे हैं और उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं।

निर्वाचन आयोग 6-7 मार्च को केरल में चुनाव तैयारियों की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की टीम 6 और 7 मार्च को केरल का दौरा करेगी। इस दौरान आयोग आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेगा। अधिकारियों के अनुसार बैठक में मतदाता सूची, सुरक्षा प्रबंध, मतदान केंद्रों की व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इस वर्ष कुल पांच राज्यों— केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। आयोग पहले ही असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा ले चुका है, जबकि पश्चिम बंगाल का दौरा अभी शेष है। इन सभी राज्यों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है, कि आयोग का उद्देश्य निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना है। केरल दौरे के दौरान आयोग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से भी संवाद करेगा। राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज होने के साथ ही प्रशासन ने भी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह कार्रवाई इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिमी और थौबल जिलों में की गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के फकनुंग अवांग लेइकाई इलाके से प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' के एक सक्रिय कैडर को पकड़ा गया। एक अन्य कार्रवाई में शनिवार को इंफाल पश्चिमी जिले के वांगोई खेदेम लेइकाई स्थित एक आवास से 'पीआरईपीएके (प्रो)' से जुड़े उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से नौ एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने हथियारों को जब्त कर लिया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। इसी दिन थौबल जिले के यैरिपोक लमखाई क्षेत्र से 'केवाईकेएल' संगठन से जुड़े एक अन्य उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सघन तलाशी अभियान लगातार जारी रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, हाल के अभियानों से संगठनों की गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा है।

शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष को कोर्ट ने नहीं दी जमानत, अब सुनवाई 11 मार्च को

पटना (एजेंसी)। पटना में नीट छात्रा दुष्कर्म और मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। मनीष को कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सोमवार को करीब पौने दो घंटे सुनवाई चली। इस बीच पीड़ित परिवार के वकील और सीबीआई के वकील के बीच तीखी बहस हुई। पीड़ित परिवार के वकील ने जांच में लापरवाही की बात कही। इस पर सीबीआई के वकील ने आपत्ति जताई और कहा कि जमानत की सुनवाई है। आप एजेंसी पर सवाल नहीं कर सकते हैं। कोर्ट से अगली सुनवाई की 11 मार्च तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई ने लिखित में कहा कि हमें इन्वेस्टिगेशन में मनीष रंजन जरूरत नहीं है। मनीष की जमानत याचिका पर सुनवाई अब अगली तारीख पर सीबीआई मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। कोर्ट से सुनवाई की अगली तारीख 11 मार्च है। पीड़ित पक्ष के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे वाला तोता कहा है। इस मामले में सीबीआई की जांच देखकर लग रहा है कि वो मनीष रंजन की जेब में है। उन्होंने अलग से एफआईआर दर्ज की है।

शंकराचार्य सर्वोपरि और पूज्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे

-सीएम योगी की तल्ख टिप्पणी के बीच केशव मौर्या ने किया अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन

वाराणसी (एजेंसी)। प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान और बटुक की चोटी खींचने का मामला थम नहीं रहा है। सीएम योगी की तल्ख टिप्पणियों के बीच एक बार फिर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने शंकराचार्य का समर्थन किया है। सोमवार को काशी पहुंचे डिप्टी सीएम मोर्या ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य सर्वोपरि हैं और पूज्य हैं। वह जहां भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। वहीं उन्होंने दूसरी ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को ढोंगी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोर्या ने कहा कि शंकराचार्य का स्थान सर्वोपरि है वे भगवान शंकराचार्य हैं, वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। एक रामभक्त होने के नाते मैं स्वयं उनका अभिनंदन करने को तैयार हूं। शंकराचार्य के यूपी सरकार में गौहत्या के आरोपों पर भी डिप्टी सीएम ने जवाब दिया। गौ रक्षा के मुद्दे पर विपक्ष को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में अब कानून का राज है। हमारी सरकार गौ माता के प्रति अटूट आस्था रखती है और प्रदेश में किसी भी अपराधी या हत्यारे की इतनी हैसियत नहीं है कि वह गौ माता को नुकसान पहुंचा सके।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले में बयानों पर अखिलेश यादव को आड़े हाथों लिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव एक ढोंगी व्यक्ति हैं। उन्होंने पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान रामभक्तों का दमन किया गया था और अब वही लोग धर्म के नाम पर राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं। ?आगामी चुनावों और बीजेपी के भविष्य पर आत्मविश्वास जताते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के दम पर 2047 तक बीजेपी की सरकार बनी रहेगी और विपक्ष का कोई भी गठबंधन इसे डिगा नहीं पाएगा। बीजेपी पूरी तरह से तैयार है और परिणाम विशाल होंगे।

मेरी मासिक कमाई 9000 में हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता... सुप्रीम कोर्ट में पति ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट में एक दिलचस्प तलाक से जुड़े मामले की सुनवाई हो रही है, जिसमें पति की सैलरी और पत्नी की एलिमनी की मांग मुख्य मुद्दा बनी। पति ने दावा किया कि वहां दिहाड़ी मजदूर है और महीने में मुश्किल से 9,000 रुपये कमाता है, इसलिए वह अपनी पत्नी को हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता। पति ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उसकी दैनिक आमदनी करीब 325 रुपये है और इसके बावजूद पूरी मेहनत करने पर भी उसकी कमाई 9,000 रुपये ही होती है।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पति के दावे पर संदेह जताया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि आज के समय में कोई इतनी कम सैलरी नहीं देता और यह बात भरोसेमंद नहीं लगती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति मेंटेनेंस नहीं दे सकता, तब पत्नी के साथ रहना चाहिए ताकि वह खाने-पीने और बच्चों के गुजारे का ध्यान रख सके। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पति के वकील ने कहा कि उनका क्लाइंट सच में अपनी आमदनी बता रहा है और इसके लिए एफिडेविट भी फाइल करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने पति से कहा कि पत्नी के गुजारे के लिए पैसे का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी है और इस पूरा करने के लिए कोई उपाय करना ही होगा, भले ही उधार लेना पड़े।

इससे पहले निचली अदालत ने तलाक देकर पत्नी को 6 लाख रुपये देने का आदेश दिया था। हालांकि, पत्नी इस राशि से संतुष्ट नहीं हुई और हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में बढ़ोतरी की मांग की। उसने पति के सामने दो विकल्प रखे—या हर महीने 12,000 रुपये एलिमनी के रूप में दें, जिसमें हर साल निश्चित बढ़ोतरी हो, या एक बार में 30 लाख रुपये का भुगतान करें। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आर्थिक तंगी को बहाना बनाकर पत्नी के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और पति को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी, चाहे इसके लिए उसे कोई अतिरिक्त प्रयास करना पड़े।

कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला बीजेपी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर रविवार को एक रैली में कहा कि आप पार्टी को खत्म करने के लिए पीएम मोदी खुद इस मामले की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर चार साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले मामले में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने मुझपर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि केस फर्जी है। कोर्ट का फैसला नरेंद्र मोदी, अमित शाह और बीजेपी के लिए करारा जवाब है। आप को खत्म करने के लिए खुद पीएम मोदी इस केस की निगरानी कर रहे थे। आईआईटी से पढ़ाई के बाद मैं अमेरिका जा सकता था, लेकिन देश सेवा के लिए भारत में ही रहा। इनकम टैक्स विभाग में नौकरी में मैंने रिश्वत लेने से इनकार किया और ईमानदारी से काम किया। दिल्ली का सीएम बनने के बाद भी मेरे खिलाफ कई जांच कराई गईं, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। 12 साल में देश को अच्छी सड़कें, पानी और बेहतर व्यवस्था नहीं दी। रेलवे, एयरलाइंस, बैंक और शिक्षा व्यवस्था खराब हो गई है।

मार्च में दौड़ेगी दूसरे वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, इस साल 12 ट्रेनें चलाने का है लक्ष्य

-ट्रेन में हवाई जहाज की तर्ज पर बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन इस माह पटरियों पर दौड़ेगी। इसका रूट अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह ट्रेन दिल्ली-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-बेंगलुरु-मुंबई में से किसी एक रूट पर चलाई जाएगी। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2026 में कुल 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को चलाने का लक्ष्य है। हरेक ट्रेन पहले की ट्रेन से तकनीक व सुविधाओं के मामले में उन्नत होगी। वंदे भारत स्लीपर को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड ने इस तरह डिजाइन किया है कि रेल यात्रियों को सफर के दौरान विमान-पांच सितारा होटल जैसा अनुभव होगा। ट्रेन के कोच के गलियारों में स्मार्ट सेंसर लाइट्स लगी हैं, जो केवल यात्री के चलने पर ही जलेंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार ट्रेन में बोल्स्टरलेस कोच का इस्तेमाल हुआ है, जो 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार पर भी चाय का कप टेबल से नहीं गिरने देंगी। हवाई जहाज की तर्ज पर इसमें बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स और टच-फ्री नल दिए गए हैं। नई डिजाइन की उन्नत वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्मार्ट सेंसर लाइट्स, वैक्यूम टॉयलेट्स, बोल्स्टरलेस कोच और ब्रांडेड कैटरिंग की खूबियां होंगी। बता दें रेलवे बोर्ड ने हाल ही में अमृत भारत और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के नियमों में बदलाव किया है। 9 फरवरी को जारी नए आदेश में उक्त प्रीमियम ट्रेनों में भी इमरजेंसी कोटा की सुविधा बहाल कर दी गई है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में इन ट्रेनों में केवल लेडीज, सीनियर सिटीजन और दिव्यांग कोटा ही रखा गया था ताकि टिकट प्रणाली पारदर्शी रहे, लेकिन यात्रियों की भारी मांग और आपातकालीन जरूरतों को देखते हुए अब इसे लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग ट्रेनों और श्रेणियों के लिए बर्थ की संख्या तय की गई है। अमृत भारत एक्सप्रेस में यह कोटा उन ट्रेनों में लागू होगा जिनमें सात या उससे ज्यादा स्लीपर कोच हैं। इनमें स्लीपर क्लास में प्रति ट्रेन 24 बर्थ इमरजेंसी कोटा के लिए आरक्षित हैं। वहीं, वंदे भारत स्लीपर कोच की श्रेणी के आधार पर बर्थ के आवंटन की व्यवस्था है। इसमें सामान्य दिनों और सप्ताहांत के आधार पर कोटे की बर्थ का प्रावधान है। वंदे भारत स्लीपर में एसी-1 में 4 से 6 बर्थ, एसी-2 में 20 से 30 बर्थ, एसी-3 में 24 से 42 बर्थ आरक्षित होंगी। ये सीटें तब तक खाली रहती हैं जब तक चार्ट तैयार नहीं हो जाता। यदि कोई इमरजेंसी रिक्वेस्ट नहीं आती, तो ये सीटें वेटिंग लिस्ट वाले सामान्य यात्रियों को आवंटित कर दी जाती हैं। इस कोटे की बर्थ को मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक कारण, सरकारी ड्यूटी और अन्य नौकरी के इंटरव्यू या बहुत ही अहम आधिकारिक कार्य के तहत दी जाती हैं।

बिहार के गोपालगंज में ढलाई के दौरान ध्वस्त हुआ करोड़ों का निर्माणाधीन पुल

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार में पुल गिरने की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गोपालगंज जिले से सामने आया है, जहाँ एक निर्माणाधीन पुल ढलाई के दौरान अचानक भरभराकर गिर गया। सिधवलिया प्रखंड के गंगवा गांव में घोघारी नदी पर बन रहा यह आरसीसी पुल उस वक्त ध्वस्त हो गया जब काम जोरों पर था। लगभग 29 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण करीब 2 करोड़ 89 लाख 21 हजार रुपये की भारी-भरकम लागत से कराया जा रहा था। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय वहां मौजूद मजदूर इसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, जिससे एक बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया। चश्मदीदों के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और पुल के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा नीचे की ओर धंसने लगा। देखते ही देखते पूरा ढांचा धराशायी हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कमजोर सरिया और गुणवत्ताहीन सीमेंट के कारण ही पुल ढलाई का बोझ भी नहीं सह पाया और उद्घाटन से पहले ही गिर गया। लोगों ने निर्माण एजेंसी के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला और इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची और फिलहाल निर्माण कार्य को पूरी तरह रोक दिया गया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में पुल गिरने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भागलपुर में सुल्तानगंज- अगुवानी घाट पुल का दो बार गिरना और अररिया जिले में उद्घाटन से पहले पुल का ध्वस्त होना जैसे मामले निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी निगरानी तंत्र की विफलता की गवाही देते रहे हैं। बार-बार हो रहे इन हादसों ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

युद्ध की भीषण मार: खाड़ी देशों में फंसे हजारों भारतीय, मिसाइलों के साये में जीने को मजबूर

देहरादून (एजेंसी)। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी विनाशकारी जंग का सबसे खौफनाक मंजर खाड़ी देशों में देखने को मिल रहा है। इस युद्ध की सीधी मार वहां रह रहे हजारों प्रवासी भारतीयों पर पड़ रही है, जो इस समय दहशत और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। खाड़ी देशों, विशेषकर दुबई और अबूधाबी में आसमान से गिरती मिसाइलें, कान फाड़ देने वाले धमाके और मोबाइल फोन पर लगातार बजते वॉर अलर्ट के सायरन ने लोगों की रातों की नींद उड़ा दी है। हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए हफ्तों का राशन जमा कर घरों में कैद होने को मजबूर हैं।

दुबई और अबूधाबी जैसे आधुनिक शहरों से जो तस्वीरें और खबरें सामने आ रही हैं, वे रूह कंपा देने वाली हैं। वहां रह रहे भारतीयों ने बताया कि पाम जुमेराह जैसे पॉश इलाकों में धमाकों के बाद अफरा-तफरी का माहौल है। चम्पावत के रहने वाले नवीन सिंह बोहरा ने अबूधाबी से अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी लाइव जंग नहीं देखी। उनके फ्लैट के ठीक ऊपर से मिसाइलें गुजर रही हैं और जमीन से टकराते ही धरती हिल जाती है। आसमान में छाये काले धुएं के गुबार को देखकर लोग डरे हुए हैं। टिहरी और डोबरा-चांटी के प्रवासियों ने बताया कि शनिवार की रात सबसे खौफनाक थी, जब उन्हें कई बार अपनी इमारतों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा। युद्ध के कारण दैनिक जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। डिपार्टमेंटल स्टोरों पर राशन, दवाइयों और पानी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। कई जगहों पर सब्जियों और बुनियादी सामान की भारी किल्लत हो गई है। कंपनियों ने अपनी साइट्स पर काम रोक दिया है और मजदूरों को सुरक्षित कैंपों में भेज दिया है। सबसे ज्यादा चिंता ईरान में फंसे भारतीयों को लेकर है, क्योंकि वहां इंटरनेट सेवाएं बंद होने के कारण परिजनों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। हरिद्वार और देहरादून के दर्जनों छात्र और परिवार ईरान में फंसे हुए हैं, जिनसे पिछले 24 घंटों से कोई बात नहीं हो पाई है, जिससे उनके माता-पिता और सगे-संबंधी गहरे सदमे में हैं। इस वैश्विक संकट के बीच उत्तराखंड सरकार ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राज्य की विशेष सचिव (गृह) निवेदिता कुकरेती ने बताया कि सरकार घटनाक्रम पर लगातार नजर रख रही है और केंद्र सरकार के निर्देशों का इंतजार किया जा रहा है। फिलहाल, राज्य का गृह मंत्रालय उन सूचनाओं और कॉल्स का डेटा जुटा रहा है जो सहायता के लिए आ रही हैं। विदेशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा और उनकी वापसी का मामला प्राथमिक रूप से केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के अधीन है। प्रभावित परिवार फिलहाल विदेश मंत्रालय के पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज करा रहे हैं और अपनों की सुरक्षित घर वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं।

सहायक क्षेत्र और बाजार तक पहुंच को मिल रही मजबूती, भारत के पशुधन और मत्स्य पालन क्षेत्र में आ रहा बदलाव

बिहान भारत

भारत में खेती की विकास को पशुधन, डेयरी, पोल्ट्री और मछली पालन जैसे जुड़े हुए क्षेत्रों के बढ़ने से तेजी से मदद मिल रही है। ये क्षेत्र खेती के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) और ग्रामीण रोजगार में बड़ा योगदान देने वाले बन गए हैं। पिछले दशक में, खेती और जुड़े हुए सेक्टर में लगातार 3-5% सीएजीआर देखा गया है, जिसे बड़े सरकारी प्रयासों, निजी क्षेत्र के नवाचार और बड़ी घरेलू मांग से बढ़ावा मिला है। अनुमान है कि 2047 तक, यह क्षेत्र शायद तीन गुना बढ़ सकता है, जिससे भारत के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भले ही, गांवों में आजीविका ज्यादातर खेती पर ही आधारित है, लेकिन जमीन के इस्तेमाल में बदलाव, मौसम में बदलाव और आय की अनिश्चितता ने परिवारों को आय के अतिरिक्त स्त्रोत अपनाने के लिए बढ़ावा दिया है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए, विविधीकरण मौसमी आय में उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करने और ज्यादा स्थिर कमाई सुनिश्चित करने का एक जरूरी तरीका बन गया है।

विविधीकरण में खेती, जुड़े हुए और गैर-कृषि कार्यों से होने वाली इनकम शामिल है ताकि जोखिम कम हो और घरेलू खपत आसान हो। खेती से दूर जाने के बजाय, यह एक ज्यादा एकीकृत और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दिखाता है जहां खेती केंद्र में रहती है लेकिन इसे आजीविका के कई विकल्प मिलते हैं। सहकारिता, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) जैसे मजबूत संस्थानों ने क्रेडिट, प्रौद्योगिकी और संगठित बाजार तक पहुंच को बेहतर बनाया है, जिससे छोटे उत्पादक मूल्य श्रृंखला से बेहतर तरीके से जुड़ पाए हैं।

पशुधन और मछली पालनः ग्रामीण आय विविधीकरण और वृद्धि के कारण

खेती से जुड़े कामों में, पशुधन और मछली पालन ने लगभग 5-6 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि दर दिखाई है, जो ग्रामीण आय पैदा करने में उनके रणनीतिक महत्व को दिखाता है। उनका आर्थिक महत्व नियमित और तुलनात्मक रूप से अनुमानित नकदी प्रवाह पैदा करने में है। दुग्ध उत्पादन से नियमित दूध की बिक्री से लगातार आय होती है, जबकि मछली पालन से कई उत्पादन चक्र मुमकिन होते हैं, जिससे लगातार रोजगार के मौके मिलते हैं। इसके अलावा, डेयरी पर आधारित ग्रामीण परिवार आमतौर पर खाने और चारे के लिए फसल की खेती को पशुधन पालन के साथ मिलाते हैं, जिससे संसाधन का सर्कुलर इस्तेमाल मुमकिन होता है और बाहरी इनपुट पर निर्भरता कम होती है। इस तरह के विविधीकरण से आय के एक ही स्त्रोत पर निर्भरता कम होती है और मौसमी और बाजार के झटकों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 24 के बीच, इस क्षेत्र का सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) लगभग 195 प्रतिशत बढ़ा, जो मौजूदा कीमतों पर 12.77 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) दिखाता है। आम बजट 2026-27 में, पशुपालन और डेयरी विभाग को 6,153.46 करोड़ दिए गए हैं, जो वित्त वर्ष 2025-26 के ?5,302.83 करोड़ से 16 प्रतिशत ज्यादा है। यह बढ़ोतरी आय के विविधीकरण और आजीविका की मजबूती में सेक्टर की भूमिका को दिखाती है, जिसे नस्ल सुधार, पशु चिकित्सा इंफ्रास्ट्रक्चर और बीमारी कंट्रोल में निवेश से समर्थन मिलता है।

पशुधन और मछली पालन में भारत एक वैश्विक लीडर

भारत दूध उत्पादन में दुनिया में सबसे आगे है और दुनिया भर में होने वाले कुल उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा यहीं से आता है। पिछले एक दशक में, इस क्षेत्र में 5.41 प्रतिशत की कंपाउंड सालाना ग्रोथ रेट दर्ज की गई है, जिसमें उत्पादन 2014-15 में 146.31 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 247.87 मिलियन टन हो गया है, जो 69.4 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्ध दिखाता है। इस लगातार बढ़ोतरी ने पोषण तक पहुंच को बेहतर बनाने में मदद की है, जो 2024-25 में हर दिन 485 ग्राम दूध की उपलब्धता में दिखता है, जो दुनिया भर के औसत 328 ग्राम से काफी ज्यादा है।

अंडे के उत्पादन में भारत दुनिया भर में दूसरे नंबर पर है। देश का उत्पादन 2014-15 में 78.48 बिलियन अंडों से बढ़कर 2024-25 में लगभग 149.11 बिलियन अंडों तक पहुंच गया है, जो एक दशक से ज्यादा समय में 6.63 प्रतिशत की कंपाउंड सालाना ग्रोथ रेट (सीएजीआर) दिखाता है। इस निरंतर विस्तार से पोषण तक पहुंच में सुधार हुआ है, जिससे प्रति व्यक्ति अंडे की उपलब्धता 2014-15 में 62 अंडे प्रति वर्ष से बढ़कर 2024-25 में 106 अंडे प्रति वर्ष हो गई है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। वित्त वर्ष 2013-14 में 9.58 मिलियन टन से वित्त वर्ष 2024-25 में आउटपुट बढ़कर 19.77 मिलियन टन हो गया है। यह वैश्विक उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है और 30 मिलियन से ज्यादा लोगों की आजीविका को

समर्थन देता है, जिससे यह ब्लू इकोनॉमी का एक अहम स्तंभ बनता है। तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जिनमें लगभग 4,434 मछली पकड़ने वाले गांव शामिल हैं, की उत्पादन में 72 प्रतिशत और सीफूड निर्यात में 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह क्षेत्र कृषि जीवीए में 7.43 प्रतिशतका योगदान देता है, जिसमें मुख्य मछली उत्पादों पर जीएसटी कम करने और घरेलू मांग और निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने जैसे नीतिगत उपाय शामिल हैं।

मीट प्रोडक्शन में भारत दुनिया भर में चौथे नंबर पर है। 2014-15 में उत्पादन 6.69 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 10.50 मिलियन टन हो गया है, जो 4.61 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) दिखाता है। कुल मिलाकर, ये संकेतक घरेलू और वैश्विक कृषि-खाद्य अर्थव्यवस्था में एक बड़े योगदानकर्ता के तौर पर भारत की अहम जगह की पुष्टि करते हैं।

पशुधन उत्पादकता के लिए नीतिगत हस्तक्षेप

भारत के पशुधन क्षेत्र का विस्तार राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम), राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम), और राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) जैसी पहलों के जरिए सरकार के खास दखल से हुआ है, जो उत्पादकता में सुधार, जानवरों की सेहत, नस्ल के विकास और पशुधन पर आधारित उद्यमशीलता पर जोर देते हैं। इन सभी पहलों ने मिलकर पशुधन व्यवस्था को मजबूत किया है, उत्पादकता के जोखिम कम किए हैं और ग्रामीण परिवारों के लिए पशुधन को आय का एक मजबूत और अलग-अलग तरह का स्त्रोत बनाया है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन पशुधन पर आधारित उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है, नस्ल की उत्पाकता में सुधार करता है, और मांस, अंडे, दूध और चारे का उत्पादन बढ़ाता है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन देसी गायों की नस्लों को बचाने, दूध की उत्पाकता बढ़ाने और गांव के किसानों के लिए दूध को ज्यादा फायदेमंद बनाने पर फोकस करता है।

राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) मवेशियों, भैंसों, भेड़ों, बकरियों और सूअरों को एफएमडी के खिलाफ 100% टीकाकरण और सभी मादा गाय के बछड़ों (4झ8 महीने) को ब्रूसेलोसिस के खिलाफ टीकाकरण के जरिए फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) और ब्रूसेलोसिस को नियंत्रित करने पर फोकस करता है।

कृत्रिम गभार्धान के जरिए जेनेटिक सुधार और कोने-कोने में सेवाओं की डिलीवरी

आरजीएम के तहत जेनेटिक सुधार के उपायों ने पशुधन सेक्टर में उत्पादकता से होने वाली वृद्धि को मजबूत किया है, जैसा कि नीचे बताया गया है:

- कुल 14.56 करोड़ कृत्रिम गभार्धान किए गए हैं, जिसमें 9.36 करोड़ जानवरों को कवर किया गया और 5.62 करोड़ किसानों को फायदा हुआ।
- लगभग 39,810 एमएआईटीआरआई कृत्रिम गभार्धान तकनीक के प्रशिक्षण ने लास्ट-माइल सर्विस डिलीवरी को मजबूत किया है।

इन उपायों से जेनेटिक फायदे तेजी से हुए हैं, दूध की पैदावार बेहतर हुई है और डेयरी से होने वाली आजीविका से आय की संभावना मजबूत हुई है।

पशु स्वास्थ्य को बेहतर और जोखिम कम करना

पशुओं की उत्पादकता और आय की स्थिरता बीमारी नियंत्रण के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। एनएडीसीपी के तहत, बड़े पैमाने पर टीकाकरण और निगरानी की कोशिशों से बीमारी के मामलों में काफी कमी आई है। 125.75 करोड़ से ज्यादा फुट एंड माउथ डिजीज (एफएमडी) के टीके लगाए गए और लगभग 26.27 करोड़ किसानों को फायदा हुआ। 2025 में टीकाकरण कवरेज को बढ़ाकर इसमें चरवाहे भेड़ और बकरियां भी शामिल की गईं।

- एफएमडी के मामले 2019 में 132 मामलों से तेजी से कम होकर 2025 में 6 मामले रह गए।
- ब्रूसेलोसिस के मामले जीरो हो गए हैं।

बीमारी के मामलों में कमी से उत्पादकता में होने वाले नुकसान में कमी आई है।

पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने से आजीविका में विविधता लाने में मदद मिली

जेनेटिक और स्वास्थ्य से जुड़े उपायों का मिला-जुला असर गोजातीय उत्पादकता में लगातार सुधार के रूप में दिखता है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी गोजातीय आबादी है और यहां मीट और पोल्ट्री उत्पादन में काफी बढ़ोतरी देखी गई है।

- देसी (लोकल) और गैर वगीर्कृत (मिश्रित नस्ल) मवेशियों की उत्पाकता 927 किग्रा प्रति जानवर प्रति साल (2014झ15) से बढ़कर 1,292 किग्रा (2023झ24) हो गई, जो 39.37 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।
- भैंसों की उत्पाकता 1,880 किग्रा से बढ़कर 2,161 किग्रा हो गई, जिसमें इसी समय के दौरान 14.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।
- गायों की औसत उत्पाकता 1,648.17 किग्रा (2013-14) से बढ़कर 2,079 किग्रा (2024-25) हो गई, जो 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

उत्पाकता में ये बढ़ोतरी दुनिया भर में सबसे ज्यादा दर्ज सुधारों में से एक है और डेयरी से होने वाली आजीविका से सीधे तौर पर आय को बढ़ाती है।

दूध की खरीद और प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाना

डेयरी कोऑपरेटिव के विस्तार ने छोटे किसानों को संगठित खरीद और प्रोसेसिंग प्रणाली में शामिल करके बाजार एकीकरण को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

डेयरी नेटवर्क में शामिल हैं:

- 22 मिल्क फेडरेशन, 241 जिला यूनियन, 28 मार्केटिंग डेयरियां,
- 25 दुग्ध उत्पादक संगठन (एमपीओ), जो लगभग 2.35 लाख गांवों और 1.72 करोड़ किसान-सदस्यों को कवर करते हैं।
- 31,908 दुग्ध सहकारी समितियां बनाई गई हैं, जो 17.63 लाख उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखला में जोड़ती हैं और रोजाना दूध की खरीद में 120.68 लाख किलोग्राम की बढ़ोतरी करती हैं।
- भारत 2028-29 तक दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता को मौजूदा 660 लाख लीटर प्रति दिन से बढ़ाकर 100 मिलियन लीटर प्रति दिन करने की योजना के जरिए मूल्य वर्धन को मजबूत कर रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा और खेती से होने वाली आय में इस क्षेत्र का योगदान मजबूत होगा।

पशुओं के लिए संस्थागत ऋण सहायता

सस्ते संस्थागत ऋण तक पहुंच, पशुओं और मछली पालन सेक्टर में आजीविका में विविधता लाने में मददगार रही है, जिससे उत्पादकों को गुजारे के काम से औपचारिक बाजार एकीकरण में बदलाव करने में मदद मिली है। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने, संपत्ति बनाने को बढ़ावा देने और अनौपचारिक ऋण चैनलों पर निर्भरता कम करने के लिए संबंधित कामों को काफी ऋण सहायता दी गई है। तथ्य और आंकड़े बताते हैं कि संबंधित खेती के कामों में ऋण की मांग पर संस्थागत प्रतिक्रिया मजबूत है।

पशुपालन में, 55.9 लाख आवेदनों में से 55.08 लाख की बहुत ज्यादा स्वीकृति दर, असरदार स्क्रीनिंग व्यवस्था और लगातार नीतिगत समर्थन को दिखाती है। 39.22 लाख आवेदनों को मंजूरी मिलना भी काफी ऋण प्रवाह का संकेत देता है, जो असल वित्तीय समर्थन में बदल जाता है।

भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए नीतिगत हस्तक्षेप

पिछले दशक में, भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र ने 8.74 प्रतिशत की लगातार औसत सालाना ग्रोथ रेट दर्ज की है, जिसमें कुल मछली उत्पादन 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 197.75 लाख टन हो गया है। इसी समय के दौरान 61.36 लाख टन से 151.60 लाख टन तक 147 प्रतिशत की बढ़ोतरी

के साथ, अंतदेर्शीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) इस बढ़ोतरी के मुख्य कारण रहे हैं।

आम बजट 2026-27 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए रिकॉर्ड 2,761.80 करोड़ (लगभग वरऊ332.75 मिलियन) दिए गए, जिससे नीली क्रांति (ब्लू रेवोल्यूशन) के तहत शुरू किए गए लगातार निवेश को मजबूती मिली और एक्वाकल्चर और सीफूड निर्यात में भारत की लीडरशिप मजबूत हुई। यह प्रगति गैर कृषि आजीविका विविधीकरण के अंदर, खासकर ग्रामीण और तटीय इलाकों में, मत्स्य पालन को एक मुख्य ग्रोथ इंजन के तौर पर दिखाती है।

डीप-सी और ऑफशोर फिशरीज भारत को वैश्विक सीफूड मूल्य श्रृंखला में और एकीकरण करती है, जिससे इस क्षेत्र की आर्थिक और खाद्य सुरक्षा की अहमियत और मजबूत होती है। इस एकीकरण को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसावाई) और प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के तहत खास हस्तक्षेप के जरिए और मजबूत किया गया है, जिसके तहत सीफूड निर्यात 2013-14 में ?30,213 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ?62,408 करोड़ हो गया है, और यह 130 से ज्यादा देशों तक पहुंच रहा है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिकीकरण और मूल्य श्रृंखला को मजबूत करके मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देती है ताकि उत्पादन, निर्यात, नौकरियां और मछुआरों की आय बढ़े।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना (पीएम-केएसएसवाई), पीएमएमएसवाई की एक उप-योजना है। यह मछली पालने वालों के लिए आय सुरक्षा और स्थायित्व को बेहतर बनाने के लिए बीमा, ऋण, प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन और ट्रेसेबिलिटी के जरिए क्षेत्र को औपचारिक बनाने में मदद करती है।

मत्स्य पालन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और बाजार तक पहुंच को मजबूत करना

पीएमएसएसवाई के तहत, उत्पादकता में बढ़ोतरी के साथ-साथ बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया गया है ताकि कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और बाजार तक पहुंच को बेहतर बनाया जा सके।

- 27,189 मछली ढुलाई और हैंडलिंग इकाइयां बनाई गईं
- 6,733 मछली खुदरा बाजार और कियोस्क मंजूर किए गए
- 128 वैल्यू-एडेड एंटरप्राइज यूनिट्स को समर्थन दिया गया

इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को पूरा करने के लिए, फिशरीज एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ), जिसे 2018-19 में ?7,522.48 करोड़ के फंड के साथ लॉन्च किया गया था, फिशिंग हार्बर, लेंडिंग सेंटर, एक्वाकल्चर इकाइयों और कोल्ड-चेन लॉजिस्टिक्स को समर्थन देता है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए संस्थागत ऋण सहायता

मत्स्य पालन क्षेत्र में, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 6.83 लाख आवेदन मिले, जिनमें से 6.77 लाख स्वीकार किए गए। इनमें से 4.82 लाख आवेदन मंजूर किए गए, जिससे मांग को ऋण तक पहुंच में बदलने के संकेत मिलते हैं। वित्तीय समावेशन और कल्याण कार्यक्रम ने 4.39 लाख मछुआरों को केसीसी का फायदा दिया है, 3.3 मिलियन लाभार्थियों को बीमे का कवरेज दिया है, और मुश्किल समय में औसतन 7.44 लाख मछुआरे परिवारों को रोजी-रोटी में मदद दी है। ये उपाय दिखाते हैं कि लचीलापन बढ़ाने, आय में स्थायित्व लाने और संगठित बाजार के साथ एकीकरण को गहरा करने में औपचारिक ऋण की क्या भूमिका है।

समुद्री मछली पालन और ईईजेड संसाधनों का सतत शासन

भारत का 11,099 किमी से ज्यादा का बड़ा समुद्र तट और लगभग 24 लाख वर्ग किलोमीटर का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन (ईईजेड) 13 समुद्री राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मछली पकड़ने वाले समुदाय के 50 लाख से ज्यादा सदस्यों की आजीविका चलाता है। समुद्री मछली पालन ब्लू इकॉनमी का एक रणनीतिक हिस्सा है, जो निर्यात से होने वाली कमाई और राष्ट्रीय पोषण सुरक्षा में योगदान देता है।

पानी के संसाधनों का जिम्मेदारी से इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने ईईजेड और हाई सीज में मछली पालन के सतत इस्तेमाल के लिए नियम और गाइडलाइन (2025) अधिसूचित किए हैं, जिससे सतत और अंतर्राष्ट्रीय अनुपालन मानकों के साथ एक आगे की सोच वाला नियामकीय तंत्र बनाया गया है। विदेश में पकड़ी गई और निर्यात मानी जाने वाली मछलियों को ड्यूटी-फ्री दर्जा देने वाले नीतिगत उपायों का उद्देश्य कीमत वसूलना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है, जबकि ट्रेसेबिलिटी, स्थायित्व और अनुपालन सुरक्षा के दुरुपयोग को कम करते हैं। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) गुणवत्ता गुणवत्ता आश्वासन, बाजार की सहूलियत, क्षमता विकास और पारिस्थितिक प्रबंधन के जरिए टिकाऊ निर्यात वृद्धि को और मजबूत करती है, जिससे लंबे समय तक संसाधन सुरक्षा और आजीविका को मजबूती मिलती है।

मिशन-आधारित जलाशय विकास और मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला विस्तार

भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े अंतदेर्शीय जलाशय नेटवर्क में से एक है, जो लगभग 31.5 लाख हेक्टेयर में फैला है, जिसमें अंतदेर्शीय मत्स्य पालन को बढ़ाने की काफी संभावना है। मिशन अमृत सरोवर के तहत, भारत सरकार ने 68,827 अमृत सरोवरों के विकास में मदद की है, जिसमें मत्स्य पालन गतिविधियों के साथ एकीकृत 1,222 वॉटर बॉडीज शामिल हैं, जिससे फिश कल्चर, आजीविका विविधता और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने को बढ़ावा मिला है। खास तौर पर तटीय और अंतदेर्शीय इलाकों में मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला को और मजबूत करने के लिए 500 जलाशय और अमृत सरोवरों के विकास को एकीकृत करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप प्रस्तावित हैं। ये उपाय स्टार्टअप्स, महिलाओं के नेतृत्व वाले कलेक्टिव्स और मत्स्य पालक किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) को शामिल करके मार्केट लिंकेज और मूल्य वर्धन को मजबूत करने, समावेशी विकास, उद्यमशीलता और मत्स्य पालन आधारित सतत आजीविका को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं।

पशुधन और मछली पालन सेक्टर में डेटा आधारित संस्थागत सुधार

डेयरी सेक्टर में दक्षता, पारदर्शिता और उत्पादकों की भलाई के लिए डिजिटलीकरण एक जरूरी तरीका बन गया है। 12-डिजिट की विशेष पशुधन पहचान प्रणाली, पशु आधार की शुरूआत ने जानवरों की स्वास्थ्य, प्रजनन और सर्विस डिलीवरी ट्रांजैक्शन को दर्ज करने के लिए एक बुनियादी डिजिटल ढांचा बनाया है, जिससे किसानों और जानवरों के डॉक्टरों के लिए डेटा आधारित योजना और रियल-टाइम एक्सेस मुमकिन हुआ है।

जनवरी 2026 तक, भारत पशुधन पोर्टल पर 36.45 करोड़ से ज्यादा पशुधन पंजीकृत हो चुके थे। इसके साथ ही, ऑटोमैटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम (एएमसीएस) ने ऑटोमेटेड क्वालिटी टेस्टिंग और प्राइसिंग के जरिए खरीद में पारदर्शिता को बेहतर बनाया है, जिससे समय पर भुगतान सुनिश्चित होता है। इंटरनेट-बेस्ड डेयरी इन्फॉर्मेशन सिस्टम (आई-डीआईएस) यूनियनों और फेडरेशन के बीच डेटा को और एकीकृत करता है, जिससे प्रदर्शन की निगरानी मुमकिन होती है।

- 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित,
- एएमसीएस 26,000 से ज्यादा सहकारि समितियों को कवर करता है और 17.3 लाख उत्पादकों को फायदा पहुंचाता है।

मछली पालन में डिजिटल सुधारों में नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म (एनएफडीपी) शामिल है, जिसे 2024 में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के तहत लॉन्च किया गया था। एनएफडीपी मछुआरों और एंटरप्राइज के लिए डिजिटल पहचान और एक यूनिफाइड नेशनल डेटाबेस बनाता है, जिससे ऋण, बीमा, ट्रेसेबिलिटी और प्रदर्शन प्रोत्साहन तक पहुंच आसान हो जाती है। 28 लाख से ज्यादा हितधारक पंजीकृत हैं, 12 बैंक एक कॉमन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हुए हैं और 217 लोन बांटे गए हैं, यह प्लेटफॉर्म मछली पालन मूल्य श्रृंखला में फॉर्मलाइजेशन, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। ये डिजिटल प्लेटफॉर्म मिलकर बाजार एकीकरण को मजबूत कर रहे हैं, ट्रांजैक्शन कॉस्ट कम कर रहे हैं और आय की निश्चितता में सुधार कर रहे हैं।

सतत समुद्री और डेयरी अर्थव्यवस्थाः समावेशी विकास और एसडीजी को आगे बढ़ाना

भारत की समुद्री और डेयरी अर्थव्यवस्था, टिकाऊ रोजगार, पोषण सुरक्षा और समावेशी विकास के बुनियादी आधार हैं, जो सतत विकास के लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ जुड़े हुए हैं। एसडीजी 14 के साथ समुद्री संसाधनों का टिकाऊ प्रबंधन, खास तौर पर बहुत जरूरी है, क्योंकि भारत का ईईजेड 2 मिलियन वर्ग किलोमीटर से ज्यादा है, जिससे गहरे समुद्र और ऑफशोर मछली पालन का असरदार प्रबंधन जरूरी हो गया है ताकि ज्यादा इस्तेमाल को रोका जा सके, जैव विविधता को बचाया जा सके और खाने और रोजगार की सुरक्षा को सुरक्षित रखा जा सके।

इसके साथ ही, डेयरी क्षेत्र लगभग 150 मिलियन किसानों, खासकर छोटे किसानों की रोजगार को बनाए रखकर कई सोशल एसडीजी को आगे बढ़ाता है, जिससे गरीबी कम करने (एसडीजी 1), उत्पादक रोजगार (एसडीजी 8) और असमानता कम करने (एसडीजी 10) में मदद मिलती है। कुल मिलाकर, टिकाऊ मछली पालन और सबको साथ लेकर चलने वाला डेयरी विकास, मुख्य सतत विकास के लक्ष्यों में एक साथ और बराबर तरक्की को मजबूत करते हैं।

निष्कर्ष

डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र के जरिए आजीविका में विविधता लाने पर भारत के रणनिक जोर ने ग्रामीण परिवारों को गुजारे के लिए जरूरी उत्पादन से बाजार एकीकृत, व्यावसायिक रूप से फायदेमंद मॉडल में सफलतापूर्वक बदल दिया है। खेती से होने वाली आय बढ़ाने के अलावा, विविधतापूर्ण रोजगार पैदा करने, जोखिम कम करने और खाद्य प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है। भारत दूध उत्पादन में दुनिया का लीडर बनकर उभरा है और मछली और अंडा प्रोडक्शन में दूसरे नंबर पर है, जिसने झुंड का साइज बढ़ाए बिना ही उत्पादकता में काफी बढ़ोतरी हासिल की है। कोऑपरेटिव, किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के बढ़ने से बाजार एकीकरण गहरा हुआ है, जिससे छोटे उत्पादकोंको बेहतर मोलभाव करने की ताकत और व्यवस्थित मूल्य श्रृंखला मिली हैं।

पशु आधार और नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के इस्तेमाल के साथ-साथ किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के बढ़ने से पारदर्शिता बढ़ी है, ट्रांजैक्शन कॉस्ट कम हुई है, और ग्रामीण उत्पादकों को जरूरी तरलता मिली है। ये क्षेत्र महिलाओं और छोटे किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण, बड़े पैमाने पर आजीविका को समर्थन देने और गरीबी कम करने और पर्यावरण की देखभाल के लिए वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ तालमेल बिठाने के लिए बहुत जरूरी हैं। उत्पादकता से होने वाले विकास, संस्थागत समर्थन और तकनीक नवाचार के मेल से एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था बनी है जो मौसमी और बाजार के झटकों को झेलने में सक्षम है और साथ ही देश की पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है।

टी20 वर्ल्ड कप: 39 साल पुरानी हार का बदला लेगा भारत, इंग्लैंड को हराकर पहुंचेगा फाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए खास है, क्योंकि ये लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टकरा रही हैं। भारतीय टीम के पास इस बार पुराने अनुभव और हार का बदला लेने का मौका है, जबकि इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में टॉप करके अपनी ताकत साबित की है। फैंस के लिए यह मुकाबला इतिहास और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा संगम साबित होगा।

इतिहास की यादें और बदला लेने का मौका

वानखेड़े स्टेडियम क्रिकेट इतिहास में कई यादगार मैचों की गवाह रहा है। खासतौर पर 5 नवंबर 1987 को हुए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय भारत डिफेंडिंग चैंपियन था और घरेलू फैंस की उम्मीदें आसमान छू रही थीं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की टीम इंग्लैंड के 254 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 219 पर ऑलआउट हो गई थी। यह हार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई थी। अब, 39 साल बाद वही मैदान और वही टीमें, लेकिन टी20 फॉर्मेट में, टीम इंडिया इस पुरानी हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीमों की फॉर्म और सेमीफाइनल तक का सफर

इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर-8 में अपनी पकड़ मजबूत रखी। वहीं, भारत ने सुपर-8 राउंड को दूसरे स्थान पर खत्म किया। भारतीय टीम ने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को हराकर आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल नहीं, बल्कि भारत के लिए एक पुरानी हार की भरपाई और फाइनल की टिकट सुनिश्चित करने का अवसर है।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन इस मैच की कुंजी होगी। रोहित शर्मा की कप्तानी, युवा खिलाड़ियों का उत्साह और अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव टीम को जीत की ओर ले जा सकता है। वहीं, इंग्लैंड की तेज़ और रणनीतिक बल्लेबाजी भी भारतीय टीम के लिए चुनौती पेश करेगी।

मुकाबले का महत्व और भविष्य की संभावनाएं

इस सेमीफाइनल का नतीजा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में प्रवेश का रास्ता तय करेगा। भारतीय टीम अगर जीतती है, तो इतिहास की पुरानी हार का बदला लेते हुए फाइनल में कदम रखेगी। वहीं, इंग्लैंड अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए भारतीय चुनौती को मात देने की कोशिश करेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

-घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

कोलकाता (एजेंसी)। संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है।

इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं।

सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दैरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।'

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें। ' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।'शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई (एजेंसी)। खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते पर हमारा ध्यान खेल पर ही रहेगा।

डेनमार्क में लगभग एक करोड़ 8 लाख में नीलाम हुआ पहले ओलंपिक का पदक

कोपेनहेगन ।डेनमार्क में एक नीलामी में आधुनिक ओलंपिक खेलों के पहले मेडल को लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये यूरो में बेचा गया है। 'ब्रून रासमुसेन आर्ट्स ऑक्शनियर्स 'द्वारा आयोजित नीलामी में इस पदक को बिक्री के लिए रखा गया था, जो 1896 में एथेंस में आयोजित दुनिया के पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में प्रदान किया गया था। उन खेलों में, पहले स्थान पर आने वाले विजेताओं को रजत पदक (सिल्वर मेडल) दिए गए थे, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वालों को कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) प्रदान किए गए थे। स्वर्ण पदक बाद के ओलंपिक खेलों में दिया जाने लगा था।प्रसिद्ध फ्रांसीसी कलाकार जूल्स-क्लेमेंट चैपलैन द्वारा उकेरा गया यह पदक शास्त्रीय प्रतीकों से समृद्ध है।पदक के सामने के हिस्से पर फूल-पत्तों के मुकुट से सुसज्जित यूनानी देवता ज़्यूस का चित्र है, जिन्होंने अपने हाथ में एक ग्लोब पकड़ा हुआ है, जिसके ऊपर विजय की देवी नाइकी जैतून की टहनी लिये खड़ी हैं।पहले आधुनिक ओलंपिक में 14 देशों के 241 एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने नौ खेलों और 43 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा की थी।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है।साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे।गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है।सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी।न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे।इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है।टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं।उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा।उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया।केवल सामान्य शॉट ही लगाये।मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है।जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है।वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है।उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

-एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ (एजेंसी)। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेता जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई ।भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं।पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है।पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये।उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है।वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये।उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए।उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा।उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा।ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था।भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये।पुजारा ने बल्लेबाज फखर ज़मान टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले साहिबज़ादा फरहान की भी प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि पाक की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा पर वर्तमान में टीम काफी रक्षात्मक है।

ईरान का फुटबॉल विश्व कप में खेलना संदिग्ध

तेहरान।ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं।मेहदी ताज ने कहा, 'निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।' अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए।ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है।विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं।इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा।विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

तीरंदाज अंकिता भकत की नजरें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर लगी

नई दिल्ली ।तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं।अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं।इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं।उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है।पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को भी हाल में हराया था, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की।ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं।अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी।लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया।2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं।2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं।अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं।कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर रहना तय, लक्ष्य सेन पर होगी नजर

हैदराबाद (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी।

भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है।

महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्केल और डेल्फिन डेलरू से होगा। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑल इंग्लैंड का खिताब जीता है। हाल के वर्षों में केवल साइना नेहवाल (2015 उपविजेता) और लक्ष्य (2022 उपविजेता) ही इसके करीब पहुंच पाए।

होली पर्व को लेकर तालझारी थाना में हुई शांति-समिति की बैठक

प्रेम व उत्साह के साथ मनाएं रंगों का त्यौहार होली

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । रंगों का पर्व होली को लेकर सोमवार को तालझारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक की अध्यक्षता तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने किया। वहीं बैठक में मुख्य रूप से राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन मौजूद थे। वहीं बैठक में दोनों समुदाय के लोगों ने भाग लिया। वहीं सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने लोगों से रंगों का त्यौहार होली पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों से होलिका दहन को लेकर संबंधित जानकारी ली। उन्होंने लोगों से प्रेम व उत्साह के साथ रंगों का त्यौहार होली मनाने की अपील की। वहीं राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। लोग रंग गुलाल के साथ त्योहार मनाते हैं लेकिन इसमें किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहूंचना चाहिए। सौहार्द के साथ होली का पर्व मनाया जाना चाहिए। पुलिस हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखेगी। शांति के साथ होली मनाने में पुलिस को सहयोग करें ताकि पुलिस सभी लोगों को सुरक्षा प्रदान कर सकें। कहा किसी की इच्छा के विरुद्ध जबरन रंग नहीं देने पर आम आदमी ध्यान रखें। वहीं थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा कि लोगों से शांति और प्रेमपूर्वक होली मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रंग खेलना खुशी का प्रतीक है, लेकिन किसी के साथ जबरदस्ती न किया जाए, सभी को स्वेच्छा से होली मनानी चाहिए। कहा सोशल मीडिया में कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट करने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऐसा करने वालों के साथ प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगी। साथ ही कहा कि पर्व के दौरान पुलिस टीम के द्वारा लगातार क्षेत्र में गश्ती जारी रहेगी। वहीं शांति समिति बैठक के उपरांत थाना परिसर में होली मिलन समारोह हुआ। इसमें हिंदू और मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा कर आपसी एवं भाईचारे का संदेश दिया। मौके पर एसआई ब्रजेश कुमार, रामसिंह बारपे, एएसआई अनिल कुमार दुबे, चिन्टू कुमार, महानंद ओझा, प्रदुमन साह, दुर्गा किस्कू, कपुरचंद तुरी, बजरंगी महतो, मो. जहांगीर अंसारी, बंबम मंडल, हरजोत महतो, अशोक मंडल सहित क्षेत्र के गणमान्य व बुद्धिजीवी लोग मौजूद थे।

आगलगी से नगदी समेत लाखों का हुआ नुकसान

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत अंतर्गत यार मोहम्मद टोला में सोमवार को आगलगी की घटना में दो मंजिला मकान में रखा लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मोजीबुर रहमान के मकान के बाहर जलावन के पाले में किसी बच्चे द्वारा आग जलाए जाने से चिंगारी भड़क उठी। तेज हवा के कारण आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया और किसी तरह मकान की दूसरी मंजिला घर के भीतर प्रवेश कर गई। जिससे घर के अंदर आग लग गई। आग लगते ही दूसरी मंज़िल में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। इस आगलगी में घर में रखा नगद 5 लाख 45 हजार, लगभग 2 लाख 70 हजार मूल्य के सोने के आभूषण, 14 मन राई, धान, कपड़े, फर्नीचर एवं अन्य कीमती घरेलू सामग्री पूरी तरह स्वाहा हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन एवं दमकल विभाग को अवगत कराया गया। दमकल कर्मियों तथा ग्रामीणों की तत्परता से आग पर काबू पाया गया। जिससे आस-पड़ोस के मकानों को बचा लिया गया। अन्यथा नुकसान और भी व्यापक हो सकता था। आगलगी के बाद पीड़ित परिवार लाचार और मजबूर है। खाने- पीने का अनाज, कपड़े और जरूरी सामान सब कुछ जल जाने से परिवार पर गंभीर आर्थिक संकट आ खड़ा हुआ है। वहीं अग्नि पीड़ित परिवार ने अंचल प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

11 परीक्षा केंद्रों में कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में हुई आठवीं बोर्ड की परीक्षा

बीपीओ अटल बिहारी भगत ने परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

उधवा । झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा आयोजित आठवीं बोर्ड की परीक्षा सोमवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के 11 परीक्षा केंद्रों में कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न हुई। दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम पाली में हिंदी, अंग्रेजी एवं अतिरिक्त विषय की परीक्षा हुई। जबकि द्वितीय पाली में गणित,विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा हुई। आठवीं बोर्ड की परीक्षा में कुल 4189 में से 4016 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि 173 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। इस दौरान बीपीओ अटल बिहारी भगत ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों से आवश्यक जानकारी ली तथा कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। वहीं बीपीओ अटल बिहारी भगत चीने बताया कि राजकीय मध्य विद्यालय में 488 में से 471 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मध्य विद्यालय केलाबाड़ी में 109 में से 107 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। उत्क्रमित उच्च विद्यालय आतापुर में 209 में से 206 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में 617 में से 598 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 19 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर दियारा में 499 में से 435 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 64 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। उत्क्रमित मध्य विद्यालय उर्दू इंग्लिश में 439 में से 428 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। उच्च विद्यालय फुदकीपुर में 550 में से 542 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 8 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। प्लस टू उच्च विद्यालय राधानगर में 510 में से 503 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 7 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मध्य विद्यालय राधानगर में 235 में से 228 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 7 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मध्य विद्यालय सुतियारपाड़ा में 132 में से 126 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 6 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। वहीं मध्य विद्यालय फुदकीपुर में कुल 401 में से 372 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 29 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मौके पर केंद्राधीक्षक नुसरत जहां, ओमप्रकाश आर्य, शिक्षिका नादिरा खातून, खुशबू कुमारी, शिक्षक अनिल प्रमाणिक, युगल चंद्र झा, मैनुल हक, हबीबुर रहमान, नाईम अख्तर सहित अन्य मौजूद थे।

कबीर सत्संग : मनुष्य को अच्छे कर्मों का फल उनके जीते जी ही मिलता है : महंत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । फागुन पूर्णिमा के अवसर पर साहेबगंज गांधी चौक के समीप कबीर आश्रम में एक दिवसीय सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया। वहीं सत्संग में आसपास के राज्यों से संत महात्मा बैरागी साध्वी ने सा लिया सत्संग में लोगों को श्रोताओं को वक्तव्य के रूप में संबोधित करते हुए सत्संग के मुख्य वक्ता महंत मुक्लाल साहिब बिहार राज्य के भागलपुर जिला कहलगांव आश्रम से आए हुए महंत मुखलाल बाबा ने कहा हर व्यक्ति किसी न किसी लक्ष्य की ओर भाग रहा है कभी सफलता कभी मान सम्मान और कभी उसे भविष्य की ओर जिसे वह अपने प्रिय जनों के लिए सुरक्षित बनाना चाहता है या दौड़ मानव जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है क्योंकि प्रयास संघर्ष और परिश्रम ही प्रगति के मूल्य आधार है। लेकिन समस्या तब जन्म लेती है जब दाऊद जीवन का साधन न होकर स्वयं जीवन का उद्देश्य बन जाता जाती है सफलता के पीछे भागते-भागते हम अक्सर भूल जाते हैं कि जीवन का असली मूल्य गति में नहीं संतुलन में है तेज दौड़ आपको आगे पहुंचा तो शक्ति है पर यह तभी सार्थक है जब आपके भीतर शांति भी हो हर जीवों के पीछे किसी के त्याग की कहानी होती है जैसे की माता-पिता अपनी जगह अपने बच्चों के सपनों को प्राथमिकता देते हैं संवेदना अगली पीढ़ी के मन में बनी रहे यही असली विरासत है। मौके पर संत आरती साध्वी संत महावती, साध्वी महंत रामानंद साहब, महंत गोपाल साहब, महंत बुक लाल साहब, महंत मसूदन, साहब संत दिनेश साह, बी संत वेदानंद साहब, संत धनराज साहब, संत गणेश दास, संत रामचंद्र साहब, संत जोगिंदर साहब, संत गीता दर्शन, संत बखरिया सदरी, संत द्रोपदी, साध्वी संत उषा, साध्वी संत अरुण, संत ऋण दासीन ऐसे दर्शन संत महात्मा और साध्वी ने सत्संग में हिस्सा लिया सत्संग के बाद एक दूसरे को अभी गुलाल लगाकर विश्व शांति राज्य शांति और अपने जिले का विकास का कामना करते हुए परमात्मा ईश्वर और प्रकृति से प्रार्थना की आश्रम में एक दिवसीय सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया। वहीं व्यवस्थापक महंत शंकर दास एवं समस्त संत परिवार की ओर से किया गया।

रेलवे में पालिंग के दौरान खंबे से गिरे मजदुर, घायल

तालझारी(बिभा) । मालदा रेल खंड के तालझारी-करणपुरातो रेलवे स्टेशन के बिचो बिच बागजोरी पुल के समीप रेलवे का चल रहे पालिंग का काम करने के दौरान एक मजदुर गिरकर घायल हो गया। जिसके बाद वहां काम कर रहे सहयोगियों ने आनन फानन में उठा कर इलाज हेतु समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी लाया। जहां मौजूद डॉक्टर पिंकू चौधरी ने इलाज किया। वहीं घायल मजदुर कि पहचान फरक्का सोलो माइल निवासी कादीर शेख के रूप मे बताया। वहीं घायल मजदूर कादीर शेख ने बताया कि तालझारी-करणपुरातो रेलवे स्टेशन के बिचो बिच बागजोरी पुल के पास पालिंग का काम करने के दौरान खंबा से गिर गये कहा कमर में गंभीर चोट है।

संक्षिप्त खबरें

निर्माणाधीन सड़क के गड्ढे में गिरकर युवक घायल

राजमहल(बिभा) । राजमहल नगर पंचायत क्षेत्र के फुलवाड़िया इलाके में निमार्णाधीन फोरलेन सड़क पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी का एक गंभीर मामला सामने आया है। रविवार की रात एक बाइक सवार युवक सड़क पर बने गड्ढे में जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया ।वही मिली जानकारी के अनुसार, लखीपुर गांव निवासी अजधानी शेख (27) अपनी पल्सर बाइक से राजमहल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कामू बिल्डिंग के पास सड़क चौड़ीकरण के लिए की गई खुदाई अंधेरे में उन्हें दिखाई नहीं दी। बाइक अचानक गहरे गड्ढे में जा गिरी, जिससे युवक सड़क पर जा गिरा और उसे गंभीर चोटें आईं। साथ ही स्थानीय लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर न तो पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था थी और न ही आसपास रेडियम बैरिकेडिंग या चेतावनी के कोई संकेत लगाए गए थे। घायल अजधानी शेख का कहना है कि सुरक्षा के प्रति यह लापरवाही पहले भी हादसों का कारण बन चुकी है। वही आसपास के राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से युवक को तुरंत अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉ. सादिक अंसारी ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

मिनी ट्रक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

दुमका(बिभा)। जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग पर नोनीहाट चौक के समीप सोमवार को एक सड़क हादसे में 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा कच्ची मिर्च से लदे एक मिनी ट्रक (जेएच 04 ऐसी 0701) की चपेट में आने से हुआ। मृतक की पहचान नोनीहाट पंचायत के मोहबनना गांव निवासी जागेश्वर मांझी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे प्रतिदिन की तरह नोनीहाट बाजार से अपने घर मोहबनना जा रहे थे। इसी दौरान दुमका की ओर से आ रही तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से घायल जागेश्वर मांझी को बेहतर इलाज के लिए दुमका ले जाया जा गया। जहां ईलाज के दौरान मौत हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना प्रभारी अजीत कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। मृतक के परिजनों ने थाना में लिखित आवेदन देकर आश्रित को उचित मुआवजा देने एवं मिनी ट्रक चालक के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इटली के दंपत्ति ने बालिका गृह से एक बालिका को गोद लिया

रामगढ़(बिभा)। इटली के दंपति ने एक अनाथ बच्ची को गोद लेकर उसकी दुनिया बदल डाली। रामगढ़ जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से सोमवार को गैर सरकारी संस्था डिवाइन ओंकार मिशन के बालिका गृह से 12 वर्षीय बालिका ज्योति कुमारी को इटली निवासी दंपत्ति क्लाउडिया पेद्रिनी एवं उनकी धर्मपत्नी डोमिंगा सेल्विनी द्वारा विधिवत गोद लिया गया। इस अवसर पर डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने बालिका को दंपत्ति को सौंपते हुए उनसे एवं बालिका से आत्मीय बातचीत की। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। डीसी ने कहा कि विधिसम्मत दत्तक ग्रहण प्रक्रिया बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान डीडीसी आशीष अग्रवाल, गोपनीय प्रभारी रविंद्र कुमार गुप्ता, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा शंकर प्रसाद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी शांति बागे, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी रंजीत कुमार साहू सहित संबंधित अधिकारी एवं डिवाइन ओंकार मिशन के कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने 17 जनकल्याणकारी योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सोमवार को नारायणपुर प्रखंड परिसर में जिला योजना असंबंधित (अनटाइड) निधि के तहत 17 जनकल्याणकारी योजनाओं का एक साथ ऑनलाइन शिलान्यास किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अंसारी ने कहा कि जामताड़ा जिले को पहले अनटाइड फंड के तहत दो करोड़ रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 12 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस राशि को 24 करोड़ रुपये तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जिले में विकास कार्यों को और गति मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने नारायणपुर में हाई-टेक अस्पताल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने की योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को अनुमंडल का दर्जा दिलाने की दिशा में भी प्रयास जारी है, जिससे प्रशासनिक सुविधा और विकास को मजबूती मिलेगी।

डॉ. अंसारी ने बताया कि बजट सत्र के कारण अलग-अलग गांवों में जाकर योजनाओं का शिलान्यास करना संभव नहीं था। विकास कार्यों में विलंब न हो, इसलिए सामूहिक रूप से ऑनलाइन आधारशिला रखी गई। उन्होंने आश्वस्त किया कि सत्र समाप्त होने के बाद क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

इन 17 योजनाओं में सड़क निर्माण, भवन निर्माण, सामुदायिक आधारभूत संरचना तथा अन्य विकास कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दीपिका बेसरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी विकास कार्यों को गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अपराधियों ने बैंक में डकैती के लिए गार्ड पर की फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

गोड्डा। बैंक ऑफ इंडिया की केंचुआ चौक, महागामा शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने डकैती का प्रयास किया गया। हालांकि बैंक के निजी सुरक्षा गार्ड की सतर्कता के कारण अपराधी अपने मंसूबे में सफल नहीं हो सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना लगभग सुबह 11.30 बजे की है। हेलमेट और मास्क पहने करीब पांच से छह अपराधी बैंक परिसर में पहुंचे। एक व्यक्ति हेलमेट पहनकर बैंक के अंदर प्रवेश किया। गेट पर तैनात निजी सुरक्षा गार्ड विनोद सिंह ने उससे हेलमेट हटाने को कहा, जिस पर वह उलझ गया। देखते ही देखते दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान अपराधी ने गार्ड पर गोली चला दी, जो उनके बाएं कंधे में जा लगी। गोली लगते ही गार्ड जमीन पर गिर पड़े।

गोली चलने की आवाज से बैंक परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ग्राहक सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। स्थिति बिगड़ती देख अपराधी मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलते ही महागामा थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। बाद में एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद भी पहुंचे और घायल गार्ड को तत्काल रेफरल अस्पताल, महागामा पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने एक्स-रे जांच कराई, जिसमें गोली बाएं कंधे में फंसी पाई गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए देवघर स्थित एम्स देवघर रेफर किया गया।

पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। फुटेज में पांच अपराधी दिखाई दे रहे हैं, जिनके पास हथियार थे। वे घटना के बाद बाइक से बसुआ चौक की ओर भागते नजर आए। घटनास्थल से दो खोखा और एक चप्पल बरामद किया गया है।

पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में सघन जांच अभियान शुरू कर दिया है और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही घटना में शामिल आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चतरा में बीस की टायर फटने से स्लीपर बस पलटी, 12 यात्री घायल, पांच की हालत गंभीर

बिभा संवाददाता

चतरा। बिहार के गयाजी जिले के डुमरिया से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर जा रही एक स्लीपर बस झारखंड के चतरा जिले में अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा चतरा-डोभी मुख्य मार्ग पर मोरैंवा टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले एनएच-22 पर हुआ। बस (सीजी 13 क्यू 0805) का अगला टायर अचानक फटने से दुर्घटना हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी। बस में सफर कर रहे यात्री अनुज कुमार ने बताया कि घाटी क्षेत्र में पहुंचते ही बस का अगला टायर ब्लास्ट कर गया, जिसके बाद चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे में करीब 12 यात्री घायल हो गए। कई यात्रियों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर की आशंका जताई जा रही है।

प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में किसी यात्री की मौत नहीं हुई है। गंभीर रूप से घायल पांच यात्रियों को चतरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक घायल को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है।

घायलों की पहचान जहानाबाद निवासी राकेश कुमार, गयाजी जिले के वजीरगंज निवासी रंधीर कुमार, डुमरिया के संजीत कुमार, चतरा के सुजीत कुमार, बगरा के कमलेश कुमार और जोरी के अमृत कुमार के रूप में हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए चतरा सदर अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

बताया गया कि उक्त बस डुमरिया से दोपहर 1:30 बजे रायपुर के लिए रवाना होती है और रानीगंज, शेरघाटी, डोभी व चतरा होते हुए अपने निर्धारित मार्ग पर चलती है। हादसे के समय भी बस अपने तय रूट पर ही थी। चतरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने बताया कि क्रेन की मदद से पलटी बस को सीधा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि मार्ग पर यातायात सामान्य किया जा सके। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच में जुटी है। प्रशासन ने घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

ट्रम्प का पहला सार्वजनिक बयान- ईरान पर हमले को ठहराया सही, बोले सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर संयुक्त अमेरिकी-इजराइली हमलों के बाद पहली बार सार्वजनिक बयान देते हुए सैन्य कार्रवाई को सही ठहराया है। सोमवार को वाइट हाउस में दिए संबोधन में ट्रम्प ने कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा था।

उन्होंने कहा, यह हमारे पास आखिरी और सबसे अच्छा मौका था, जिससे हम इस खतरनाक शासन से पैदा हो रहे खतरे को खत्म कर सकते थे। ट्रम्प के मुताबिक यह जंग चार से पांच सप्ताह तक चल सकती है, हालांकि अमेरिका के पास इससे अधिक समय तक कार्रवाई करने की क्षमता भी है।

ईरान का खतरा खत्म करना जरूरी था राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम उसके परमाणु हथियार कार्यक्रम को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार और लंबी दूरी की मिसाइलें होतीं, तो वह मध्य-पूर्व ही नहीं बल्कि अमेरिका के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता था।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका चाहता था कि यह खतरा पूरी तरह समाप्त हो और इस निर्णय में कई देशों का समर्थन भी मिला।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ऐसे मिसाइल विकसित कर रहा था, जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं।

उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में हुए कई हमलों, जिनमें सड़क किनारे लगाए गए बम शामिल हैं, के पीछे ईरान का हाथ रहा है। ट्रम्प ने जंग में मारे गए चार अमेरिकी सैनिकों का भी जिक्र किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह बयान उन्होंने वियतनाम और अफगानिस्तान युद्ध में शहीद सैनिकों के सम्मान समारोह के दौरान दिया।

पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने दावा किया कि जून में तीन ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि ईरान कहीं और परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू न करे। उनके अनुसार, इन ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया था, लेकिन ईरान ने अपनी कोशिशें जारी रखीं।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम तेजी से बढ़ रहा था और वह यूरोप व अमेरिकी ठिकानों तक पहुंचने में सक्षम हो सकता था। इससे पहले सीएनएन को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के खिलाफ अभियान का बिग वेव यानी सबसे बड़ा प्रहार अभी बाकी है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अभी अपनी पूरी ताकत नहीं लगाई है और आने वाले दिनों में कार्रवाई और तेज हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

रांची-वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस का हजारीबाग रोड स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ

धनबादः यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर सोमवार को विधायक नागेन्द्र महतो एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण द्वारा हजारीबाग रोड स्टेशन पर गाड़ी संख्या 20887 रांची-वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसके ठहराव का शुभारम्भ किया गया इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथिगण सहित मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। गाड़ी संख्या 20887 रांची-वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस 08.12 बजे हजारीबाग रोड स्टेशन पहुंचेगी एवं 08.14 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20888 वाराणसी-रांची वन्दे भारत एक्सप्रेस 20.17 बजे हजारीबाग रोड स्टेशन पहुंचेगी तथा 20.19 बजे प्रस्थान करेगी।

सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान समारोह का आयोजन

धनबादः धनबाद मंडल में फरवरी माह 2026 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया। इस माह में कुल 35 सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है। विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है। मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया। उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

आसनसोल में सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए ऑन डेट पेमेंट का हुआ आयोजन

आसनसोलः कार्मिक विभाग ने सोमवार को न्यू कॉन्फ्रेंस हॉल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय आसनसोल में मार्च, 2026 के लिए ऑन-डेट पेमेंट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आसनसोल मंडल के मंडल रेलवे प्रबंधक, श्री संग्रह मौर्य ने कुल 52 सेवानिवृत अधिकारी/ कर्मचारी /मृत रेलवे कर्मचारियों की विधवाओं को सेटलमेंट ड्यूज, पीपीओ (पेंशन पेमेंट ऑर्डर), सेटलमेंट डिटेल्स और यूएमआइडी कार्ड (रिटायर्ड एम्प्लॉई लिबरलाइज्ड हेल्थ स्कीम (आरईएलएचएस) कार्ड के बजाय) दिए। इस कार्यक्रम में श्री प्रवीण कुमार प्रेम / अपर मंडल रेलवे प्रबंधक / आसनसोल , सुश्री बबल यादव , वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी / आसनसोल, मंडल रेलवे अस्पताल / आसनसोल के डॉ. इंद्रनील चक्रवर्ती, सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी / मंडल रेलवे अस्पताल / आसनसोल और अन्य रेलवे अधिकारीगण उपस्थित हुए।

जमशेदजी नुसरवानजी टाटा की जयंती पर सजी लौहनगरी, जुबिली उद्यान में भव्य विद्युत प्रकाश का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : संस्थापक दिवस के अवसर पर जमशेदपुर एक बार फिर उत्सव और उल्लास के रंग में रंग गया है। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नुसरशानजी टाटा की जयंती को लेकर पूरे नगर में विशेष तैयारियां की गई हैं। पूर्व संध्या पर ही लौहनगरी रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से आलोकित हो उठी और प्रमुख मार्गों से लेकर चौक-चौराहों तक आकर्षक सजावट देखने को मिली।

शहर के प्रमुख आकर्षण जुबली पार्क में सोमवार की संध्या भव्य विद्युत प्रकाश व्यवस्था का विधिवत शुभारंभ किया गया। टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने संध्या छह बजे दीप प्रज्वलित कर रोशनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर टाटा इस्पात के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सह प्रबंध निदेशक सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस वर्ष की सजावट को विशेष रूप से संस्थापक के जीवन, उनके दूरदर्शी विचारों और औद्योगिक योगदान को समर्पित किया गया है। विद्युत आकृतियों और प्रकाश चित्रों के माध्यम से उनके सपनों के भारत, आत्मनिर्भर उद्योग और आधुनिक नगर की परिकल्पना को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया है। उद्यान में प्रवेश करते ही भव्य प्रकाश द्वार आगंतुकों का स्वागत करता है, वहीं फव्वारों और वृक्षों पर की गई विशेष प्रकाश सज्जा लोगों को आकर्षित कर रही है।

संस्थापक दिवस के उपलक्ष्य में केवल जुबिली उद्यान ही नहीं, बल्कि बिष्टुपुर, साकची, कदमा, सोनारी सहित शहर के विभिन्न हिस्सों को भी विद्युत झालरों और आकर्षक प्रकाश श्रृंखलाओं से सजाया गया है।

तीन मार्च से जुबिली उद्यान आम नागरिकों के लिए खोल दिया जाएगा। संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने यातायात और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की है। भारी वाहनों के प्रवेश पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। चार मार्च को होली पर्व के कारण उद्यान बंद रहेगा, जबकि पांच मार्च को पुनः दर्शकों के लिए खोला जाएगा।

देश में सबसे पहले महाकाल मंदिर में हुआ होलिका दहन, वैदिक मंत्रों से जली होली

एजेंसी

उज्जैन। देशभर में सोमवार की रात होलिका दहन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर से हुई।

गौरतलब है कि देश में सभी त्यौहार सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर में मनाए जाते हैं। यह परम्परा वर्षों से चली आ रही है। सोमवार को शाम 7.30 बजे होली का पर्व सबसे पहले उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में मनाया गया। परंपरा के अनुसार इस बार भगवान महाकाल को केवल एक किलो हर्बल गुलाल प्रतीकात्मक रूप से अर्पित किया गया। संध्या आरती के दौरान पुजारी ने भगवान को गुलाल अर्पित किया। जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर में गोबर के उपलों से बनी होलिका का दहन किया गया।

सुरक्षा कारणों से इस बार भी आम श्रद्धालुओं को होलिका दहन स्थल के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई। पूर्व में हुई आग की घटना को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने विशेष सावधानी बरतते हुए यह फैसला लिया है। होलिका दहन में संभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें।

मंदिर के पुजारी आशीष शर्मा ने बताया कि महाकाल मंदिर में सबसे पहले होली मनाने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है, जिसमें भगवान को प्रतीकात्मक रूप से गुलाल अर्पित किया जाता है। महाकाल मंदिर में धुलेंडी का पर्व मंगलवार को ही मनाया जाएगा। इस दौरान तड़के सुबह 4 बजे होने वाली भस्म आरती में सबसे पहले भगवान महाकाल को गुलाल लगाया जाएगा। इसके बाद भगवान का भांग और चंदन से विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

देश में सबसे पहले भगवान महाकाल को गुलाल लगाने के बाद होलिका दहन किया गया। इसके बाद पूरे प्रदेश में होलिका दहन शुरू हो गया। इंदौर के राजवाड़ा में भव्य स्तर पर होलिका दहन में लोगों की भीड़ उमड़ी रही है। भोपाल, जबलपुर ग्वालियर सहित प्रदेश के सभी शहरों में होलिका दहन जारी है। इस वर्ष भी होली पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं।

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार देर शाम भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होलिका की विधि-विधान से सपत्नीक पूजा-अर्चना कर होलिका का दहन किया। होलिका में गौ-काष्ठ का उपयोग किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की धर्मपत्नी सीमा यादव, अन्य परिजन एवं म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक अशोक कड़ेल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पदस्थ सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को होली की बधाई देकर प्रसादी के रूप में गुझिया वितरित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होलिका दहन कर प्रदेशवासियों को रंग पर्व की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि होली हम सबको रंगों से सराबोर कर देने वाला त्यौहार है। होली हमें एकजुट रहने की सीख देती है। हम सभी को अपने आपसी मतभेदों को भुलाकर होली से रंगपंचमी तक प्रेमपूर्वक यह त्यौहार मनाना चाहिए।

होली के बाद स्पेशल ट्रेनों का होगा परिचालन

हाजीपुरः होली के उपरांत यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल के प्रमुख स्टेशनों से देश के विभिन्न शहरों के लिए कई होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा जिनका विवरण निम्नानुसार है

1. गाड़ी संख्या 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल 08.03.2026 को 2. गाड़ी संख्या 03230 पटना-पुरी स्पेशल 05.03.2026 से 26.03.2026 तक प्रत्येक गुरूवार को 3. गाड़ी संख्या 03251 दानापुर-एसएमभीबी, बेंगलूरू स्पेशल 31.03.2026 तक प्रतिदिन 4. गाड़ी संख्या 02024 पटना-हावड़ा स्पेशल 08.03.2026 से 29.03.2026 तक प्रत्येक रविवार को 5. गाड़ी संख्या 03239 पटना-नई दिल्ली स्पेशल 05.03.2026 से 15.03.2026 तक प्रतिदिन 6. गाड़ी संख्या 03225 दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल 05.03.2026 से 26.03.2026 तक प्रत्येक गुरूवार को 7. गाड़ी संख्या 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल 09.03.2026 से 30.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को 8. गाड़ी संख्या 01482 दानापुर-पुणे स्पेशल 04.03.2026 एवं 08.03.2026 को 9. गाड़ी संख्या 01144 दानापुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल 09.03.2026 तक प्रतिदिन 10. गाड़ी संख्या 01150 दानापुर-पुणे स्पेशल 10.03.2026 तक प्रतिदिन 11. गाड़ी संख्या 08440 पटना-पुरी स्पेशल 10.03.2026 तक प्रतिदिन 12. गाड़ी संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल 27.03.2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को 13. गाड़ी संख्या 09026 दानापुर-वलसाड स्पेशल 31.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार 14. गाड़ी संख्या 09344 पटना-डॉ अम्बेडकर नगर स्पेशल 27.03.2026 तक प्रत्येक शुक्रवार 15. गाड़ी संख्या 07092 दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल 05.03.2026 एवं 09.03.2026 को 16. गाड़ी संख्या 04615 दानापुर-फिरोजपुर स्पेशल 03.03.2026 एवं 07.03.2026 को 17. गाड़ी संख्या 04663 पटना-अमृतसर स्पेशल 03.03.2026 एवं 06.03.2026 को 18. गाड़ी संख्या 03249/03250 राजगीर-पटना-राजगीर स्पेशल 01.03.2026 से 31.03.2026 तक प्रतिदिन 19. गाड़ी संख्या 09822 दानापुर-सोगरिया (कोटा) स्पेशल 09.03.2026 को 20. गाड़ी संख्या 03697 शेखपुरा-नई दिल्ली स्पेशल 02.03.2026 से 14.03.2026 तक सोम, मंगल एवं शुक्रवार को 21. गाड़ी संख्या 02397 शेखपुरा-नई दिल्ली स्पेशल 08.03.2026 एवं 15.03.2026 को 22. गाड़ी संख्या 04069 शेखपुरा-आनंद विहार स्पेशल 06.03.2026 को 23. गाड़ी संख्या 08184 बक्सर-टाटा स्पेशल 01.04.2026 तक प्रत्येक बुधवार को 24. गाड़ी संख्या 05559 रक्सौल-उधना स्पेशल 28.03.2026 तक प्रत्येक शनिवार को 25. गाड़ी संख्या 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक, मुंबई स्पेशल 10.03.2026 से 31.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 26. गाड़ी संख्या 05585 सहरसा-लोकमान्य तिलक, मुंबई स्पेशल 06.03.2026 से 27.03.2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को गाड़ी संख्या 05575 सहरसा-आनंद विहार स्पेशल 11.03.2026 को 27. गाड़ी संख्या 05506 सहरसा-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल 06.03.2026 से 15.03.2026 तक प्रत्येक मंगल, शुक्र, शनि एवं रविवार को 28. गाड़ी संख्या 05505 पूर्णिया कोर्ट-सहरसा स्पेशल 09.03.2026 से 17.03.2026 तक प्रत्येक सोम, मंगल, शुक्र, एवं शनिवार को 29. गाड़ी संख्या 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार स्पेशल 06.03.2026 से 15.03.2026 तक प्रत्येक मंगल, शुक्र, शनि एवं रविवार को 30. गाड़ी संख्या 02563 बरौनी-नई दिल्ली स्पेशल 01.03.2026 से 30.03.2026 तक प्रतिदिन 31. गाड़ी संख्या 02569 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल 01.03.2026 से 30.03.2026 तक प्रतिदिन 32. गाड़ी संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद स्पेशल 29.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार को 33. गाड़ी संख्या 05509/05510 सहरसा-जमालपुर-सहरसा स्पेशल 01.03.2026 से 31.03.2026 तक प्रतिदिन 34. गाड़ी संख्या 03044 रक्सौल-हावड़ा स्पेशल 08.03.2026 एवं 15.03.2026 को 35. गाड़ी संख्या 03184 मधुबनी-सियालदह स्पेशल 08.03.2026 को 36. गाड़ी संख्या 03188 मधुबनी-कोलकाता स्पेशल 04.03.2026 को 37. गाड़ी संख्या 04053 बरौनी-नई दिल्ली स्पेशल 08.03.2026 तक प्रतिदिन 38. गाड़ी संख्या 04059 सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल 08.03.2026 तक प्रतिदिन 39. गाड़ी संख्या 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली स्पेशल 06.03.2026 को 40. गाड़ी संख्या 04651 जयनगर-अमृतसर स्पेशल 31.03.2026 तक प्रत्येक रवि, मंगल एवं शुक्रवार को 41. गाड़ी संख्या 09032 हसनपुर रोड-उधना स्पेशल 30.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार को 42. गाड़ी संख्या 07006 रक्सौल-चर्लपल्ली स्पेशल 04.03.2026 को गाड़ी संख्या 01044 समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक स्पेशल 05.03.2026 को 43. गाड़ी संख्या 06040 बरौनी-चेन्नई स्पेशल 04.03.2026 एवं 11.03.2026 को 44. गाड़ी संख्या 04732 समस्तीपुर-श्रीगंगानगर स्पेशल 31.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 45. गाड़ी संख्या 04529 मधुबनी-सरहिंद स्पेशल 03.03.2026 एवं 07.03.2026 को 46. गाड़ी संख्या 04609 मानसी-अमृतसर स्पेशल 06.03.2026 को 47. गाड़ी संख्या 08106 झंझारपुर-रांची स्पेशल 31.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 48. गाड़ी संख्या 08110 दरभंगा-संतरागाछी स्पेशल 31.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 49. गाड़ी संख्या 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल 07.03.2026 को 50. गाड़ी संख्या 05589 मुजफ्फरपुर-हडपसर (पुणे) स्पेशल 10.03.2026 से 24.03.2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 51. गाड़ी संख्या 06086 मुजफ्फरपुर-एरणाकुलम स्पेशल 30.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार को 52. गाड़ी संख्या 07316 मुजफ्फरपुर-हुब्बली स्पेशल 07.03.2026 से 04.04.2026 तक प्रत्येक शनिवार को 53. गाड़ी संख्या 03639 धनबाद-शकूरबस्ती स्पेशल 06.03.2026 एवं 09.03.2026 को 54. गाड़ी संख्या 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल 03.03.2026, 07.03.2026 एवं 10.03.2026 को 55. गाड़ी संख्या 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 10.03.20260 से 24.03.2026 तक प्रत्येक गुरूवार को 56. गाड़ी संख्या 03677 धनबाद-गोरखपुर स्पेशल 09.03.20260 से 30.03.2026 तक प्रत्येक रविवार को 57. गाड़ी संख्या 06564 धनबाद-यशवंतपुर स्पेशल 30.03.2026 तक प्रत्येक सोमवार को 58. गाड़ी संख्या 02831 धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल 01.04.2026 तक प्रतिदिन चलेगी।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक एवं 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' कार्यक्रम का आयोजन

हाजीपुरः महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में सोमवार को ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे ईम्प्लाईज यूनियन (ईसीआरईयू) के पदाधिकारियों के साथ परिचालन, रेलवे के विकास, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र की वर्ष 2026 की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ । बैठक प्रारंभ होने से पूर्व महाप्रबंधक के नेतृत्व में सभी अधिकारियों एवं यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा सेवा संकल्प प्रस्ताव का पाठन किया गया । प्रस्ताव की भावना के अनुरूप ही सभी रेलकर्मियों द्वारा सेवाभाव व निष्ठा की प्रतिबद्वता दुहराई गई जिससे रेल एवं देश के विकास में सम्यक योगदान होगा ।

बैठक में अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे । बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया ।

महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में भी हम नियमित रूप से पदोन्नति देने, एमएसीपी प्रदान करने, चिकित्सीय एवं शैक्षणिक सहायता हेतु राशि प्रदान करने, ससमय समापक भुगतान करने तथा अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने जैसे कर्मचारी कल्याण से जुड़े कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं । उन्होंने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में और नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा।

महाप्रबंधक ने यूनियन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने रेलकर्मियों के कल्याण व आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, रेलवे की आय बढ़ाने तथा विकास कार्यों पर विशेष बल दिए जाने की प्रतिबद्धता दुहराई तथा पूर्व मध्य रेल की प्रगति में यूनियन की सहभागिता के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

बैठक में ईसीआरईयू के अध्यक्ष संतोष कुमार पासवान, महासचिव मृत्युंजय कुमार एवं ईसीआरईयू के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। यूनियन द्वारा बैठक के दौरान कर्मचारी कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।

होली के त्योहार की भीड़ को लेकर आसनसोल मंडल ने आसनसोल, मधुपुर और जसीडीह में यात्रियों के लिए लगाए टेन्ट

आसनसोलः आगामी होली के त्योहार को देखते हुए, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने त्योहार के दौरान सुगम, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक यात्री प्रबंधन उपायों के साथ विशेष ट्रेन सेवाएं लागू की हैं। होली के दौरान यात्रियों की मांग में पारंपरिक रूप से देखी जाने वाली भारी वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, मंडल के सभी स्टेशनों पर सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने और वहन क्षमता बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाए गए हैं।

पूरे देश में मनाया जाने वाला रंगों का जीवंत त्योहार होली, लोगों के अपने गृहनगरों की यात्रा के दौरान बड़े पैमाने पर यात्रा का गवाह बनता है, क्योंकि लोग परिवार और दोस्तों के साथ जश्न मनाने जाते हैं। मौसमी भीड़ और उससे जुड़ी भीड़भाड़ की चुनौतियों से निपटने के लिए, होली के त्योहारों के दौरान आसनसोल मंडल में कुल 28 जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें और 3 एकतरफा होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन ट्रेनों में मंडल से शुरू होने वाली, मंडल से गुजरने वाली और मंडल में समाप्त होने वाली सेवाएं शामिल हैं, जिससे महत्त्वपूर्ण रूटों पर बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो रही है।

व्यस्ततम समय (पीक आवर्स) के दौरान यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए, आसनसोल, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर कवर्ड वेटिंग टेन्ट लगाए गए हैं। इन वेटिंग एरिया का उपयोग यात्रियों को चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से प्लेटफॉर्म पर प्रवेश कराने के लिए किया जा रहा है, जिससे भीड़भाड़ को रोका जा सके और भीड़ को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सके।

टिकट चेकिंग स्टाफ और सुपरवाइजर सहित अतिरिक्त वाणिज्य कर्मचारियों को प्रमुख स्टेशनों पर तैनात किया गया है ताकि निगरानी को मजबूत किया जा सके और यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। सुरक्षा बनाए रखने, कतारों को नियंत्रित करने और भीड़ की आवाजाही को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर अतिरिक्त आरपीएफ कर्मियों को भी तैनात किया गया है। एस्केलेटर, सीढ़ियों और लिफ्टों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। स्टेशन परिसर चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी में है।

ट्रेनों के समय, प्लेटफार्म की जानकारी और सुरक्षा संबंधी सलाह नियमित अंतराल पर सार्वजनिक घोषणाएं की जा रही हैं। प्लेटफार्म और आवागमन क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा, प्रतीक्षा क्षेत्र और स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। कोचों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। होली के त्योहार के दौरान आसनसोल मंडल में सुचारू ट्रेन संचालन, कुशल भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाओं की मंडल स्तर पर गहन निगरानी रखी जा रही है और विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com